खण्ड-08 सत्र-01 / अंक-03

बृहस्पतिवार 27 फरवरी, 2025 / 08 फाल्गुन, 1946 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

आठवीं विधान सभा

पहला सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-08, सत्र-1 में अंक 01 से 05 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-1 बृहस्पतिवार, 27 फरवरी, 2025/08 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-03

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	निधन संबंधी उल्लेख	3-4
3.	ध्यानाकर्षण (नियम-54)	5-8
4.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	9-46
5.	शराब नीति पर सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा	47-141
6.	माननीय उपाध्यक्ष का निर्वाचन	142-143
7.	बधाई प्रस्ताव	144-164

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 बृहस्पतिवार, 27 फरवरी, 2025/08 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-03

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अहिर दीपक चौधरी
2. श्री अभय कुमार वर्मा
3. श्री अजय कुमार महावर
4. श्री अनिल कुमार शर्मा
5. श्री अरविन्दर सिंह लवली
6. श्री चन्दन कुमार चौधरी
7. डॉ. अनिल गोयल
8. श्री गजेन्द्र सिंह यादव
9. श्री हरीश खुराना
10. श्री कैलाश गहलोत
11. श्री कैलाश गंगवाल
12. श्री करनैल सिंह
13. श्री करतार सिंह तंवर
14. श्री कुलदीप सोलंकी
15. श्री कुलवन्त राणा
16. श्री मनोज कुमार शौकीन
17. श्रीमती नीलम पहलवान
18. श्री नीरज बैसोया
19. श्री प्रद्यूम्न सिंह राजपूत
20. श्री पवन शर्मा
21. श्रीमती पूनम शर्मा
22. श्री राजकरण खत्री

23. श्री राजकुमार भाटिया
24. श्री राजकुमार चौहान
25. श्री रविन्दर सिंह नेगी
26. श्री संजय गोयल
27. श्री सतीश उपाध्याय
28. सुश्री शिखा राय
29. श्री श्याम शर्मा
30. श्री तरविन्दर सिंह मारवाह
31. श्री तिलक राम गुप्ता
32. श्री उमंग बजाज
33. श्री संदीप सहरावत
34. श्री अमानतुल्लाह खान
35. श्री जितेन्द्र महाजन
36. श्री ओमप्रकाश शर्मा
37. श्री रवि कान्त

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-1 बृहस्पतिवार, 27 फरवरी, 2025/08 फाल्गुन, 1946 (शक) अंक-03

सदन पूर्वाह्न 11.05 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

निधन संबंधी उल्लेख

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, आज पहला नार्मल डे है क्योंकि परसों एलजी एड्रैस था तो सदन की कार्यवाही पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक संवेदना क्योंकि उनके निधन के बाद ये सदन पहली बार बैठ रहा है, तो माननीय सदस्यगण हम सबको विदित है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसम्बर, 2024 को निधन हो गया। उनके निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है। वह अपनी कार्यशैली, कर्मठता, ज्ञान और सादगी के कारण हमेशा याद रखे जायेंगे। देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था में उनका अमूल्य योगदान है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूं

कि उनके परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। अब दिवंगत आत्मा के सम्मान में सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया जायेगा।

(सदन द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया)

माननीय अध्यक्षः ऊँ शान्ति, शान्ति, शान्ति ऊँ। माननीय सदस्यगण महाकुंभ के सफल आयोजन पर बधाई। आप सबको विदित है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जहां आस्था, भक्ति, सेवा और तपस्या का अद्‌भुत संगम देखने को मिला। अनुमान है कि देशभर से 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिये मैं अपनी ओर से और सदन की ओर से भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश सरकार तथा सभी संबंधित एजेंसियों को हार्दिक अभिनन्दन, मैं बधाई देता हूं। आज सदन के समक्ष श्री सतीश उपाध्याय माननीय सदस्य, पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान शहीद भगत सिंह की मूर्ति का कथित अपमान तथा शहीदों की गंभीर उपेक्षा के संबंध में सदन का ध्यान आकर्षित करेंगे।

ध्यानाकर्षण (नियम-54)

श्री सतीश उपाध्यायः आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी के विपक्ष के नेता ने गत तीन दिनों से इस सदन में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के भावना को तार-तार किया है, जिस तरीके से हमारी माननीय मुख्यमंत्री जी के संदर्भ में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, भगत सिंह जी के संदर्भ में चित्र को लेकर के अपने भ्रष्टाचार को छिपाने की राजनीति की है।

माननीय अध्यक्षः सतीश जी मैं आपको बीच में रोकना चाहूंगा। हमारे बीच में श्रीमान विजय गोयल जी पूर्व केन्द्रीय मंत्री सदन में उपस्थित हैं। सदन में उनका हृदय की गहराईयों से स्वागत है। प्रारंभ करें।

श्री सतीश उपाध्यायः जिस तरीके से देश के महान क्रांतिकारी भगत सिंह जी के चित्र को लेकर के उन्होंने यहां पर राजनीति की है और इस सदन को चलाने में जिस प्रकार की अराजकता हमने देखी थी और आपने नियम और कायदे-कानून के तहत उनको सदन से बाहर भी किया था लेकिन आम आदमी पार्टी का दोहरा चरित्र उनकी दोहरी चाल-चलन, आपको मैं पीछे 2014 में अध्यक्ष जी ले जाना चाहता हूं। 2014 में देश के एक वरिष्ठ पत्रकार मुझे उसमें नाम लेने में भी कोई दिक्कत नहीं है पुण्य प्रसून बाजपेयीजी के साथ जिस तरीके का एक स्टींग ऑपरेशन आया था उस स्टींग

ऑपरेशन में उस समय के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की आप अगर बॉडी लैंग्वेज को देखेंगे जो उनके आपस का कन्वरसेशन था वार्तालाप को आप देखेंगे तो किस तरीके से वो कहते हैं कि मैं भगत सिंह जी के चित्र को और भगत सिंह जी वाले विषय को आगे ले जाकर के बड़ा क्रांतिकारी कदम होगा और इसको लम्बे समय तक टीवी चैनल पर चलाऊँगा, इससे बड़ी भर्त्सना की बात कोई नहीं हो सकती कि आप किस तरीके से अपने राजनैतिक स्वार्थों के लिये, अपने राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिये आप भगतसिंह जैसे शहीद का भी दुरूपयोग कर सकते हैं। बात आती है सदन की, सदन में जब ये ध्यान में आया कि कैग की रिपार्ट पर चर्चा होनी है, कैग की रिपोर्ट में तमाम तरह की अनियमिततायें हैं। एक बड़ा भ्रष्टाचार आपने इस शराब घोटाले में किया है, लिकर पॉलिसी में किया है उस पॉलिसी से ध्यान हटाने के लिये हमारे माननीय मुख्यमंत्री के कमरे में आज भी वो चित्र भगतसिंह जी का लगा है, भीमराव अम्बेडर जी का लगा है लेकिन केवल उस पर हंगामा करना और इस भ्रष्टाचार को छुपाने के लिये उन चित्रों का प्रयोग करना ये सबसे ज्यादा भर्त्सनापूर्ण है। मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं मेरे यहां मालवीय नगर में एक भगतसिंह जी का बड़ा पार्क है और उस पार्क में एक भगतसिंह जी की मूर्ति लगी हुई है ये मूर्ति पिछले तीन साल से खंडित है इस मूर्ति में हाथ टूटा हुआ है एक पैर टूटा हुआ है और पिछले तीन बार से यहां पर जो विधायक है सोमनाथ भारती इससे बड़ा किसी क्रांतिकारी शहीद का

का अपमान नहीं हो सकता है, इस मूर्ति को तीन साल से ठीक नहीं कराया गया, तीन साल से इसको ठीक नहीं कराया गया। अगर अरविंद केजरीवाल, आतिशी और उनकी पार्टी शहीदों से इतना प्यार करने वाले होते या शहीदों को मानने वाले होते तो कम से कम इस तरह की जो घटनायें हैं, इस तरह की जो मूर्तियां हैं उनको ठीक कराने का काम करते, उनको नमन करने का काम करते। मुझे एक और जगह पता चला है हमारे साथी हैं महरौली के अंदर वहां भी अब भगतसिंह जी की मूर्ति है जिसको तोड़ा गया और इनके विधायक और इनके सत्ता के समय में उसको तोड़ा गया लेकिन उसको भी ठीक करने का काम इन्होंने नहीं किया और अगर किया तो केवल उनको किस तरह से अपने सत्ता के लालच के लिये किस तरीके से राजनीति करने के लिये यूज़ कर सकते हैं इसका उपयोग किया।

अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कल हमने वहां जाकर के इस मूर्ति पर एक कपड़ा लगवाया है और कपड़ा लगवाकर के हमको जो संस्कार देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिये हैं कि हमारे जो देश के क्रांतिकारी हैं, देश के जो शहीद हैं जिन्होंने देश की आज़ादी में एक अपना बहुत बड़ा सहयोग किया है, योगदान दिया है उनको सम्मान देने का काम कल हमने इसमें करने का काम किया है और अधिकारियों को बुलाकर के ये कहा है कि अगले बीस दिन और एक महीने के अंदर हम वहां पर भगतसिंह जी को सम्मान देने के लिये नई मूर्ति वहां पर लगायेंगे या उस मूर्ति को

ठीक करेंगे। आज सभी अखबारों ने, पंजाब केसरी ने, दैनिक जागरण ने, सबने इन खबरों को प्रमुखता से छापा है किस तरीके से इन्होंने भगतसिंह जी का जो अपमान किया है इस अपमान को इस आम आदमी पार्टी के दोहरे चरित्र को कोई दिल्लीवासी बर्दाश्त नहीं करेगा और मैं आपका ध्यान इसमें दिलाना चाहता था कि ये ध्यान में रहे कि किस तरह से अपनी राजनीति को प्रयोग करने के लिये, किस तरह से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिये, किस तरीके से कैग पर कोई चर्चा न हो, किस प्रकार से ये पूरी तरह से दिल्ली को गुमराह करें और अराजकता का व्यवहार करें इतना ही निवेदन मैं आपको करना चाहता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री सतीश उपाध्याय जी द्वारा नियम-54 में जो ध्यानाकर्षित किया गया है सदन में मैं चाहूंगा मंत्री महोदय पीडब्ल्यूडी इस पर अपना उत्तर दें।

माननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): धन्यवाद आपका उपाध्याय साहब ये जो आपने जानकारी हमारे संज्ञान में लाये हैं, ये नौटंकी करना तो आपको पता है इनकी दुकान ही इससे चलती है। अभी सीएम साहिबा ने बताया था किस तरह से भगतसिंह के फोटो के चेहरे के पीछे और बाबा साहेब अम्बेडकर के चेहरे के पीछे इस नाम को शराब के धंधे को छुपाने की कोशिश की जा रही है, आपने जो हमारे संज्ञान में लाई इस पर तुरंत कार्यवाही मंत्रालय की तरफ से की जायेगी, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अब विशेष उल्लेख नियम-280 के तहत तरविन्दर सिंह मारवाह जी(अनुपस्थित), चंदन कुमार चौधरी।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री चंदन कुमार चौधरीः माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से सबसे पहले मैं इस सदन के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूं। हम सभी को जनता ने बड़ी आशाओं और अपेक्षाओं के साथ इस पवित्र सदन में भेजा है विशेषकर तब जब जनता को बड़े-बड़े वादे करने वाली एक निक्कमी सरकार जिसने लगभग 11 वर्षों तक राज किया और कहते हैं कि ना कि दिल्ली है।

(आपसी विचार विमर्श)

माननीय अध्यक्षः 280 में जो आपका विषय ड्रा में आया है उस पर आपको बात करनी है। अगर आपकी तैयारी नहीं है तो आप तैयारी कर लें।

श्री चंदन कुमार चौधरीः मुझे बोला गया था लिक्कर पर बोलना है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः कॉपी तो इनके पास होनी चाहिये ना, जब इन्होंने जमा की है तो। चंदन जी बैठ जाईये अगर आपकी तैयारी

नहीं है तो बैठ जाइये अभी, श्री मोहन सिंह बिष्ट। आप देर से आये हैं आपको बाद में देखेंगे, पहले बाकी लोग।

श्री मोहन सिंह बिष्टः अध्यक्ष जी आपने विशेष उल्लेख के तहत मुझे अपनी विधानसभा क्षेत्र मुस्तफाबाद की समस्याओं के बारे में जो आपने मुझे मौका दिलाया उसके लिये मैं आपको दिल की गहराईयों से आभार प्रकट करता हूं आपका धन्यवाद प्रकट करता हूं।

माननीय अध्यक्षः लॉटरी ने आपको मौका दिया है मैंने नहीं दिया, लॉटरी से मिला है।

श्री मोहन सिंह बिष्टः लॉटरी नहीं अध्यक्ष की परमीशन से बोल रहा हूं सर मैं, यहां के मालिक तो आप ही हैं। सर मेरी विधानसभा मुस्तफाबाद है अब करावल नगर नहीं है मुस्तफाबाद हो गई है। मैं मुस्तफाबाद के अन्तर्गत पीने की पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है सर और जबकि इस क्षेत्र के अन्तर्गत दो-दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट हैं,सर एक ओर सोनिया विहार और दूसरी ओर भगीरथी विहार दोनों प्लांट होने के बावजूद मेरी विधानसभा के लोगों को पीने के पानी से वंचित होना पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूं 1998 वें से लेकर के 2008 तक मैं जब वहां का विधायक था तो पूरे क्षेत्र में शुद्ध गंगाजल मिलता था। अध्यक्ष महोदय उसके बाद उस क्षेत्र के लोगों को शुद्ध गंगाजल तो दूर की बात वहां रेनी ट्यूबवैल तक का पानी नहीं मिलता है। पानी के लिये उनको बड़ी-बड़ी कतारें लगानी पड़ रही

हैं। मेरा आपके माध्यम से अपने जलमंत्री जी से भी निवेदन है कि मुस्तफाबाद की समस्याओं को देखते हुये उनको गंगाजल और वहां पर सर जो पाइपलाइन डाली गई थी 1998 में वो सारी की सारी पाइनलाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। सर यदि आप उस एरिया को देखेंगे तो आपको लगेगा ये पिछली बार जो सरकार रही थी जो आपदा को विपदा समझकर लोगों ने सत्ता से बाहर कर दिया आज वहां पर डायरिया जैसी बीमारी, पीलिया जैसी बीमारी अनेक बीमारियां उस क्षेत्र के अंदर फैल रही हैं, मैं आपसे नम्र निवेदन करना चाहता हूं आपके माध्यम से मैं सरकार से, अपनी मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं, अपने मंत्रीजी से मैं निवेदन करना चाहता हूं वहां पर तुरंत पानी की पाइपलाइन बिछा दी जाये जिससे उनको शुद्ध गंगाजल मिले वो गंदे पानी को पीने के लिये मजबूर ना हों ये मैं आपके माध्यम से अपनी मंत्रीजी से भी मैं निवेदन करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी सरकार अब हमें लग रहा है मेरी सरकार आ गई है मेरी बहन यहां की मुख्यमंत्री बन चुकी है मेरा भाई यहां का मंत्री बन चुका है जो दिल्ली के लोगों की पीने की पानी की जो व्यवस्था थी जिसकी वजह से लोग परेशान थे शायद अब उनको उससे छुटकारा मिलेगा यही मैं आपसे निवदेन करना चाहता हूं। जिस आसन पर आप बैठे हैं अध्यक्ष महोदय मुझे लगता है आप हमारी ऐसी चीज़ों का ऐसी समस्याओं का समाधान करने के लिये सरकार को जरूर निर्देश देंगे जिससे लोग सदा आपके आभारी रहेंगे सधन्यवाद थैंक्यू।

माननीय अध्यक्षः अनिल कुमार शर्मा। जिन मैम्बर्स का नाम बुला और वो नहीं उपस्थित थे या नहीं बोले उनको बाद में मौका दिया जायेगा जब ये सूची पूरी हो जायेगी।

श्री अनिल कुमार शर्माः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं कि आज आपने एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर मुझे यहां पर बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं हमारी आदरणीय सीएम मैडम भी सभा में हैं उनके सामने कुछ अपनी विधानसभा खासकर आर.के. पुरम् के अंदर जो पानी और सीवर की मेजर समस्या है उसके बारे में आपका ध्यानआकर्षण करना चाहता हूं। नार्मली चुनाव के अंदर जब हम लोग जाते हैं चुनाव लड़ने के लिये तो लोगों की समस्यायें पानी और सीवर की सुनने में नहीं आती थीं, आती थी पिछले चुनावों में या हम जब लड़े या जीते कि फ्लाईओवर बन जायें तो बड़ी-बड़ी डिमांड हो जाये पर इस बार आर.के. पुरम् के अंदर हम जिस भी जगह गये वहां पर एक ही डिमांड थी की हमारा जो गंदा पानी आ रहा है वो ठीक हो जाये और जो सीवर जो बह रहे हैं वो ठीक हो जायें। मैं आपके माध्यम से आदरणीय सीएम महोदया से और हमारे जो जलमंत्री है आदरणीय प्रवेश जी से भी मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे यहां तीन-चार चीज़ें हैं जिनका जिक्र मैं आपके माध्यम से लिखित में भी दे चुका हूं और यहां पर बोल भी रहा हूं हमारे इधर चार गांव पड़ते हैं मुनिरका गांव है, बसंत गांव है, मोहम्मदपुर गांव जिसको अब हम माधवपुरम् गांव के नाम

से भी जान रहे हैं साथ ही जिस गांव में मैं रहता हूं गांव मोती बाग, चारों गांवों की स्थिति सीवर की इतनी दयनीय है कि वहां 24 घंटे ही मैं कह सकता हूं की सीवर बहते हैं साथ ही खाली गांव की ही नहीं जो हमारा पॉश इलाका है चाहे वो सत्य निकेतन हो, वसंत विहार आन्नद निकेतन ही क्यों ना हो वसंत इन्क्लेव ही क्यों न हो वहां पर भी सीवर की व्यवस्था बिल्कुल चरमराई हुई है वहां रोज़ पिछले जब से हम बने हैं ऐसा कोई दिन नहीं जा रहा जहां पर सीवर न बह रहे हों तो पुराने जो विधायिका यहां पर रही हैं या पुरानी सरकार उन्होंने इसके अंदर कोई भी काम नहीं किया और तो और जो सैक्टर है आर.के. पुरम् के अंदर जहां पर कोई नई बिल्डिगें भी नहीं बनी हैं नया कोई वो भी नहीं वहां पर भी सीवर की व्यवस्था खासकर आर.के.पुरम् सैक्टर-12, आर.के.पुरम् सैक्टर-4 वहां पर भी सीवर का पानी और गंदा पानी मिलकर के आ रहा है। मेरा आपसे निवेदन है कि इसके ऊपर तुरंत कोई कार्रवाई होनी चाहिये मैंने दो-तीन सुझाव के नाते भी मैं आपको बताना चाहता हूं हमारे यहां पर अभी तक एक ही जे.ई. हैं दूसरे जे.ई. के अभी शायद ऑर्डर हो गये हैं उन्होंने अभी ज्वॉइन करना है हमारे इतनी बड़ी विधानसभा में एक जे.ई. से काम नहीं चलेगा कम से कम तीन जे.ई. चाहिये। अभी एक्सईन भी ए.सी. साहब बन गये हैं तो हमारे इधर एक्सईन भी नया चाहिये इसके अलावा लेबर की बड़ी कमी है लेबर की कमी दूर होनी चाहिये। जब हमने मीटिंग ली जल बोर्ड के ऑफिसर्स के साथ एक्सईन के साथ और उनके स्टॉफ

के साथ तो उन्होंने कहा कि लेबर न के बराबर है तो लेबर की भी हमें जरूरत है साथ ही छोटे ऑटो टिपर होते हैं जो गांव की गलियों में अंदर जा सकते हैं अगर वो ऑटो टिपर जल बोर्ड उसको हायर कर ले और उसको गलियों में ले जाये तो वहां जो सीवर बहता रहता है वो सीवर ठीक हो सकता है ऐसा भी मेरा निवेदन आपसे है सुपर सकर के लिये आदरणीय जलमंत्री जी के माध्यम से हमें पता चला है की बहुत जल्दी हमारी विधासभाओं में सुपर सकर मशीन लगेगी उसके लिये भी मैं सीएम महोदया का और जलमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। मेरा इसमें एक निवेदन और है पीछे जैसे हम विधायक नहीं थे तो भी एरिये के अंदर जब हम बात करते थे लोगों से मिलते थे ऑफिसर से मीटिंग करते थे तो कुछ बजट की भी अर्जेंट आवश्यकता है खासकर गुरूद्वारा मोतीबाग साहिब जहां मेरा घर भी है अगर वहां से रिंग रोड़ पर कोई निकले तो वहां पर अक्सर सीवर इतना ज्यादा बहता रहता है वहां पर रोड़ के ऊपर पूरा सीवर लाइन चेंज होने की आवश्यकता है जिसके लिये बजट की तुरंत आवश्यकता है। साथ ही मैं एक ध्यान और आकर्षित करना चाहता हूं ये जो टैंकर का जो मामला है कि टैंकर पीछे जब शीला दीक्षित जी की सरकार थी तो केजरीवाल जी ने बड़ा मुद्दा उठाया कि टैंकर घोटाला हुआ उसकी जानकारी तो आपके माध्यम से हमें पता चलेगी उसका रिजल्ट क्या आया क्या नहीं आया परंतु मैं एक ध्यान अभी तक दिलाना चाहता हूं आपके माध्यम से सदन को कि जो अभी

टैंकर की कमी है वो टैंकर की कमी इतनी है कि टैंकर चक्कर तो लगाते हैं दो या तीन और कागजों में वो संख्या जाती है दस बारह। ये एक बड़ा घोटाला हो रहा है इसकी भी जांच आपके माध्यम से होनी चाहिए। साथ ही हमारी हर विधान सभा में, मैं तो अपनी विधान सभा की बात करूंगा, टैंकरों की कमी है। हमारे इधर 22 झुग्गी कलस्टर हैं। उसमें आज भी जल बोर्ड का पानी कई जगह नहीं जाता है। वो बोरिंग पर डिपैंड रहते हैं। कई बार बोरिंग जब खराब हो जाता है तो वहां टैंकर पहुंचाना होता है और जब टैंकर है ही नहीं तो टैंकर जायेगा कैसे। तो वहां पानी की मारा-मारी रहती है। तो हमारी विधान सभा आर के पुरम के अंदर आप टैंकर की व्यवस्था जरा ज्यादा करें ऐसा मेरा आपसे निवेदन है। साथ ही पहले ट्रैक्टर चलते थे। जब ट्रैक्टर चलते थे, छोटे टैंकर आज भी दस से पन्द्रह की संख्या में जल बोर्ड ऑफिस में खड़े हैं। अगर वो ट्रैक्टर नहीं चल सकते किसी कारण से तो अगर कोई व्यवस्था हो जाए तो जो गरीब व्यक्ति शादी करता है उसके लिए बड़े मुश्किल होती है कि वो टैंकर कोई प्राईवेट लाये। तो वो टैंकर अगर वहां खड़ा हो जायेगा तो उस गरीब व्यक्ति को भी शादी में सुविधा मिलेगी। साथ ही मैं एक इम्पोर्टेंट प्वाइंट कह कर अपनी बात को समाप्त करूंगा कि जो हमारे इधर झुग्गी बस्ती है इस बार माननीय मोदी जी के कारण उन्होंने पूरी भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास व्यक्त किया। जितनी भी झुग्गी बस्ती आर के पुरम विधान सभा में मैं तो कहूंगा दिल्ली के अंदर ही उन्होने पूरा समर्थन

भारतीय जनता पार्टी को दिया है। आज उनकी स्थिति ये है कि आधे से ज्यादा झुग्गी बस्ती के अंदर पानी के लाईनें नहीं है। वहां काफी गलियों में पानी नहीं पहुंचता है और जहां पहुंचता भी है वहां जल बोर्ड का नहीं बोरिंग का पानी पहुंचता है। मेरा आपसे निवेदन है आपके माध्यम से मैं सीएम महोदया मैडम को भी निवेदन करूंगा और जल मंत्री साहब को भी निवेदन करूंगा कि हमारी झुग्गी बस्ती के लिए विशेष तौर पर कुछ बजट का प्रोविजन करके वहां बोरिंग कराये जाये। वहां पर जहां पर नल अभी नहीं पहुंचा है वहां पानी दिया जाये।

(समय की घंटी)

श्री अनिल कुमार शर्मा: और खासकर जल बोर्ड का पानी भी दिया जाये। आपने मेरी बात को..

(समय की घंटी)

श्री अनिल कुमार शर्मा: ध्यान से सुना और घंटी बज गई है इसलिए मैं अपनी बात को यहीं समाप्त कर रहा हू। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: ओम प्रकाश शर्मा जी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी। 280 में वैसे तो सभी महत्वपूर्ण सवाल सदन के सभी सदस्य करते हैं लेकिन मेरा जो वक्तव्य और 280 है वो अति महत्वपूर्ण है आप इसके गवाह

है। आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके से दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहता हूं। पूरी दिल्ली में पिछले आठ सात साल में निवर्तमान सरकार के द्वारा दो फेस में सीसीटीवी कैमरे लगाये गए। 70 की 70 विधान सभाओं में दो-दो हजार कैमरे हर फेज में लगाये गए। पहले फेज जिसमें दो हजार कैमरे हर विधान सभा में लगाये गए। उसकी पेमेंट लोक निर्माण विभाग से कर दी गई। लेकिन बार-बार लगातार इस सदन में 280 के द्वारा और दूसरे माध्यम से मेरा बार-बार एक ही सवाल है कि मेरे यहां विश्वास नगर विधान सभा क्षेत्र में जो पहले फेज के दो हजार कैमरे लगे या लगने चाहिए थे, उसमें कैमरे लगे केवल चालीस और दो हजार कैमरे का जो पेमेंट हुआ वो गबन, घोटला, बेइमानी भ्रष्टाचार। मैं बार-बार इस सदन में ये पूछता हूं कि मेरे वो दो हजार कैमरे कहां गए, किसने चोरी किये लेकिन आज तक मुझे इसका जवाब नहीं मिला। जितनी भी एजेन्सियां दिल्ली में इससे सम्बन्धित हैं सभी एजेंसिंया को मैं लिख चुका हूं। ईवन पीएम पोर्टल तक ये बात हम लोग अपनी पहुंचा चुके हैं। लेकिन मेरी विधान सभा में निवर्तमान आम आदमी पार्टी की सरकार के द्वारा सौतेला व्यवहार और अपराधिक व्यवहार करने की वजह से जो कैमरे थे वो कैमरे ना लगाकर उन कैमरों का गबन किया या उनको बेचा गया, जिसका खामियाजा मेरे क्षेत्र की पूरी जनता को भुगतना पड़ रहा है। कई बार आवाज उठाई इस मद में जो भी फंड रिलीज हुए, बिना काम के रिलीज किये गए या उन चीजों

को कहीं और डायवर्ट किया गया ये अभी तक एक पहेली बनी हुई है। तो मैं अध्यक्ष जी आपके माध्यम से, मंत्री महोदय से ये निवेदन करता हूं कि मेरी विधान सभा में फस्ट फेज और सेकेंड फेज के जो चार हजार कैमरे जो लगने थे वो क्यों नहीं लगे। वो कैमरे किस के पास है इन कैमरों का क्या हुआ। इसकी जांच सैन्ट्रल विजिलैंस कमिशन के द्वारा कराई जाए और जो लोग दोषी हैं और जिन लोगों ने गबन किया है उनको सजा मिलनी चाहिए। जय हिंद। जय भारत।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद ओम प्रकाश जी। ये बहुत ही महत्व का विषय आपने रखा है यहां और मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि विपक्ष के आठ सदस्य थे। जब टेंडर प्रक्रिया हुई तो असेम्बली अनुसार हुई और उसमें प्रावधान रखा गया कि हर विधान सभा में दो-दो हजार कैमरे लगेंगे। यानि कि कैमरों की खरीद हुई एक लाख चालीस हजार कैमरे खरीदे गए। प्रत्येक विधान सभा के लिए दो हजार और ये दो फेजेज में हुआ। दो हजार एक बार, दो हजार एक। लेकिन सदन को ये जानकर दुख होगा कि कैमरे खरीदने के बाद वो विपक्ष के सदस्यों के यहां कैमरे नहीं लगाने दिये गए। क्योंकि उसके पीछे मुख्यमंत्री के आदेश थे, केजरीवाल जी के कि उनके दफ्तर से हस्ताक्षर होंगे तभी कैमरे रिलीज होंगे और विपक्ष के सदस्यों के कैमरे रिलीज नहीं हुए। पैसा खर्च हो गया वो कैमरे कहां गए। इस पर पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर ध्यान दे वो

कैमरे तुरन्त उन सदस्यों के क्षेत्र में लगने चाहिए इस पर कुछ अभय जी भी कहना चाहते हैं।

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी, आपकी बात को मैं आगे बढ़ाते हुए मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जब हम लोगों ने कई बार इस हाउस में आवाज उठाई लिखित मंत्रालय को दिया। मंत्री जी से व्यक्तिगत मिले। उसके बावजूद कोई रास्ता नहीं निकला तो फिर हम हाई कोर्ट गए। मेरे नाम से पैटिशन डला। हाई कोर्ट ने डायरेक्शन दिया कि दस दिनों के अंदर इस मसला को सोल्व करके इसको कैमरे को लगवायें। वो कागज भी सरकार के पास पहुंचा और केबिनेट में पुटअप हुआ कि ऐसे-ऐसे हाई कोर्ट का ये संज्ञान है इसको जल्द से जल्द रिसोल्व करना है। लेकिन केबिनेट में वो लगातार पेंडिंग-पेंडिंग आज तक पेंडिंग है। तो मैं आपके माध्यम से ये कहना चहूंगा कि कैबिनेट वो हाई कोर्ट के आर्डर को और चीफ सैक्रेट्री की अनुशंसा को देखकर उचित आर्डर किया जाये ताकि इस आठ विधान सभा क्षेत्रों में भी जो बाकी रह गए है कैमरा वो भी लग जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः इस पूरे मामले पर पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर जो है वो ध्यान दें और इस मामले की..

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्री (श्री प्रवेश साहिब सिंह): अभी जो माननीय सदस्य ओ पी शर्मा जी द्वारा एक बहुत ही चिन्ताजनक बात यहां पर रखी गई है कि आपके साथ में

पिछली विधानसभा में किस तरीके से एक सौतेला व्यवहार होता था। तो मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं कि इस पूरे प्रकरण की जांच करवायेंगे और जो भी अधिकारी दोषी होंगे उनको सजा भी दिलवायेंगे।

माननीय अध्यक्षः और कैमरे भी रिलीज हो जाएं क्योंकि वो सड़ रहे हैं, क्या हो रहा है टूट रहे हैं।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः सबसे पहले ये वाली आठ विधान सभा में कैमरे लगवाये जायेंगे उसके बाद में पूरी दिल्ली में।

श्री ओम प्रकाश शर्माः इसमें विश्वास नगर का नम्बर सबसे पहले आयेगा।

माननीय लोक निर्माण विभाग मंत्रीः नहीं-नहीं आपके यहां सबसे पहले लगवायेंगे। सबसे पहले ओपी शर्मा जी के यहां।

माननीय अध्यक्षः श्रीमती नीलम पहलवान जी।

श्रीमती नीलम पहलवानः नमस्कार अध्यक्ष महोदय। आपको पता है कि जो मेरी विधान सभा है वो दिल्ली देहात की विधान सभा है और वहां से हरियाणा के तीन बार्डर टच करते हैं। जब मुगल शासक बादशाह आलम द्वितिय ने नजफगढ़ को सम्भाला तो उस टाइम पर हमारे नजफगढ पर बड़ा अत्याचार हुआ था तो उस टाइम में 1857 की क्रान्ति में राजा नाहरसिंह ने लड़ाई लडकर नजफगढ़

क्षेत्र को दिल्ली के प्रांत में शामिल था। लेकिन कई कागज कार्यवाही होने के बावजूद भी आज तक नजफगढ़ का नाम हमने कई बार अपील की, कई बार हमारे जब सांसद प्रवेश वर्मा जी थे इनके माध्यम से भी हमने बड़ा कोशिश की कि हमारे नजफगढ का नाम नाहरगढ़ बदल दिया जाये। क्योंकि जिन से पूरी दुनिया दुखी, जिनसे पूरा देश दुखी तो नजफगढ तो एक छोटा सा है और वहां के लोगों को बड़ी उम्मीद है कि वहां के राजाओं ने अपने अस्तित्व के लिए जो लडाई लड़ी उस अस्तित्व को स्थापित करने में हम एक मिलकर आवाज उठाए और मुझे आपसे बड़ी उम्मीद है कि इस लड़ाई में पूरा सदन आदरणीय हमारी सीएम साहिबा जी और आप सब मेरा स्पोर्ट करेंगे। जो मेरा मुद्दा है ये मास्टर प्लान। दिल्ली देहात में काफी जमीनें खाली पड़ी है। यह मास्टर प्लान अगर लागू होता है तो इससे न केवल नजफगढ़ को अपितु पूरी दिल्ली देहात को फायदा होगा और नई नई पॉलिसियां अगर हमारे देहात में आती है तो दिल्ली में भी विकासशील, उन्नतिशील राज्य बनने का काम करेगा। एक जो सबसे बड़ी अहम समस्या है कि मेरी जो नजफगढ़ विधान सभा है उसमें कोई भी जच्चाबच्चा केन्द्र नहीं है। गांव की औरतें होती है उनकी बड़ी देयनीय स्थिति होती है। साधन प्रोवाईड नहीं हो सकते। तो आज मैं हमारे दिल्ली देहात में काफी जमीनें पड़ी है तो आपके माध्यम से एक जच्चा बच्चा केन्द्र बनाने के लिए भी मैं आपसे अपील करती हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि नीलम जी चूंकि पहली बार सदस्य बनी है और बहुत अच्छा बोली हैं। 280 में जो विषय आपने लिखकर दिया है उसी पर ही आप बात कर सकते हैं। एक साथ दो विषय नहीं उठा सकते। तो उन्होंने अच्छा बोला है, अच्छा बोल रही थी, पहली बार मैं उनका होंसला उत्साहवर्धन करना चाहता था तो टोका नहीं था मैने उनको बीच में। लेकिन सभी सदस्यों को मैं ये अवगत कराना चाहता हूं कि विशेष उल्लेख का अर्थ ये है कि जो विषय आपने लिखकर दिया है और लिखकर भी आपको पूरा देना है जो बोलना है क्योंकि उसमें ऐसा भी हो सकता है कि उसको पढ़ना ही आपका वक्तव्य है। तो बाकी सभी सदस्य इस बात का ध्यान रखें। धन्यवाद नीलम जी। हरीश खुराना जी।

श्री हरीश खुरानाः मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी और जल मंत्री जी का ध्यान वेस्ट दिल्ली ट्रंक सीवर लाईन जो 2010 के अंदर बनी थी ध्यान दिलवाना चाहता हूं कि तब से लेकर आज तक 15 साल हो गए। उस ट्रंक लाईन की डिस्लिटिंग आज तक नहीं हुई है पन्द्रह साल के अंदर। ये मसला सिर्फ मोती नगर विधान सभा का नहीं है क्योंकि जो अफेक्टिड एरियाज हैं उसमें मोती नगर विधान सभा तो एक है। उसके साथ पटेल नगर विधान सभा, राजौरी गार्डन विधान सभा, हरि नगर विधान सभा, जनकपुरी, तिलक नगर और विकास पुरी विधान सभाएं इससे अफेक्टिड है। डिस्लिटिंग ना होने की वजह से जो सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं

उसकी वजह से भी पानी जो कंटेमिनेटिड आ रहा है क्योंकि सीवर लाईन जब ओवर फ्लो हो रही है तो पानी के अंदर जा रहा है। तो इन सातों आठों विधानसभाओं के अंदर ये समस्याएं बहुत विकराल रूप लेती जा रही है। मैं आपके माध्यम से जल मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस वैस्टर्न जो वेस्ट दिल्ली ट्रंक सीवर लाईन है उसको तुरन्त जितनी जल्दी हो सके उसका टेंडर करके इन सातों आठों विधान सभाएं जो लगती है अफेक्टिड एरियाज हैं उसको निजात मिल सके और पानी की समस्या साथ में सीवर की समस्या का अगले आठ दस सालों का निदान हो जायेगा अगर ये सीवर लाईन हो जायेगी। एक निवेदन और है जल मंत्री जी से कि जब तक ये डिस्लिटिंग नहीं होती तब तक जैसी मेरी मोती नगर विधान सभा के अंदर लेबर की प्रोब्लम जैसा शर्मा जी ने भी कहा कि जल बोर्ड के अंदर एक लेबर की प्रोब्लम है जो ऑटो टिपर हैं जिससे सीवर टैम्परेरी तौर पर तो साफ हो जाता है वो एक बार अगर हम लोगों को एक्सट्रा मिल जायें तो कम से कम मोती नगर के अंदर जब तक डिस्लिटिंग की कार्यवाही नहीं होती तब तक हम लोगों को निजात दिला सके। आपने मुझे मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री अभय वर्मा।

श्री अभय वर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी। आपने मुझे 280 में बोलने का मौका दिया है। आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम

से पीडब्ल्यूडी के माननीय मंत्री महोदय का ध्यान पीडब्ल्यूडी रोड पर फैले गंदगी की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। दिल्ली में कूड़ा प्रबन्धन को लेकर एक गम्भीर समस्या बनी हुई है। इस आलोक में माननीय उच्चतम न्यायालय ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए दिल्ली की सफाई व्यवस्था को सिर्फ कागजी कार्यवाही बताया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में लक्ष्मी नगर में तीन पीडब्ल्यूडी के मुख्य रोड है। विकास मार्ग पटपडगंज रोड, मदर डेयरी रोड इन तीनों रोड पर बड़े-बड़े लोहे के कूड़ेदान रख दिये गए हैं और नगर निगम ने जबरदस्ती ये कूड़ेदान रखा और वहां पर नगर निगम गलियों से अपने कूड़े को लेकर वहां एकत्रित करती है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आशीर्वाद से हमने अपने क्षेत्र में सात कूड़ा घर थे जिसमें से छः कूड़ा घरों पर काम्पैक्टर मशीन लगवा दिया। उस समय क्षेत्र के लोगों बहुत खुश हुए कि कम से कम हम दफ्तर जायेंगे या घरों से बाहर निकलेंगे तो कूड़े का दर्शन नहीं होगा। लेकिन पिछले ढाई साल से एक गूंगी बहरी सरकार नगर निगम में बैठ गई और उन्होंने करप्शन चलाने के लिए दूसरा रास्ता निकाल लिया। उन्होंने कहा कि काम्पैक्टर मशीन में कूड़ा जायेगा तो वो मशीन के अंदर जायेगा और वो कूड़ा फिर लिफ्ट होकर अलग जगह चला जायेगा। तो उन्होंने बिनने के लिए पीडब्ल्यूडी रोड के चौक चौराहे पर बड़े-बड़े लोहे के डस्टबिन रख कर वहां कूड़ा कलैक्ट करते हैं और उसका परिणाम ये हो गया अध्यक्ष जी कि वहां घरों का कूड़ा तो नगर निगम के स्टाफ डालते ही हैं लोग भी

चूंकि वो कूड़े का स्थान दिखता है तो लोग अपने घर का मलबा टूटे हुए घर के ईंटें पत्थर वो भी लाकर उस रोड पर डाल देते हैं और आज मेरे क्षेत्र के लोग कहते हैं कि अभय जी ये क्या अपराध आपने कर दिया इससे बढ़िया तो कूड़ा घर था। कूड़ा घरों से निकलकर कूड़ा घर में जाता था अब इन्होंने अपने करप्शन के लिए पन्नी बिनना है, कीमती सामान बिनना है, हरे सब्जी को अलग करना है, उसके लिए ये रोड पर ही फैला देते है और पूरा पीडब्ल्यूडी का रोड डिस्टर्ब रहता है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहता हूं कि इस करप्शन को रोकने के लिए कम से कम पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर हमारी मदद करें। पीडब्ल्यूडी के रोड से ये कूड़ा डस्टबिन ये सब हटना चाहिए और नगर निगम जो व्यवस्था तय किया था। क्योंकि इन्होंने प्राईवेट एजेंसी को दिया है। प्राईवेट एजेंसी घरों से कूड़ा उठाये और काम्पैक्टर में जाकर डाले ताकि दिल्ली के लोगों को कूड़ा देखने का अवसर ना मिले। क्योंकि ये अभियान मेरे को जहां तक जानकारी है पांच सौ कूड़ा घरों में काम्पैक्टर मशीन लगाया जा चुका है। लेकिन काम्पैक्टर मशीन लगाना आज अपराध हो गया है। लोगों को हर गली, हर मुहाने पर कूड़े का ढेर दिखता है। तो मैं कम से पीडब्ल्यूडी की रोड सुंदर साफ, अच्छा दिखे इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि जल्द से जल्द कार्यवाही करके ये जो डस्टबिन रखे गए हैं इसको हटवाया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अजय महावर।

श्री अजय महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने 280 में बोलने का मौका दिया और ये पहली बार इस आठवीं सदन में 280 हो रही है तो मैं आपको और नई मुख्यमंत्री हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री जी और उनकी पूरी कैबिनेट को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, पिछले दो वर्षो से आप खुद इस सदन के गवाह हैं कि बार-बार हम जल प्रबन्धन और सीवर की समस्याओं को लेकर इस सदन में अपनी पीड़ा व्यक्त करते रहे हैं और अभी जितने साथियों ने अभी बोला है उसमें से लगभग आधे लोगों ने सीवर की समस्या और पानी पर बात की है। मेरी विधान सभा में भी सीवर की बहुत बड़ी समस्या है जिसके कारण चुनाव के समय भी बहुत दिक्कत थी और अभी तक भी किसी भी दिक्कत का समाधान नहीं हो पा रहा है। मैं आदरणीय जल मंत्री जी से आग्रह करूंगा आपके माध्यम से कि पूरी दिल्ली के इस संकट के विषय पर और मेरी विधान सभा में खासतौर पर सैंकड़ों गलियों में चाहे एक्स ब्लॉक ब्रह्मपुरी हो, जगजीत नगर हो विजय कालोनी हो, भजनपुरा की ए,बी,डी ब्लॉक हो चाहे सुदामा पुरी हो, जयप्रकाश नगर हो, घोंडा गांव हो, गामड़ी गांव हो सभी जगह पूरी तरह से सीवर सड़कों पर है, गंदगियां लेट्रिन सड़कों पर फैल रही हैं इसके लिए तुरंत सफाई की आवश्यकता है। और पहले भी कहा है कि जो स्ट्रीट सीवर लाइन है अंदर की वो ही स्टक है, कहीं न कहीं टूटा है, कहीं न कहीं चौक हो गया है। बाहर की मेन 06 पेरीपफेरल लाइंस हैं मेरे यहां वो 6 की 6 भी जाम पड़ी हैं। बाहर

सुपर सकर से साफ होगी मेन पेरीपफेरल लाइन तो अंदर की जो बाल्टी वाली मशीन के नाम से मशहूर है सीवर क्लीनिंग मशीन उससे वो अंदर की जब तकस्टक साफ नहीं होगी और जहां-जहां पर सीवर अंदर दब गये हैं और ऊपर सड़क बना दी गई है पिछले समय में उसको भी सीवर मेनहोल राइज करने के लिए आपको आदेश देना होगा और आदरणीय पीडब्लूडी और जल मंत्री जी से मैं आग्रह करूंगा कि वो इस विषय पर जरूर संज्ञान लेकर स्पेशल आर्डर पास करें। इसके साथ-साथ ही जो गाड़ियां जाती हैं जैसे अभी कोई टैंकर के लिए बोल रहे थे शायद हरीश खुराना जी या अनिल जी, गाड़ियां जब जाती हैं तो वो पर्ची जमा करती हैं कि दिन भर में हमने 10 सार्टआउट किये एक मशीन ने या 20 सार्टआउट किये उस पर भी भारी भ्रष्टाचार है। ये 2 या 3 कंप्लेंट अटैंड करते हैं और 10-10, 20-20 पर्चियां जमा कर देते हैं झूठी जिससे की उनको उतने चक्कर के पैसे मिल जाएं इस पर भी मंत्री जी जरूर संज्ञान लेंगे यह मैं उम्मीद करता हूं। गाद निस्तारण- कई बार सीवर से निकाल कर के वहां गाद रख दी जाती है और वो कई-कई दिन तक पड़ी रहती है और जब हम पीडब्लूडी अधिकारियों से बात करते हैं तो वो कहते हैं कि हमारे पास इसको उठाने का संसाधन नहीं है जी आप एमसीडी को आग्रह करें। अब एमएलए एमसीडी को आग्रह करे जी फिर वहां कारपोरेटर हमारा नहीं हो तो और दुविधा में हो जाती है बात। कुल मिलाकर के ढ़लावघर में वह निस्तारण का गाद चला जाए और उसकी जो

ट्रांसपोर्टेशन है यानी कि जैसे अभी हरीश जी टिप्पर की बात कर रहे थे टिप्पर तो एमसीडी चलाती है लेकिन पीडब्लूडी के और जलबोर्ड के पास दोनों के पास अपने संसाधन नहीं है कि उन गादों को उठाकर के और ढ़लाव घर तक और ढ़लाव घर भी निश्चित नहीं हैं तो ये भी एक बड़ी समस्या का कारण बना हुआ है जिसके 15-15, 20-20 दिन तक वो गाद पड़ी रहती है और पूरी सड़क पर वो फैलती रहती है उससे गंदगी का और अंबार लगता है और उससे प्रदूषण भी फैलता है। मैं उम्मीद करता हूं कि आपके माध्यम से उपरोक्त सभी बातों पर आदरणीय जल मंत्री जी ध्यान देंगे और इसका समाधान करने की दिशा में वो तत्काल प्रभावी कदम उठाएंगे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका हृदय से बहुत-बहुत आभार।

माननीय अध्यक्षः मैं सभी सदस्यों को यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि क्योंकि मेरे पास कुछ अलग से रिक्वेसट आ रही हैं 280 में। नियम-280 में स्पोंटेनियस किसी को मौका नहीं दिया जा सकता। विशेष उल्लेख, इसके लिए एक समय निर्धारित होता है उस समय तक आपको अपना विषय सचिवालय में जो सचिव के कार्यालय में एक बाक्स रखा होता उसमें वो विषय आपको डालना है। उसके बाद निर्धारित समय के पश्चात् वो बाक्स खुलता है, उसका ड्रा ऑफ लॉट होता है और ड्रा में जिनका नंबर आता है जिस सिक्वेंस में उस सिक्वेंस में वही लोग बोल सकते हैं। तो इसलिए मेरा सभी सदस्यों से आग्रह है कि अगर आपको 280 में

भाग लेना है तो आप कल फिर सदन की कार्यवाही विशेष उल्लेख से ही प्रारंभ होगी आप अपना बाक्स में अपना विषय डाल सकते हैं ड्रा में आपका नंबर आएगा तो आपको जरूर मौका मिलेगा लेकिन बिना ड्रॉ के 280 में किसी को बोलने की इजाजत नहीं है, श्री सतीश उपाध्याय।

श्री सतीश उपाध्याय: धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने नियम-280 के अंतर्गत विशेष उल्लेख का अवसर मुझे दिया। अध्यक्ष जी, मेरी विधानसभा मालवीय नगर में नालों की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है और जब मैं नाले कह रहा हूं तो नाले के साथ-साथ सीवर दोनों मिली हुई व्यवस्थाएं हैं। पिछले साल बारिश के अंदर मालवीय नगर में कोई अध्यक्ष जी बाढ़ नहीं आई थी लेकिन आपको ये जानकार के हैरानी होगी कि 9 फीट तक पानी मालवीय नगर के अर्जुन नगर, मालवीय नगर के कृष्णा नगर, मालवीय नगर के हूमायूं पुर, मालवीय नगर के ग्रीन पार्क और अन्य इलाकों में भरा और सबसे ज्यादा नुकसान जो हुआ, लोगों का लाखों रुपये का नुकसान तो हुआ, पचासों गाड़ियां जलमग्न हो गई। देश का सबसे बड़ा संस्थान आईआईटी मेरी ही विधानसभा में आता है जहां पर देश का भविष्य तैयार होता है। अध्यक्ष जी आप कल्पना करिये कि वहां पर करोड़ों रुपये के इक्युपमेंट जलमग्न होने के कारण खराब हो गये और इसका कारण था पिछली सरकार में पीडब्लूडी द्वारा एमसीडी के जो बड़े नाले थे उनके द्वारा लापरवाही करना। ये डीसिल्टिंग की बात बार-बार आ रही है मेरा आपसे कहना है और मंत्री महोदय से भी

मेरा सुझाव है कि डीसिल्टिंग को थोड़ा मार्डनाइज करना चाहिए। आज डीसिल्टिंग जो होती है पेपर्स पर होती है, डीसिल्टिंग जो होती है वो निकालकर के बाहर डाल दिया जाता है, 30 परसेंट वो दोबारा से वो वहीं चली जाती है। हम जो व्यवस्था करें नई टैक्नोलॉजी आई है जिसमें कैमरे के थ्रू आप सभी नालों का पहले मूल्यांकन कर सकते हैं और जब डीसिल्टिंग का आर्डर दिया जाए तो क्वांटम पर भी बात होनी चाहिए कि कितनी क्वांटिटी डीसिल्टिंग में निकली है, उसका वेट कितना है और किस प्रकार से इन नालों को साफ किया जाएगा। इसके कारण से जो स्ट्रोम वाटर ड्रेन है, सीवर की लाइन है और डीसिल्टिंग है मुझे लगता है कि इतनी महत्वपूर्ण समस्या है जिसके कारण से लोगों का जीना वहां पर दूभर हो गया था और बीमारी भी फैली थी। मेरा आपसे जलभराव की समस्या को लेकर के विशेष उल्लेख है और निवेदन भी है कि एक नये तरीके से दिल्ली देश की राजधानी है और इस राजधानी में इस प्रकार के दश्श्य अगर दिखाई दें तो शायद इससे बुरी स्थिति हमारे शहर की नहीं हो सकती है। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि स्वास्थ्य और सुचिता के लिये ये गंभीर विषय है, ये बड़ी समस्या बन गया है और पिछले कई वर्षों में खासकर के जो बारापुला नाला साउथ दिल्ली में है सुनहरीपुरा नाला साउथ दिल्ली में है। अध्यक्ष जी 11 सालों से उसमें डीसिल्टिंग नहीं हुई जिसके कारण से पूरी साउथ दिल्ली में जलभराव हुआ है। और मैं धन्यवाद करना चाहता हूं उप-राज्यपाल जी का, हमारे सांसदों का जिन्होंने

जाकर के कई सौ ट्रक मलबा वहां से निकाला है। मेरा केवल ध्यान दिलाने का परपज ये है कि इन नालों की मेरा विनम्र आपसे अनुरोध है कि नालों की सफाई को, डीसिल्टिंग को और साथ में जो सीवर की भी डीसिल्टिंग होनी है और ये डीसिल्टिंग आगे भी बड़े नालों की होनी है इसको विशेष आधुनिक तकनीक के जरिए और ऐसा कुछ करना चाहिए कि जमीन पर सिल्ट आनी ही नहीं चाहिए गाड़ियां साथ में लगी हों सिल्ट उसी में जाए और वहीं से उठकर जाए। ये जो दश्श्य दिल्ली में लगता है कि 15-15 दिन डीसिल्ट पड़ी रहती है वो दिल्ली के स्वरूप को बहुत खराब करती है। मेरा आपसे अनुरोध है कि इस जलभराव की समस्या से पहले ही हम इसका संज्ञान ले लें और इसका समाधान लगभग दिल्ली की सभी विधानसभाओं में इसकी आवश्यकता है लेकिन मेरे यहां तो 9 फुट पानी भरने से 8 फुट पानी भरने से जीवन जीना बहुत दूभर हो गया था इस विशेष उल्लेख के जरिये मैं आपको इससे अवगत कराना चाहता हूं और आशा करता हूं कि इस समस्या का समाधान होगा, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः जी।

श्री कुलवन्त राणाः आपने जो व्यवस्था दी उसका मैं सम्मान करता हूं लेकिन पहले भी सदन में 280 के तहत उल्लेख के लिये अनुमति मिली है और ये।

माननीय अध्यक्षः आप बैठिये, आप कल डालियेगा ड्रा।

श्री कुलवन्त राणाः नहीं मैंने दिया था इसको लॉट्री में नहीं आ पाया अब मैंने फिर दिया हुआ है।

माननीय अध्यक्षः कोई बात नहीं बैठिये आप। अगर समय बचेगा मैं जरूर देखूंगा।

श्री कुलवन्त राणाः धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अभी 15 लोग लाइन में हैं। श्री तरविंदर सिंह मारवाह, ड्रा में ही 10, देखिये बड़ा स्पष्ट है 10 लोगों को मौका।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः एक सेकेंड तरविन्दर सिंह जी बैठिये, तरविन्दर सिंह जी दो मिनट बैठिये, मेरी बात को सुनिये पहले। मैं स्थिति स्पष्ट करना चाहता हूं क्योंकि सदन की कार्यवाही अभी प्रारंभ हुई है नये सदस्य भी हैं। 280 के ड्रा में 10 नाम निकलते हैं। इसके लिए 1 घंटा समय निश्चित किया जाता है 11 से 12। अगर 1 घंटे से पहले 10 लोगों की बात पूरी हो जाती है तो 5 लोगों का ड्रा और निकाला जाता है उसी समय 10 प्लस 5 फिर उनमें से वन बाई वन जिस hierarchy में नाम आए हैं उन्हीं hierarchy में उनको बुलवाया जाता है उसके बाद भी अगर कोई समय बचता है तो फिर किसी सदस्य की रिक्वेस्ट को माना जा सकता है। जिन्होंने आज अपना विषय बक्शे में डाला और उनका ड्रा में नहीं आया

वो उसको दुबारा डाल सकते हैं। तो चूंकि रोज 280 होना है तो ऐसा नहीं होगा कि सभी का नंबर आएगा और पूरा समय मिलेगा, हां जी करतार जी आप कुछ।

श्री करतार सिंह तंवरः अध्यक्ष जी मेरा एक निवेदन था कि कई बार क्या होता है मान लिया हमारा सदन 6 दिन चला या 7 दिन चला एक हमारा जो साथी है वो डेली उसको लगाता है और 6-7 दिन नंबर नहीं आता। एक दूसरा जो साथी है उसका 6-7 दिन लगातार आ जाता है क्योंकि सभी को अपनी बात रखने का हक है और ये हमारा सबसे बड़ा प्लेटफार्म है जहां पर अपनी बात हम रख सकते हैं। तो मेरा इसमें एक सुझाव है कि या तो हम इसको 10 की जगह 20 बढ़ायें, हम सदन का समय 1 घंटा बढ़ा लें या ऐसा कुछ प्रावधान करें कि जिनका आज नंबर आया है कल दूसरों का तो आए जी और ऐसा जनरली सबके साथ होता है। पूरा सदन खत्म हो जाता है एक भी दिन बोलने का मौका नहीं मिलता।

माननीय अध्यक्षः बैठिये, आपकी बात समझ में आ गई। बैठिये-बैठिये मैं समझ गया। समय बड़ा कीमती है बैठिये एक मिनट। देखिये ऐसा है कि ये संसदीय व्यवस्था में शून्य काल का एक घंटा होता है पार्लियामेंट हो कहीं भी हो देश की किसी भी असेंबली हो उसको बढ़ाया नहीं जा सकता वो एक घंटा ही रहेगा पहली बात। दूसरी बात यह है कि अगर किसी का 6-7 बार आ जाता है और किसी का 6-7 बार में 1 बार भी नहीं आता तो

ये अपनी-अपनी किस्मत है। इस पर अपनी किस्मत को दोष दीजिए या उसको अपनी किस्मत को अच्छा बताईये। लेकिन सुनिये एक मिनट मैं बहुत स्पष्ट रूप से सारी व्यवस्था इसलिए बताना चाहता हूं कि जिससे की सबको स्पष्ट रहे और इस बात का ना रहे कि जैसे लाटरी निकलती है मेरी लाटरी निकल गई, ठीक है। अब इस कार्यवाही को आगे बढ़ाते हैं क्योंकि।

श्री जितेन्द्र महाजनः अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः हां बताईये।

श्री जितेन्द्र महाजनः मेरा माननीय अध्यक्ष जी निवेदन यह है कि पहले हम 280 में अपनी बात रखते थे उसका कोई जवाब हमें नहीं मिलता था। मेरा सिर्फ इतना सा निवेदन है कि ये अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए जो सदन में सदस्य 280 में बात रखे उसका जवाब उनको मिलना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः ये भी मैं आपको स्थिति स्पष्ट कर दूं 280 विशेष उल्लेख होता है इसमें जवाब अपेक्षित नहीं होता है लेकिन एक व्यवस्था हम बनाना चाहते हैं जो भी 280 में अपना विषय रखेगा वो मेरे संज्ञान में आएगा मैं अपने कार्यालय से संबंधित विभाग को या जो भी उचित कार्यवाही होगी वहां आपका जो विषय है, आपकी जो भावना है वहां तक पहुंचाउंगा और उनसे अपेक्षा रखूंगा वो इस पर कार्यवाही करे। अब श्री तरविन्दर सिंह मारवाह।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, इसमें एक सुझाव।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक सेकेंड, अभी आप उनको बोलने दीजिए उसके बाद आप बोल लीजिएगा। वो दो बार खड़े हुए हैं बिठाये है फिर तरविन्दर सिंह मारवाह कहेंगे अध्यक्ष जी मुझसे कुछ पक्षपात कर रहे हैं।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः नहीं अध्यक्ष जी, ये जो आपने कहा न जी लाटरी सिस्टम, मैं सहमत हूं लेकिन इसमें मैं थोड़ा सा।

माननीय अध्यक्षः आप अपनी बात कहिये न मैंने रूलिंग दे दी है इस विषय पर, आप अपना विषय रखिये।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः ये बड़ा जरूरी है अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः क्योंकि डिस्कशन दूसरी तरफ जा रहा है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः नहीं-नहीं एक मिनट सुन लो न जी मेरी बात। मैं चाहता हूं कि जितने भी डलें, आज जैसे 20 डले 30 डले जो 15 बोल दिये दूसरे दिन 16 से शुरु कर दो सबका नंबर आ जाए।

माननीय अध्यक्षः ये तो आप आपस में तय करिये न। इसमें पक्ष और विपक्ष.. एक मिनट देखिये।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः नहीं ये आप अगर सारे सदस्य सहमत हों 10 हो जाएं फिर 11 कर दो 12 कर दो कुछ तो ऐसी व्यवस्था।

माननीय अध्यक्षः इधर आप चेयर से बात करिये पहली बात तो। एक मिनट, चेयर को ही मुखातिब करके आपको बात करनी है। दूसरा इसमें पक्ष और विपक्ष सबको समान अवसर मिलता है। ड्रा ऑफ लॉट सबके लिए होता है, बक्सा सबके लिए होता है। ड्रॉ निकलेगा उसमें पक्ष का भी आएगा विपक्ष का भी आएगा उस व्यवस्था को हम नहीं बदल सकते, उसको हम नहीं छेड़ सकते। वो व्यवस्था हमारी व्यवस्था का हिस्सा है हमको व्यवस्था का पालन करना है, ठीक है आप अपना विषय रखिये।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः चलो इसका कोई रास्ता हम रास्ता ढूढ़ेंगे जी।

माननीय अध्यक्षः हां ठीक है, आपस में ढूंढ़िये। ये विषय पार्टी लेवल पर आप रखिये और वहां पर तय करिये क्या करना है।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः तो आज मैं ये कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी। आपका पहले तो मैं धन्यवाद देता हूं सब सदस्यों का एक ही है क्योंकि प्रवेश वर्मा जी को मैं कहूंगा मंत्री जी को की आप इसमें दौरे रखें जिससे कि सब सदस्यों की और साथ ही दिल्ली वालों को पता लग जाए कि भारतीय जनता पार्टी आई है,

नरेन्द्र मोदी जी ने जो हम पब्लिक मीटिंग में कहा है उसका एक मैसेज जाना चाहिए। क्योंकि सबसे बड़ी इस टाइम जो समस्या हो रही है क्योंकि अभी फिर बरसात आने वाली है 3 महीने रह गये हैं साढ़े 3 महीने। अगर पानी वैसे का वैसे ही जैसे सतीश उपाध्याय जी ने कहा मेरे यहां पर भी जंगपुरा-बी, जंगपुरा-ए और कई इलाके जहां पर 4-4 फुट, 3-3 फुट घरों में लोगों का ढ़ाई लाख, तीन लाख, दो लाख सबका नुकसान हुआ है क्योंकि ये मैसेज सबसे पहले और दूसरी बात मैं मुख्य मंत्री जी को कहूंगा की एक-एक गाड़ी हमको दे दो। गाड़ी हम अपने लिए नहीं मांग रहे हम कहीं कार नहीं मांग रहे आपसे सिर्फ हम गाड़ी लेकर जहां पर जाएं और साथ में जो अभी सतीश उपाध्याय जी ने कहा है डीसिल्टिंग ये भी बहुत बड़ी समस्या है डीसिल्टिंग की कि निकाल देते हैं 4-4 दिन उसको कहते हैं पहले नर्म होने दो, पहले उसको सूखने दो फिर उठाएंगे। उससे पहले 30 या 40 परसेंट दोबारा उसी में चली जाती है समस्या वहीं की वहीं रह जाती है क्योंकि हम तो गली-मोहल्लों में घूमते हैं न तो इसलिए ये 2-3 बातें हैं। तो आपको अध्यक्ष जी हम कहना चाहते हैं और गंदे पानी की भी समस्या है न इस वक्त बहुत है। वो लोगों की जानलेवा हमला हो रहा है लोगों का क्योंकि पहले ये गंदा पानी आता है 10 मिनट आए 5 मिनट आए 8 मिनट आए उसके बाद साफ पानी आता है लेकिन गंदे पानी का कुछ हिस्सा चाहे 10 परसेंट ही लगा लो, 5 परसेंट ही लगा लो उसमें जरूर आता है इससे जो लोगों की

जानलेवा रोज बीमारियां ही बीमारियां हो रही हैं। अध्यक्ष जी, मैं कहूंगा जंगपुरा विधानसभा में सीवर और पानी की जो समस्या है और दूसरी पीडब्लूडी के जो नालों की समस्या है उस पर कृपा करें और आदेश दें। आदेश क्या आप तो थोड़ा सा हाथ ही हिला दोगे या कह दोगे आपका आदेश तो सब मानते हैं। हम तो आपके xxxxx[4] हैं न सीधी बात है उसमें क्या करना।

अध्यक्ष महोदयः नहीं-नहीं अपने शब्द वापस, ये कार्यवाही से निकाल दें, ये शब्द कार्यवाही से निकाल दें।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः हम तो आपके अधीन चलते हैं इसलिए कृपा करके आदेश दो आगे हमारे काम हों और मंत्री जी को भी मैं रिक्वेसट दोबारा करूंगा कि आप मैंने देखा अभी आपने एकदम हमारे उधर आकर जो तीसरा फेज चल रहा है वहां से बारापुला से लेकर आगे मयूर विहार तक जा रहा है वहां मानोगे पिछली सरकार की इतनी निकम्मी है की एक साल से वहां पर काम नहीं चला है। अभी प्रवेश जी ने दौरा किया उसके बाद एकदम काम की रफ्तार बड़ी तेज हो गई। मुझे उम्मीद है कि 6 महीने में मयूर विहार वाला जो बारापुला से जा रहा है वो वहां पर पहुंच जाएगा मयूर विहार तक वो भी बड़ी सहूलियत होगी। मैं यही अध्यक्ष जी कहता हुआ आपका धन्यवाद करता हूं, भारत माता की जय।

---

xxxxx[1] चिन्हित शब्द माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाला गया।

माननीय अध्यक्षः श्री चन्दन कुमार चौधरी।

श्री चन्दन कुमार चौधरीः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय।

माननीय अध्यक्षः इनके बाद दो वक्ता और लिये जा सकते हैं उसके बाद शून्यकाल समाप्त होगा।

श्री चन्दन कुमार चौधरीः 280 के तहत विशेष उल्लेख में आपने बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं अपनी बड़ी बहन सीएम साहिबा का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और पीडब्लूडी मिनिस्टर का भी कि हमारा जो क्षेत्र है जिस क्षेत्र से मैं चुनकर आया हूं बहुत ही दयनीय स्थिति में है। न तो शुद्ध पानी है, न चलने का रास्ता है, न गंदे पानी की निकासी है। वहां पर लोकसभा चुनाव से पहले एलजी साहब भी जा चुके हैं, चीफ सेक्रेटरी भी जा चुके हैं और प्रिंसिपल सेक्रेटरी भी जा चुके हैं। एलजी साहब का वक्तव्य था कि ये दिल्ली है क्या, लेकिन हम लोगों को बहुत ही दयनीय स्थिति में पिछली सरकार ने जीने के लिए मजबूर कर दिया था। जहां पर पानी माफियाओं के द्वारा पानी बेचा जाता है, टैंकर माफियाओं के द्वारा पानी बेचा जाता है और ट्यूबवैल माफियाओं के द्वारा उस घर में पानी दिया जाता है जहां पर उनका वोटबैंक है और हमारा क्षेत्र इसी वजह से आज तक आम आदमी पार्टी जीतती रही है और मुझे लगता है कि पूरी दिल्ली सिर्फ पानी की राजनीति पर अभी तक चलती रही है जो हम सब मिलकर के इसको खत्म करना चाहते हैं। मैं पीडब्लूडी

मिनिस्टर साहब का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जितने टैंकर्स हमारे क्षेत्र में 45 टैंकर्स हैं जिसमें 35 तो प्राइवेट हैं और 10 सरकारी हैं। 10 सरकारी टैंकरों का डीजल का बिल बनता रहता है ड्राइवर बैठे रहते हैं और कहीं भी सिर्फ ये कहा जाता है कि मैं बूस्टर में भेज रहा हूं। वो कहीं बूस्टर में पानी नहीं जाता है सिर्फ डीजल का बिल बनता रहता है और बैठकर के वो मजे लेते रहते हैं। इतनी अव्यवस्था है अध्यक्ष महोदय की कहा नहीं जा सकता है कि हमारी जनता के पैसों से हमारी सरकार चल रही है। जिस जनता ने हमें चुनकर के भेजा है और उसी को हम नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर कर देते हैं। अब हम विषय पर आते हैं कि जिस ट्यूबवैल का जहां पर ट्यूबवैल किया जाता है करवाया जाता है जहां परमीशन दिया जाता है वहां पर अपने लोगों को लाभान्वित करने के लिए ट्यूबवैल करवाया जाता है। जहां पर 2-2, 3-3 ट्यूबवैल हैं वहीं पर और ट्यूबवैल करवाया जाता है। मस्जिद के बगल में करवाया जाता है, एक विशेष वर्ग के इलाके में करवाया जाता है और चलवाया भी जाता है विशेष वर्ग के द्वारा और हमारे जो लोग हैं जो हमारी आम जनता है वो प्यासी मरती रहती है और पैसों से खरीदने के लिए मजबूर होती है। सीवर की जो व्यवस्था है अध्यक्ष महोदय, सीवर में ऐसी धांधली हुई है कि कमीशन पहले चला जाता है कांट्रेक्टर ने पूरे इलाके को खोदकर के छोड़ दिया है। जो कैपेसिटी है ही नहीं, एक-एक फीट का कैपेसिटी कि इतनी घनी आबादी के बीच मेंएक फीट के पाइप

लाईन के द्वारा कैसे सीवर की व्यवस्था की जाती है। जब बारिश होती है अध्यक्ष महोदय तो हमारे इलाके में ट्रेक्टर से बच्चों को स्कूल जाने के लिए मजबूर किया जाता है, इस तरह की अव्यवस्था हमारे इलाके में हुई है। और प्रिंसिपल सेकेट्री के द्वारा, चीफ सेकेट्री के द्वारा वहां पर एक्सईएन को, चीफ इंजीनियर को हिदायत भी दी गई लेकिन उस पर कोई जूं नहीं रेंग रहा है उनके कानों पर। अभी जब मैं जीत करके आया हूं तो मैंने एक्सईएन से, चीफ इंजीनियर से बात किया, लेकिन वही रवैया है, वही तरीका है इनका काम करने का, जैसे टेंकर हम लिखवाते हैं कि यहां पर भेजो तो वो कहते हैं हमारे पास और भी कम्प्लेंट आते हैं, मैं उनको भेजूंगा और टेंकर वहां जा रहे हैं जहां पर पिछले व्यवस्था के द्वारा जा रहा था। एक-एक घर में हर दूसरे दिन पानी जाता है और किसी के घर में महीनों पानी नहीं जाता है।

ट्यूबवेल माफियाओं के द्वारा पानी चलाया जाता है और उस ट्यूबवेल से 500 से 1000 रुपये पर-मंथ लिया जाता है। लेकिन ऐसी व्यवस्था एक से दो दिन में होनी चाहिए कि पानी मिल जाए लेकिन तीन-तीन महीने में पानी मिलता है। बारिश का पानी एब्जॉर्ब करके लोग कपड़े धोते है, फिर वॉशरूम धोते है, इस तरीके की व्यवस्था है। हम तो ये ही समझते है यदि ईश्वर ने आर्शीवाद दिया है, जनता ने आर्शीवाद दिया है, उसकी शर्तो पर हम खरा उतरे और संगम विहार को बदलने की कोशिश करें। लेकिन आप सबके सहयोग से हो पाएगा, मंत्री महोदय के सहयोग से हो पाएगा, हमारी सी.एम. साहिबा के सहयोग से हो पाएगा।

एक हमारा फ्लड कंट्रोल है जहां पर 11 साल से नाला बन रहा है, रोड बन रहा है लेकिन उसको अच्छी तरह से नहीं किया गया है, 11 साल से वो बन ही रहा है, कम्पलीट नहीं हुआ है। एक तय सीमा सीमित किया जाए कि एक तय सीमा में, 6 महीने के अंदर इस नाले को कम्पलीट किया जाएगा और व्यवस्था बनाई जाएगी।

बारिश का समय आने वाला है और गर्मी का समय आने वाला है तो मैं अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से अपनी बड़ी बहन और मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कर रहा हूं कि हमारे क्षेत्र में जितनी पानी की समस्या है पूरी दिल्ली में कहीं नहीं है, इससे अच्छा तो हमारा गांव है, जहां पीने का शुद्ध पानी है, चलने का रास्ता है, भाईचारा है, शुद्ध भोजन है। लेकिन संगम विहार जैसी स्थिति को बदलने की आवश्यकता है। हम चाहते हैं कि आपके सहयोग से संगम विहार को बदले और एक अच्छी व्यवस्था बनाकर के अच्छा शहर बनाने की कोशिश करे।

मैं मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं..

(समय की घंटी)

श्री चन्दन कुमार चौधरीः इन्होंने संज्ञान लेते हुए मेरे क्षेत्र में एक तुगलकाबाद एक्सटेंशन है, इनके यहां से कॉल भी आया, सी. एम. साहिबा का यहां से कॉल आया, चन्दन जी चीफ इंजीनियर–पीडब्लूडी और सारी टीम आपसे मिलेगी और काम करवाइये आप।

हमने 3 दिन बाद ही उद्घाटन किया और वो रोड आधा से अधिक बन चुका है, बहुत-बहुत धन्यवाद आप सभी का।

माननीय अध्यक्षः मनोज कुमार शौकीन।

श्री मनोज कुमार शौकीनः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। वास्तव में जो पानी की स्थिति है और सीवर की है और नालों की है, अध्यक्ष जी मैं सदन के अंदर आपके माध्यम से ये ध्यान दिलाना चाहूंगा, नजफगढ़ ड्रेन है और वो ड्रेन जो यमुना मैया को भी गंदी कर रही है, अनेकों एसटीपी के प्लांट हैं जो उसके अंदर पानी छोड़ते हैं और वो एसटीपी के प्लांट अपनी क्षमता के मुकाबले 10 परसेंट ही काम कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण, लगभग 15 साल हो गए, नजफगढ़ ड्रेन की प्रॉपर डिसिल्टिंग होनी चाहिए थी वो नहीं हुई है। आप ये फोटोग्राफ देखोगे, बिल्कुल भरा पड़ा है, नजफगढ़ ड्रेन और सप्लीमेंट्री ड्रेन, दोनों के अंदर नांगलोई जाट से मैं चुनकर के आया हूं। और ये फोटोग्राफ आप देखोगे, बुरी हालत है। मैंने कई बार जब हमारे सांसद थे प्रवेश जी, इनको कहा, इनके माध्यम से जो गूंगी बहरी सरकार, जो पिछले 10-11 साल दिल्ली को बर्बाद करने का जिन्होंने काम किया है, जगाने का प्रयास किया लेकिन जगी नहीं। अध्यक्ष जी, ये बहुत ही, जितने भी दिल्ली के अंदर जो पीडब्लूडी के भी रोड हैं, जितनी ड्रेने हैं वो या तो टूटी हुई हैं और नहीं तो गाद से अटी हुई है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि एक बार इसके ऊपर, एक नहीं मेरे पास कम से कम 50 ऐसे अलग-अलग जगह

के फोटोग्राफ हैं, इनको तुरंत साफ करना चाहिए। और जो सप्लीमेंट्री ड्रेन है वो सप्लीमेंट्री ड्रेन हैदरपुर तक निकलती है। रोहतक रोड पर एक ब्रिज बनाया गया पीछे और वो मैं 2013 में जब चुनकरके आया था तो मैंने उसकी योजना बनवाई थी। वो जब वो पुल बनाया, वो कल्वर्ट बनाई उसका बैड उन्होंने 2 फुट ऊंचा कर दिया जिसकी वजह से वो वहां पर पानी रूकता है और पीछे, आगे पानी निकलने की जगह भी नहीं रहती। बस ये इतनी सी है क्योंकि सब साथियों ने ये विषय रखा है और सबका मिलाजुला है, सीवर हो, चाहे पानी हो, इसके ऊपर हमें बहुत जल्दी से और अच्छे कदम उठाने की आवश्यकता है। बाकि के विषय जब और आएंगे हम रख लेंगे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः आखिरी वक्ता के रूप में श्री कैलाश गंगवाल जी।

श्री कैलाश गंगवालः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। लगभग पूरी दिल्ली में सभी विधायकों ने जो बोला वो सीवर की समस्या बहुत ज्यादा है। आज भी मैं सुबह जब अपने क्षेत्र में सुबह 8.00 बजे निकला तो लोगों का ये था कि सीवर बहुत भरे हुए थे, सीवर की समस्या का जल्दी से जल्दी निवारण करा जाए। क्योंकि इलेक्शन के बाद भी हमारे काफी दिन निकल चुके हैं। जभी भी हम इलेक्शन के बीच में गए तब लोगों ने पिछली निकम्मी सरकार को इसीलिए नकारा कि उसने दिल्ली के

अंदर कोई काम नहीं करा, सीवर भरे थे, पानी गंदा आ रहा था, सड़कें टूटी-फूटी पड़ी हुई थी। लेकिन मंत्री जी के माध्यम से मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हमें जल्द, सबसे पहले सीवर और डिसिल्टिंग नालों की करवानी चाहिए क्योंकि आने वाला समय बरसातों का भी है। हमें, जैसे हमारे यहां वेस्ट दिल्ली का अभी हरीश जी ने बताया ट्रंक सीवर जल्द से जल्द खाली करवाना चाहिए, इससे कम से कम मेरी विधान सभा मादीपुर भी प्रभावित है और 6-7 विधान सभाए प्रभावित हैं। अब इसको जल्द ही अगर मंत्री जी उसी पॉइंट पर जाकर एक बार राउंड कर लें और जल्दी से इसका काम चालू हो जाए तो ये जो हमारी बड़ी ट्रंक सीवर लबालब भरकर चल रही है ये खाली होगी तो पीछे निजात मिलेगी।

और एक सबसे ज्यादा समस्या जो आ रही है कि हम छोटी गलियों में हम छोटा टैम्पो जो आता है जो सिल्ट निकाल लेता है उससे बड़ी राहत मिले उससे पहले वो हमें उसकी संख्या बढ़ाई जाए। मेरी विधान सभा में खाली एक है जो ऑटो है। वो कम से कम, तीन वार्ड पड़ते हैं, कम से कम एक-एक वार्ड में एक-एक हो। और लेबर बिल्कुल न के बराबर है। ठेकेदार के पास केवल 5 लोग हैं उससे कहां तक हम काम करवा पाएंगे। इमीडिएटली हम लेबर का इंतजाम कर सके जिससे कि हम इसको कर सके।

एक मेरे यहां पर घोड़ेवाला मंदिर पर 29 नंबर रोड पड़ता है, कम से कम एक साल से जल बोर्ड की लाईन लीक पड़ी हुई है,

हजारों लीटर पानी वेस्ट जा रहा है, साफ पानी और पूरा रोड जो भरा हुआ है लबालब और उसका निवारण भी, जल्द से जल्द लीकेज उसकी बंद कराई जाए जिससे रोड भी साफ हो और पानी की बचत भी हो। बस मैं इमीडिएटली आपसे ये ही कहूंगा कि जल्द से जल्द इनका निवारण करें। धन्यवाद अध्यक्ष जी।

श्री मनोज कुमार शौकीनः अध्यक्ष जी। अध्यक्ष जी, छोटी सी एक बात रह गई थी। क्योंकि ये डिसिल्टिंग का विषय है। मुझे आज भी याद है जब हमारी सरकार थी 1993 से 98 के बीच में, जब बड़े नालों की डिसिल्टिंग होती थी तो उस समय पर आदरणीय डाक्टर साहिब सिंह जी वर्मा मंत्री थे फिर बाद में मुख्यमंत्री थे, कितनी सिल्ट कहां से निकली और उसको कहां पर डाला गया, इसका पूरा हिसाब-किताब होता था, जिसके कारण भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं रहती थी। हमें इस जो अभी पीछे डिसिल्टिंग हुई है इसकी जांच भी करनी चाहिए और आगे ऐसी व्यवस्था भी लागू करनी चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः ठीक है। माननीय सदस्यगण, मैं आप सबको सूचित करना चाहूंगा कि आप दिनांक 28 फरवरी और 3 मार्च, 2025 को आयोजित होने वाली बैठकों के लिए नियम 280 के तहत विशेष उल्लेख के मामलों के नोटिस निर्धारित बैठक से एक दिन पहले विधान सभा सचिवालय की नोटिस ब्रांच, कमरा नंबर-46 में सांय 5.00 बजे तक दे सकते हैं अर्थात 28 फरवरी की बैठक के लिए आज शाम 5.00 बजे तक और 3 मार्च की बैठक के

लिए कल शाम 5.00 बजे तक नोटिस दिए जा सकते हैं क्योंकि 1 और 2 मार्च का अवकाश है।

अब श्रीमती रेखा गुप्ता–माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिनांक 25 फरवरी, 2025 को प्रस्तुत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का 'दिल्ली में शराब के विनियम और आपूर्ति पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन' (वर्ष 2024 का प्रतिवेदन संख्या–1) के संबंध में सदस्य चर्चा में भाग लेंगे। जो चर्चा हमने उस दिन उसको रोकी था, आज हम उसको फिर से प्रारंभ कर रहे हैं और इसमें इस चर्चा की शुरूआत आज श्री सतीश उपाध्याय करेंगे।

श्री सतीश उपाध्याय: धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं देश के प्रधानमंत्री–माननीय मोदी जी का भ्रष्टाचार के प्रति जो जीरो टॉलरेंस है उस भाव को ध्यान में रखते हुए अपनी मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने पहले ही दिन भ्रष्टाचार की कमर तोड़ने के लिए सीएजी पर जो अपना डिस्कशन रखा है मुख्यमंत्री जी आप बधाई की पात्र हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आज मैं सदन के सामने बहुत ही गंभीर विषय पर बात करने के लिए खड़ा हूं। एक ऐसा विषय जो दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य, विशेष करके मैं कह रहा हूं स्वास्थ्य, दिल्ली की जनता की सुरक्षा और दिल्ली की जनता के विश्वास के साथ जुड़ा हुआ है। मैं आज आपके सामने एक ऐसा सत्य इस रिपार्ट को पढ़ने के बाद, इसके माध्यम से लेकर आया हूं जो दिल्ली की जनता की पूरी

तरह से आंखें भी खोल देगा। मैं इसके साथ ही ऐसा सत्य भी आपके सामने लेकरके आया हूं जो दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के मुखिया- अरविंद केजरीवाल के चेहरे को भी पूरी तरह से उजागर करने वाला होगा। आपको याद होगा जब आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, इन्होंने खुद को ईमानदार और पारदर्शी पार्टी कहा था मगर आज ये पार्टी भ्रष्टाचार का पूरी तरह से पर्याय बन गई। 'सियासत की गली में इमान बिक रहा था, जो पहरेदार था वो चोर दिख रहा था। शराब की बोतल में इरादे घुल गए, जनता की दौलत से शीशमहल संवर रहा था।' ये वही पार्टी है जो ईमानदारी, पारदर्शिता के दावे करती थी लेकिन आज भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह से अंदर तक डूबी हुई है। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक सीएजी की रिपोर्ट ने दिल्ली की नई शराब नीति में हुए गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2021 और 22 में आबकारी नीति के कारण दिल्ली के राजस्व को 2 हजार 2 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। भारी नुकसान था दिल्ली के लिए। लाइसेंस की प्रक्रिया में नियमों में उल्लंघन किया गया जिससे सरकारी खजाने को भारी क्षति मिली। ये एक बड़ा शडयंत्र था। संविधान के शेडयूल 7 में राज्य सरकारों को आबकारी नीति बनाने का जो अधिकार मिला है उस अधिकार के तहत मैन्युफैक्चरर, जो शराब को सेल करने वाले हैं, शराब के लाइसेंस देने वाले हैं, यहीं से बैठकरके, यहीं पर पूरी चौकड़ी ने बैठकरके क्योंकि 14 परसेंट राजस्व आबकारी से ही राज्य में आता

है और यहीं से नजरें लगी कि कहां से भ्रष्टाचार कैसे और कब-कब किया जाए।

इस रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञ समिति जो स्पेशल एडवाइजरी कमेटी थी इसी सरकार की, इन सिफारिशों को नजरअंदाज किया गया। तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री, मनीष सिसोदिया ने मनमाने फैसले लिए। इन मनमाने फैसलों के कारण 941.53 करोड़ का नुकसान इनको हुआ। इसके अलावा लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए 144 करोड़ की छूट दी गई, जो टेंडर में अध्यक्ष जी कहीं भी उल्लेखित नहीं था। टेंडर के नियमों का पूरी तरह से वायलेशन था। इसके अलावा ये दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी ने किस तरह से जनता की गाढ़ी कमाई का दुरूपयोग करते हुए उस धन का पूरी तरह से दुरूपयोग किया। दिल्ली की जनता की जो मेहतन के कर की कमाई थी, जिस पर उसका सबसे पहला हक था, वंचितों का सबसे पहला हक था, दिल्ली की सड़कें बननी चाहिए था, उनका सबसे पहला हक था, दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग का उन पर सबसे पहला हक था और दिल्ली के स्कूलों और दिल्ली के विकास पर उनका हक था। लेकिन हुआ क्या, हुआ ये कि इस पैसे को लूटने के लिए केजरीवाल जी एंड पार्टी ने पूरी की पूरी एक साजिश रची।

कैग रिपोर्ट में साफ-साफ बताया गया कि 2 हजार करोड़ से ऊपर का घोटाला जो हुआ, आप जानते है अध्यक्ष जी ये पैसा

कहां गया? अध्यक्ष जी, ये पैसा जो विकास के कार्यों में लगना चाहिए था, ये पैसा शराब माफिया और भ्रष्ट नेताओं की जेब में चला गया, इससे शर्म की बात कुछ हो नहीं सकती। अध्यक्ष जी, 'आप' के घोटाले के सबूत, 941 करोड़ का नुकसान तो केवल इसलिए हुआ क्योंकि आम आदमी पार्टी ने गैरकानूनी तरीके से कुछ दुकानों को शराब बेचने से रोक दिया। 890 करोड़ का नुकसान हुआ और लूट इसलिए हुई कि उन्होंने जानबूझकरके शराब लाइसेंस को फिर से नीलामी नहीं कराई। थोक विक्रताओं की कमीशन को कार्टल बनाकरके, भाई-भतीजावाद करके अपने-अपनों को ऐसे-वैसो को फायदा पहुंचाने के लिए 5 परसेंट से 12 परसेंट कर दिया गया। ये सीधे-सीधे मुनाफा कमाने की साजिश थी जिससे कि दिल्ली के राजस्व को घाटा हो और अपने चहेते और प्राइवेट कंपनियों को फायदा हो और पैसा साइफन होकर नीचे से उनकी जेब में आ जाए। बिना किसी जांच के लाइसेंस देना, आप सरकार द्वारा कायदे-कानूनों को, नियमों को ताक पर रखकरके लाइसेंस देना। जिनकी वित्तीय स्थिति कमजोर थी, टेंडर में होता है कि जिनकी स्थिति मजबूत है उन्हीं को लाइसेंस दिये जाए लेकिन जानबूझकरके ऐसे लोगों को जिनकी वित्तीय स्थिति कमजोर थी उनको लाइसेंस दिए गए, इसका मतलब निकलता है कि किसी खास समूह को फायदा पहुंचाने के लिए, खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए लाइसेंस दिए गए।

शराब नीति में बदलावों के लिए अध्यक्ष जी केबिनेट से अनुमति नहीं ली गई। संविधान में व्यवस्था है केबिनेट है। केबिनेट सारे फैसले करती है लेकिन केबिनेट से आपने बदलाव के लिए कोई भी आपने परमिशन नहीं ली और ये दिखाता है कि केजरीवाल सरकार ने किस तरह से पारदर्शिता की धज्जियां पूरी तरह से सदन के अंदर और सरकार के अंदर उड़ाई है। और अध्यक्ष जी, ये साजिश का, एक बड़ी साजिश का जो तरीका था, शराब माफिया और ए.ए.पी. सरकार का और उनके मुखिया का, अध्यक्ष जी, पूरा एक गठजोड़ था और इस गठजोड़ में, कैग की रिपोर्ट में बताया, इतनी बड़ी रिपोर्ट जो कैग की बनी कि आम आदमी पार्टी ने कुछ चुनिंदा शराब कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए दिल्ली में शराब बेचने का एकाधिकार कुछ कंपनियों को देने के लिए यानि अध्यक्ष जी आप कल्पना करिए कि दिल्ली की 70 परसेंट शराब की बिक्री कुल 25 ब्रांडों तक सीमित कर दी गई। 71 परसेंट से ज्यादा की आपूर्ति अध्यक्ष जी तीन कंपनियों, Indospirit, Mahadev Liquors, Brindco इन तीनों को दे दी गई। खुदरा दुकानों की संख्या बढ़ाकरके 849 कर दी गई लेकिन फायदा कुछ ही लोगों को मिला, जिनके कार्टल बने हुए थे।

''वो कहते थे कि हम इमान की मिसाल देंगे,

हर वायदा हर सौगंध को हलाल देंगे,

मगर जाम में डूबी हुकूमत का आलम,

जनता के सपनों को ही नीलाम कर देंगे।''

कैसे जनता के सपनों को नीलाम किया, इससे बड़ा भ्रष्टाचार का उदाहरण अध्यक्ष जी आपको कहीं मिलेगा नहीं। क्या ये भ्रष्टाचार नहीं है, क्या ये केजरीवाल सरकार और शराब माफियाओं की मिलीभगत को साबित नहीं करता है?

माननीय अध्यक्ष महोदय हम सबको याद रखना होगा अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने पूरे देश में अपने आपको पारदर्शिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाया था, लेकिन इस सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी। इतना ही नहीं, बहुत महत्वपूर्ण बात मैं कहने वाला हूं सीएजी के अंदर, दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य के साथ नियमों को ताक पर रखकर किस तरीके से खिलवाड़ किया गया इससे बड़ा उदाहरण अध्यक्ष जी आपको कहीं मिलेगा नहीं। जनता को खतरे में डालने वाली आपकी शराब नीति ने कैग रिपोर्ट में जो खुलासे किए हैं वो चौकानें वाले हैं। आबकारी विभाग ने शराब कम्पनियों और लाइसेंस धारकों को बिना गुणवत्ता जांच के शराब बेचने की अनुमति दी। सोचिये लाइसेंस तब जारी किए गए जब शराब की गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट ही अध्यक्ष जी गायब थी। अध्यक्ष जी शराब की भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) मापदंड़ों पर कोई परीक्षण नहीं हुआ। क्या ऐसा कोई सरकार कर सकती है, जो जनता के हित में काम कर रही हो। ये घोर लापरवाही नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश थी जिसमें जनता की जान की कोई कीमत नहीं थी। नकली और घटिया सरकार को, नकली और घटिया

सरकार को सरकार की मंजूरी मिली। कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि जिन लाइसेंस धारकों को शराब बेचने की अनुमति दी गई उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षण(एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त रिपोर्ट तक प्राप्त नहीं की, जो मेंडेटरी रिक्वायरमेंट है, ओब्लीगेटरी रिक्वायरमेंट है, उसकी उन्होंने कोई रिपोर्ट तक नहीं ली और रिपोर्ट कहां बनी अध्यक्ष जी, रिपोर्ट बनी गैर मान्यता प्राप्त लैबस के अंदर, जो उस सूची में ही नहीं थी। शराब के नमूनों का अध्यक्ष जी परीक्षण भी नहीं हुआ, FSSAI, जो भारत के मानक है ब्यूरों हैं, भारतीय खाद्य सुरक्षा और प्राधिकरण के नियमों का खुला उल्लंघन इस आम आदमी पार्टी की सरकार की नीतियों ने किया। अब सोचिए अगर बाजार में बिक रही शराब की जांच नहीं हुई तो क्या ये संभव नहीं की पूरे दिल्ली में नकली शराब बेची जा रही थी। पूरे दिल्ली में नकली शराब बेची जा रही थी, क्या इस सरकार ने शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए वैसे अकबर इलाहबादी कहते हैं, अकबर इलाहबादी साहब कहते हैं:

''रिंद के रिंद रहे हाथ से जन्नत ना गई,

संग पीते भी रहे और नमाजी भी रहे, नमाजी भी रहे।''

इसका मतलब है कि एक तरफ से ईमानदारी का ढोंग और दूसरी तरफ शराब नीति में घोटाला, जनता को धोखा देकर खुद मौज-मस्ती में डूब जाना। विदेशी शराब की गुणवत्ता भी संदिग्ध थी अध्यक्ष जी। अगर आप ये सोच रहे हैं केवल भारतीय ब्रांड के

साथ ऐसा हुआ तो यह भी गलत है, रिपोर्ट में साफ लिखा है, रिपोर्ट में लिखा है विदेशी शराब के 51 परसेंट मामलों में रिपोर्ट या तो एक साल पुरानी थी या फिर गायब थी यह पूरी साजिश का एक नतीजा है, 51 परसेंट। जिन रिपोर्टों में परीक्षण प्रमाण थे उनपर कोई तारीख नहीं लिखी गई थी, एक-एक करके रिपोर्ट में, एक-एक करके रिपोर्ट में ये सारी की सारी जो साजिशें हैं, वो सामने रिपोर्ट के अंदर लिखी हुई हैं। और सबसे बड़ी बात ये दिखाता है कि इस शराब की गुणवत्ता पर पूरी तरह से कोई ध्यान नहीं दिया गया। गम्भीर स्वास्थ्य के जोखिम आपकी लापरवाही थी या इनकी मिलीभगत थी, ये सबसे गम्भीर चीज है। शराब में मौजूद भारी धातुएं, मिथाइल अध्यक्ष जी मिथाइल, अल्कोहल और हानिकारक पदार्थों की जांच तक नहीं की गई। इनकी मात्रा अगर ज्यादा हो तो यह गम्भीर स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा कर सकती हैं जिसमें आपका लीवर फेलियर भी हो सकता है, जिसमें आंखों की रोशनी भी जा सकती है, जिसमें व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है, इस प्रकार की लापरवाही इस शराब की नीति में इन्होंने की है। क्या यही सरकार लोगों की भलाई के काम कर रही थी। ये सरकार लोगों की भलाई के लिए काम नहीं कर रही थी, ये सरकार शराब माफियाओं के इशारे पर काम कर रही थी। ये घोटाला दिल्ली की जनता के साथ विश्वासघात है। दिल्ली की जनता के साथ धोखा है। इस घोटाले ने साबित कर दिया कि दिल्ली की जनता की सेहत से इस सरकार का कोई सरोकार नहीं था, कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने पैसे

कमाने के लिए लोगों को एक तरह से जहर परोसने का काम इस सरकार ने किया है, दिल्ली की जनता इनको कभी माफ नहीं करेगी अध्यक्ष जी। उन्होंने गुणवत्ता से समझौता किया, उन्होंने FSSAI और बीआईईएस के मानकों को दरकिनार किया, अब जनता को जवाब चाहिए। अध्यक्ष जी हम पूछना चाहते है क्यों लाइसेंस ऐसे लोगों को दिए गए जिनकी गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट नहीं थी, ये सवाल पैदा होता है और हम ये पूछना चाहते हैं। हम पूछना चाहते हैं शराब में हानिकारक तत्वों की जांच क्यों नहीं करवाई गई ये भी हमारा सवाल है। हमारा ये भी सवाल है कि किसके दबाव में विदेशी शराब कम्पनियों को गुणवत्ता प्रमाण-पत्र के बिना बेचने की अनुमति दी गई। हम ये भी जानना चाहते हैं कि क्यों जनता की सेहत को खतरे में डालकर शराब माफियों को करोड़ों का फायदा पहुंचाया गया। अध्यक्ष जी दिल्ली सरकार ने ना केवल जनता के पैसे को लूटा है बल्कि दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य के साथ भी बड़ा खिलवाड़ किया है। नतीजा ये हुआ कि बिना सुरक्षा जांच के शराब बाजार में बिकती रही। क्या दिल्ली की जनता, ये कैग रिपोर्ट बताती है कि 51 परसेंट मामलों में शराब की गुणवत्ता जो मैंने बताया पहले या तो थी नहीं या एक साल पुरानी थी। क्या ये दिल्ली की जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं। शराब से राज चला रहे थे जनाब केजरीवाल साहब, शराब से राज चला रहे थे जनबा, अब समझ आया, अध्यक्ष जी ये आम नहीं है, अब समझ आया ये आम नहीं है, अंगूर की सरकार थी ये अध्यक्ष जी अंगूर

की सरकार थी ये। ये अंगूर की सरकार थी, ये आम सरकार नहीं थी, ये अंगूर की सरकार थी जो लोगों को जहर परोस रही थी। कानून का खुला उल्लंघन हुआ, आपने शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए अवैध रूप से दुकानों को डीडीए, एमसीडी की अनुमति के बिना नोन कनफर्मिंग एरियाज में खोला गया, बिना किसी उचित मंजूरी के छूट और रियायतें दी गई। आबकारी विभाग पूरी तरह से तस्करी रोकने में नाकाम रहा, उनके कानूनों को सरल कर दिया गया और एक तरह से पिछले दरवाजे से तस्करी के रास्तों को खोल दिया गया और बड़ा भ्रष्टाचार इस सरकार ने शराब की तस्करी में किया। केजरीवाल साहब की चुप्पी क्या साबित करती है। बड़ी मजे की बात है कि उसपर वो चुप क्यों है, उसपर वो कुछ बोलते नहीं। आज सारे घोटालों का पर्दाफाश हो चुका है। अगर उनकी सरकार निर्दोष थी, चलिए हम कहते हैं कि उनकी सरकार निर्दोष थी उन्होंने सबकुछ ठीक किया। तो अध्यक्ष जी मैं पूछना चाहता हूं अगर वो बेईमान नहीं थे, अगर वो भ्रष्टाचारी नहीं थे, अगर उन्होंने कोई षड्यंत्र नहीं किया था तो फिर उन्होंने शराब की नीति को वापस क्यों लिया? अगर वापस लिया तो चोर की दाढ़ी में तिनका था, बेईमानी थी, भ्रष्टाचार था, दिल्ली के पैसे की लूट थी, कार्टेल बनाया हुआ था। सच ये है कि जब घोटाला खुला तो केजरीवाल सरकार ने आनन-फानन में इस नीति को बदल दिया ताकि उनके भ्रष्टाचार का काला सच सामने ना आ जाए। भ्रष्टाचार के मामले तो और भी बहुत कुछ हैं, क्योंकि आपने

विषय केवल सीएजी पर दिया है, इसके तार तो शिक्षा से भी जुड़े हैं, इसके तार शीशमहल से भी जुड़े हैं, इसके तार स्वास्थ्य से भी जुड़े हैं, उसपर मैं आज चर्चा नहीं करना चाहता हूं। लेकिन भ्रष्टाचार का अंत हम सबको करना होगा। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश में जो नई कल्चर पैदा की है उस सबका सहभागी दिल्ली को भी बनना होगा। अध्यक्ष महोदय ये स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने वायदों से मुकरते हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का एक नया कीर्तिमान दिल्ली में स्थापित किया, नया कीर्तिमान स्थापित किया। दिल्ली की जनता ने उनको विश्वास और उम्मीद के साथ सत्ता सौंपी थी। ये सत्ता दिल्ली की भलाई के लिए थी, उन्होंने उस विश्वास का दुरूपयोग करते हुए पूरे धन की बर्बादी की और भ्रष्टाचार के नए रिकोर्ड उन्होंने सामने बनाए। अब समय आ गया है दिल्ली वालों को सबक सिखाने का, ये समय है, ये हमको समय मिला है कि हम उनको अब सबक सिखाएं। ये केवल सिर्फ घोटालों की सरकार थी जिसका केवल एक ही मकसद था और वो मकसद था दिल्ली को लूटना और शराब माफियाओं को फायदा पहुचाना। हम सबको मिलकर के अध्यक्ष जी संकल्प लेना होगा, हम दिल्ली की जनता के हक की लड़ाई लड़ेंगे, हम शराब माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं, किसी को छोड़ा ना जाए, लूट का एक-एक पैसा इनसे वसूल किया जाए। हम ये मांग करते हैं इस लड़ाई को हम अंतिम अंजाम तक लेकर के जाएंगे, दिल्ली की जनता के साथ हम धोखा

बिल्कुल नहीं होने देंगे। ये लड़ाई केवल शराब के घोटाले की नहीं थी, ये लड़ाई दिल्ली की जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई है, ये लड़ाई उन गरीबों की है जिनके पैसे को इन शराब माफियाओं ने अपने जेब में डाल लिया, इनके भ्रष्टाचारियों ने अपने जेब में डाल लिया। हम सबको संकल्प लेना होगा कि हम सब मिलकर के इस भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ करके फेंकेंगे और हम जिस तरीके से दिल्ली को बेईमानों से मुक्त कराया है, आगे इनका पूरी तरह से स्फाया होगा और इनका रास्ता पूरी तरह से जेल में जाने का बनेगा। अध्यक्ष जी भाजपा इस घोटाले के दोषियों को सजा दिलाने के लिए हम सब प्रयास तो करेंगे ही हम ये मांग करते हैं, इस घोटाले की पूरी जांच कराई जाए और जनता का जो पैसा लूटा गया है, जो भ्रष्टाचार हुआ है, उसको लाने के लिए भी पूरी व्यवस्था की जाए, पूरे कानूनों का उपयोग किया जाए। दिल्ली की जनता के हितों की लड़ाई लड़ना हमारी प्राथमिकता है और यह लड़ाई हम अंत तक लड़ेंगे। केजरीवाल सरकार का ये अपराध माफ करने योग्य नहीं है और इस सरकार, केजरीवाल सरकार को अपने किए कृत्यों की सजा मिलनी चाहिए। इस घोटाले को जनता के सामने लाकर दोषियों को सजा दिलाने के लिए हम कटिब) हैं। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः इस चर्चा में भाग लेने के लिए, जनाब अमानतुल्ला खान, एक मिनट बैठिए, जनाब साहब, बैठिए तो सही,

आप बैठिए साहब बैठिए। इस चर्चा में भाग लेने के लिए जनाब अमानतुल्ला खान साहब जो विपक्ष के सदस्य हैं उनको भी आमंत्रित किया जाता है, वो भी अगर चर्चा में भाग लना चाहे तो अपना नाम भेज सकते हैं। अब मैं अगले वक्ता को बुला रहा हूं, सुश्री सिखा राय।

सुश्री शिखा रॉयः धन्यवाद अध्यक्ष जी आपने मुझे बहुत ही एक ऐसा गम्भीर मुद्‌दा जिसने दिल्ली को झकझोर कर रख दिया था उसपर बोलने का अवसर दिया है। अध्यक्ष जी सबसे प्रथम मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करूंगी जिन्होंने दिल्ली को गर्त में डूबने से बचाया और दिल्ली को अब सुरक्षित हाथों में सौंपा है। उसके बाद मैं धन्यवाद करना चाहूंगी अपने प्रधानमंत्री मोदी जी का, अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का जिन्होंने महिला सशक्तीकरण की बातों को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखा बल्कि चरितार्थ कर दिखाया जब मुख्यमंत्री के रूप में हमारी बहन रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की कमान सौंपी। पार्टी के भीतर तो हमें सम्मान मिलता ही था लेकिन एक उच्च पद पर आसीन कर प्रत्येक महिला को गौरवान्वित किया है। अध्यक्ष जी मैं धन्यवाद करना चाहती हूं अपनी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी का भी और उनकी पूरी काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स का जिन्होंने चुनाव से पहले जो वायदा किया था उसको पूरा किया और सबसे पहले ही कैबिनेट की पहली बैठक में आयुष्मान की योजना को दिल्ली में लागू किया। और सबसे पहले सदन के बिजनेस में उस रिपोर्ट को जनता के सामने पेश किया

जिसको लेकर दिल्ली की जनता के मन में बहुत से प्रश्न थे और जो वायदा किया गया था कि पहले हाउस के बिजनेस में इस रिपोर्ट को रखा जाएगा वो वायदा भी पूरा किया गया। अध्यक्ष जी ये रिपोर्ट उन बातों की भी पुष्टि करता है जो बातें भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पिछले 3 वर्षों से कह रहा था। आप इस रिपोर्ट का फर्स्ट पेज देखेंगे तो इसमें लिखा हुआ है Dedicated to Truth in Public Interest यानि लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा, सत्य को जनता के सामने लाने के लिए मैं आपका अपनी मुख्यमंत्री का और उनकी काउंसिल का दिल की गहराइयों से धन्यवाद करती हूं, ये एक ऐसा डॉक्यूमेंट है जो सच को यहां उजागर करता है और जो हमने कहा था कि ट्रांस्परेंसी के साथ दिल्ली की जनता को सच बताने का साहस किया जाएगा वो काम आज यहां हुआ है। अध्यक्ष जी इस रिपोर्ट में दिल दहलाने वाले तथ्य सामने आए हैं। लिकर पोलिसी के लीकर ट्रेड के रिफॉर्म के नाम पर जो पोलिसी लाई गई वास्तव में वो एक भ्रष्ठ और एक स्कैंडलस मूव थी जिसमें प्रोफिट को महत्व दिया गया और लोकहित को बहुत पीछे छोड़ दिया गया। अध्यक्ष जी एक महिला होने के नाते आज आपके सामने हर उस महिला का दर्द रखना चाहती हूं जिसने पिछले सालों इस पोलिसी के तहत अपना घर, अपने रिश्ते, अपना परिवार भेंट चढ़ा दिया lintoxication leads to mental physical and economic degeneration ये हम सब जानते हैं। इसीलिए जब ये पोलिसी आई तो डोमेंस्टिक वायलेंस के केस, सैक्सुअल हरास्मेंट के केस महिलाओं पर अत्याचार

के केस, कर्ज में डूबा हुआ घर ये हमें इसके बाई प्रोडैक्ट के रूप में मिला। इस लिकर पोलिसी का अगर सबसे ज्यादा असर हुआ तो वीकर इकोनोमिक सैक्शन में हुआ। क्योंकि महामारी में, कोविड के उस समय में जब मोदी जी और अमित शाह जी इस बात पर लगे हुए थे कि कैसे जल्द से जल्द वैक्सीन इजाद हो, कैसे temporary make shift hospitals बनाए जाएं की लोगों को बैडस प्रोवाइड हों, आम आदमी पार्टी की सरकार अपने मुखिया के नेतृत्व में शराब की वो नीति लेकर के आई जिसमें एक बोतल के साथ एक नहीं कभी-कभी दो भी फ्री देने की पोलिसी थी। क्या ही अच्छा होता अगर उस समय एक मजदूर को मजदूरी नहीं मिल पा रही थी, तो पानी की एक बोतल के साथ पानी की बोतल फ्री मिलती या दूध के एक पैकेट के साथ दूध का एक पैकेट फ्री दिया जाता इस सरकार के द्वारा लेकिन इस पोलिसी के तहत शराब की बोतल के साथ चूंकि बोतल फ्री मिल रही थी तो इसलिए गरीब ने भी उस लालच में घर का सारा पैसा बर्बाद किया जबकि उसके पास कमाई का कोई साधन नहीं था। इस पोलिसी के तहत घर हों, स्कूल हो, हस्पताल हो, पब्लिक स्पेस कोई भी हो, कहीं पर भी हर जगह ठेके खोलने की नीति बन गई थी, सेफ्टी सुरक्षा को ताकपर रख दिया गया था। पब्लिक प्लेसिसिज पर शराब पीने जाने लगी थी, हैरेसमेंट के केस बढ़ने लगे थे। उस समय दिल्ली की महिलाओं ने प्रोटैस्ट किए, परिवारों ने अपनी बात को रखने की कोशिश की, आवाज उठाने की कोशिश की लेकिन इस निक्कमी

बहरी सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। आम आदमी पार्टी का मुखिया केजरीवाल अपने आपको दिल्ली का बेटा कहता था, लेकिन मैं कहूंगी की दिल के फफोले जल उठे सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से। लाइसेंस देने में जो इरैगूलरटिज हुई और कुछ स्लैक्टिव लोगों को फायदा देने के लिए जो इरैगूलरटिज की गई, अध्यक्ष जी वो एक तरफ। रेवेन्यू का जो लोस स्टेट को भुगतना पड़ा वो भी एक तरफ। लेकिन महिलाओं की सुरक्षा और इंसानी जिंदगियों के साथ जो खिलवाड़ हुआ इस नीति के कारण उसपर मैं कुछ तथ्य इस रिपोर्ट से रखना चाहूंगी। हिंदी का जो ये हमारे सामने रिपोर्ट है उसका पेज 61 है। एक जानकारी के लिए फैक्ट बताना चाहूंगी कि दिल्ली आबकारी नियमावली 2010 के तहत पॉलिसी बनाई जाती है नियम और शर्तें रखी जाती हैं और चूंकि शराब एक ऐसी चीज है जो हयूमन बॉडी के अंदर कंज्यूम होती है तो FSSAI ने इसको एक फूड आइटम की तरह लेकर इसके मानक स्थापित किए हैं, जिसमें ऐसे लेबोट्रीज को तय किया जाता है जो accredited होती हैं FSSAI के द्वारा उनको कुछ पैरामीटरस दिए जाते हैं जिसके तहत लाइसेंस मिलता है और उसके बाद उसकी बिक्री की कंटीन्यूटी होती है। 2010 नियमावली के सात नियम में कहा गया है कि शराब का आयात भारत में या उसके बाहर किसी भी स्थान से अगर किया जा सकता है बशर्ते कि वे आबकारी आयुक्त द्वारा सरकार की पूर्व स्मृति से दिए गए आदेश में आवश्यक विनिर्देशों के अनुरूप हो या यदि ऐसा आदेश

नहीं दिया जाता तो फिर बीआईएस भारत मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित जो मानक हैं उन पर वो खरा उतरता हो उसी के अंतर्गत 7.3 में मैं पेज 63 पढ़ रही हूं हिंदी का 7.3 जो एल-1 लाइसेंस देने के नियम हैं उसमें ये बिल्कुल साफ लिखा गया है कि लाइसेंस धारी को विशेष ब्रांड की गुणवत्ता के संबंध में सरकारी अधिकृत प्रयोगशाला या अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थान से प्रमाणपत्र देना होगा और ये प्रमाणित करना होगा कि ये भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित हुए विनिर्देशों को पूरा करता है और मानव उपयोग के लिए उपयुक्त है। अध्यक्ष जी जो रिपोर्ट में बताया गया है कि 12 लाइसेंस धारियों से संबंधित 38 चयनित मामलों में से 16 में इकाइयों से जुड़े स्थानीय आबकारी निरीक्षकों द्वारा प्रमाणपत्र जारी किया गया जिसमें गुणवत्ता पैरामीटरों के बारे में कोई अतिरिक्त विवरण नहीं दिया गया आठ मामलों में फाइल में कोई प्रमाणपत्र ही नहीं है और 24 मामलों में जिसमें ना तो कोई प्रमाणपत्र है ना कोई अतिरक्त गुणवत्ता का मापदंड दिया गया उस पर अधिकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इस पॉलिसी के अंतर्गत लाइसेंस धारियों के निर्माताओं के जो अंदर ही लैबोरेट्री थी जो प्राइवेट उनकी अपनी लैबोरेट्री थी उसी का प्रमाणपत्र वहां पर साथ में लगा दिया गया। लेखा परीक्षा ने पेज 64 पढ़ रही हूं लास्ट पैराग्राफ 12 एल-वन लाइसेंस धारियों से संबंधित अभिलेखा की नमूना जांच की जिन्होंने 2017 से 20 की अवधि के दौरान लाइसेंस जारी किए हैं। इन 12 लाइसेंस धारियों ने 15 प्रयोगशालाओं से किए गए गुणवत्ता परीक्षणों में 173 प्रमाण

प्रस्तुत किए। अध्यक्ष जी वो प्रमाण क्या कहते हैं 15 प्रयोगशालाओं में से तीन प्रयोगशालाएं एनबीएल से मान्य प्राप्त नहीं थीं दो प्रयोगशालाएं मादक पेय पदार्थों के परीक्षण के लिए मान्य प्राप्त नहीं थीं। दो प्रयोगशालाएं जैविक परीक्षण के लिए अधिकृत नहीं थीं और एक प्रयोगशाला रसायनिक विशलेषण करने के लिए भी अधिकृत नहीं थी। लेखा परीक्षक ने पाया कि 173 परीक्षक प्रमाणपत्रों में से केवल नौ में उपरोक्त दिशा निदेर्शों के अनुसार आवश्यक राय शामिल थी जिसके बिना रिपोर्ट अधूरी मानी जाएगी, केवल नौ में 173 जो पेश किए गए उसमें से केवल नौ में राय शामिल थी बाकियों में वो ओपिनियन ही नहीं था जो होना चाहिए। इसके अतिरिक्त विभाग ने कहा कि लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में उजागर की गई अधिकतर प्रयोगशालाएं वास्तव में स्वयं विनियमितताओं के जुड़ी हुई थीं। इससे ये स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि विभाग के पास गुणवत्ता की जांच का कोई इंडिपेंडेंट पक्ष नहीं था।

अध्यक्ष जी पेज 66 पढ़ रही हूं वर्ष 2020–21 के दौरान नमूना जांच किये गये किसी भी 12 एल–वन लाइसेंस धारियों द्वारा उनके आवेदन के साथ जो उन्होंने गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किए जाने पर भी जो उन्होंने नहीं किया उसके पश्चात भी आबकारी विभाग द्वारा बिना किसी टिप्पणी के लाइसेंस जारी किए गए। अध्यक्ष जी चूंकि शराब का ताल्लुक पानी के साथ है तो पानी की प्रमाणिकता भी उतनी ही जरूरी रहती है। पेज 67 में रिपोर्ट में लिखा गया है सभी श्रेणी की शराब के लिए जल

गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य था। प्रस्तुत की जाने वाली 173 परीक्षण रिपोर्ट में से 96 प्रतिशत मामलों में कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई और शेष मामलों में केवल आंशिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मिथाइल एल्कोहल की उपस्थिति एल्कोहल विषाकतता का प्रमुख कारण है इसलिए सावधानी पूर्वक इस परीक्षण की आवश्यकता है। 2017-20 की अवधि के दौरान आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित 173 ब्रांडों के लिए 173 परीक्षण किए जाने चाहिए थे। ये पाया गया कि चार मामलों में मिथाइल एलकोहल के लिए कोई परीक्षण नहीं किया गया 56 मामलों में रिपोर्ट में पता लगाने की सीमा निर्देशित किए बिना अस्पष्ट रूप से ये कह करके दे दिया गया कि मिथाइल एलकोहल नहीं है उसका कोई प्रमाण नहीं दिया गया इसलिए रिपोर्ट में ये कहा गया है कि ये एक गंभीर जोखिम को दर्शाता है। एफ.एल.एल. एफ- वन के लिए लाइसेंस के नियमों और शर्तों के खंड 7.9 में कहा गया है कि शराब की गुणवत्ता आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित किसी भी विनिर्देशों का पालन करना चाहिए और अगर ऐसे कोई निर्देश नहीं हैं तो बीआईएस के मानकों को प्रमुख रखना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है पेज 69 में कि नमूना जांच के लिए चयनित तीन एलएफ वन में से विभिन्न श्रेणियों के लिए बीआईएस के विनिर्देशों के अनुसार किए जाने वाले गुणवत्ता परीक्षणों की संख्या 5280 थी हालांकि इससे पता चलता है कि केवल 35.64 प्रतिशत परीक्षण बीआईएस निर्देश के अनुसार किए गए थे। अध्यक्ष जी जल गुणवत्ता परीक्षण अनिवार्य था लेकिन नहीं लिया गया। मैं

जब ये तथ्य आपके सामने रख रही हूं तो मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि भ्रष्ट होकर के राजस्व का नुकसान करना अपनी जेबें भरना कुछ चंद लोगों के लिए इस पालिसी को लेकर के आना तो एक बात रही लेकिन आप दिल्ली की जनता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं उनकी जिंदगियों के साथ जिस तरह का आपने पॉलिसी के तहत फ्री बांटने का काम किया और साथ में इस तरह की गंदी क्वालिटी के बिना वाली उनको ऐसी चीज परोसी जो एक गरीब आदमी भी अपने फ्री के लालच में एक के बाद एक स्टॉक रख रहा था और परिवार उसका लुट रहा था क्योंकि वही पैसा घर परिवार के काम आता चाहे बच्चों की पढ़ाई थी या फिर घर का इलाज था इसीलिए अध्यक्ष जी मैं ये कहना चाहूंगी कि ये पालिसी It was neither people centric nor revenue driven, it was a total corruption driven policy. इसलिये जब सवाल उठाए गए जब बहुत सारे लोगों ने आम आदमी तक ने प्रोटेस्ट किए तो फिर जल्दबाजी में अपनी कारगुजारियों को कवरअप करने के लिए इसको विदड्रॉ किया गया। ये अपने आप में बहुत बड़ा प्रश्न बनता है कि ये क्यूं विड्रा किया गया। सीएजी की रिपोर्ट लिकर पालिसी पे साफ साफ बताती है कि एक बिट्रायल है पब्लिक ट्रस्ट का इसलिए मैं सदन से मांग करती हूं कि कठोर निर्णय लेकर इस रिपोर्ट पर जांच होकर स्ट्रिक्ट एक्शन होना चाहिए और जो भी इसके दोषी पाए जाते हैं उनको सजा होनी चाहिए। इस पर कोई भी नरमी नहीं बरती जानी चाहिए क्योंकि इसने उस

महिला वर्ग को जिसने भरपूर समर्थन दिया था उस सरकार को और अपना विश्वास दिया था उसके साथ विश्वासघात किया और मैं ये भी समझती हूं कि आने वाले समय में मुख्यता महिलाएं और परिवार को आगे रखकर के इस सरकार द्वारा जो निर्णय लिए जाएगें वो लोकहित में महिला सुरक्षा और महिला परिवार के फाइनेंनशियल एक्सपैक्ट को देख कर के लिए जाएंगे। मैं बहुत धन्यवाद देती हूं आपका आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का अवसर दिया। अपनी पार्टी का भी धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मुझे अवसर दिया कि मैं यहां पर खड़ा होकर के सदन में बात रख सकूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद। श्री जितेंद्र महाजन।

श्री जितेंद्र महाजनः धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस मुददे पर बोलने का मौका दिया। सबसे पहले मैं भी अपनी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और पूरी कैबिनेट का धन्यवाद अदा करना चाहूंगा कि सीएजी रिपोर्ट को उन्होंने सदन के पटल पर रखा और इस भ्रष्टाचारी सरकार का मुंह बेनकाब किया। माननीय अध्यक्ष जी ये वो नई शराब नीति थी जिसने दिल्ली के अंदर लोगों का जीना दूर्भर कर दिया। पूरी दिल्ली के अंदर जगह जगह शराब के ठेके खुले, एक बोतल के साथ एक बोतल फ्री दी गई। जगह जगह शराब के ठेके खोलते समय मंदिर गुरूद्वारा, स्कूल किसी भी बात का ध्यान नहीं रखा गया और सड़कों की ये स्थिति हो गई कि लोग लाइन

लगाकर वहां शराब के लिए खड़े हो गए और इस शराब नीति के अंदर जो भ्रष्टाचार हुआ मुझसे पहले भी वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार दो हजार करोड़ से अधिक के राजस्व का नुकसान हुआ। घटिया क्वालिटी की शराब परोसी गई और शराब माफियाओं का कमिशन 5 परसेंट से बढ़ाकर 12 परसेंट कर दिया गया, ऐसे अनेकों अनेक भ्रष्टाचार के मामले जो हैं वो शराब नीति के अंदर आए। रोहताश नगर विधानसभा एक ऐसी विधानसभा जहां सबसे पहले शराब का आंदोलन शुरू हुआ। इन सरकार और शराब माफियाओं के कहने पर हम लोगों के उपर मुकदमे लगाए गए। मैं खुद भुक्तभोगी हूं। मेरे उपर चार मुकदमे लगाए गए इस शराब आंदोलन के दौरान, लोअर कोर्ट के अंदर तीन महीने की सजा मुझे झूठी गवाही दिलवाकर हुई। अपर कोर्ट में जाकर हम उस मुकदमों से बरी हुए। आज भी रोहताश नगर विधानसभा के अंदर बहुत सारी महिलाएं ऐसी हैं, बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो शराब आंदोलन के दौरान जिनके उपर झूठे मुकदमे लगाए गए उन मुकदमों का सामना वो लोग कर रहे हैं। मैं इस सदन से डिमांड करता हूं कि इन मुकदमों को भी जल्द से जल्द जो है वो खत्म करवाया जाए। मान्यवर आप ये देखिए कि इस नई शराब नीति के अंदर बहुत सारी बातें आई हैं मगर आप ये देखिए कि शराब नीति के अदंर एक नियम था कि शराब बेचने की जो न्यूनतम आयु है वो 25 वर्ष है इसको कम करकर शराब बेचने की जो आयु है वो कम करने का प्रस्ताव था। शराब की दुकानें लेट नाइट तक खोलने का

प्रस्ताव था। महिलाओं के लिए पिंक ठेके खोलने का प्रस्ताव था कुल मिलाकर एक ऐसी निकम्मी सरकार जो दिल्ली को पीने का पानी उपलब्ध नहीं करवा पाई मगर दिल्ली को शराब की नगरी बनाने का काम जो है वो पूरी की पूरी आम आदमी पार्टी की सरकार जो है वो इस शराब नीति के माध्यम से जो है वो कर रही थी। आप ये देखिए कि अगर किसी घर को बर्बाद करना है तो उस घर के अंदर नशा अगर प्रवेश कर जाए तो उस घर की क्या हालत होती है ये उस घर की मां और बहन से ये बात पूछा जा सकता है। आप ये देखिए कि इनके द्वारा दुकानों पर शराब की दुकानों पर जो चार बातें लिखीं गई थीं उसके अंदर कहीं पर भी ये नहीं लिखा गया था कि शराब खरीदने की न्यूनतम आयु क्या है? आप ये देखिए कि हालात ये हो गए थे कि हर आदमी वो किसी भी उम्र का चाहे वो स्कूल में पढ़ने वाला विद्यार्थी है कालेज में पढ़ने वाला विद्यार्थी है और शराब को बढ़ाने के लिए रेवेन्यू कमाने के लिए पूरी की पूरी सरकार जो है वो शराब बेचने के लिए लग गई थी और दिल्ली की जनता ने इस सरकार को ऐसी सजा दी इस सरकार की आगे से, पीछे से, उपर से, नीचे से ऐसी धुलाई की कि आप ये देखिए कि इस सरकार का मुख्यमंत्री, इस सरकार का शराब मंत्री वो दोनों के दोनों जो हैं वो इस शराब नीति के कारण, इस भ्रष्टाचार के कारण जो है वो चुनाव हारे। मेरा माननीय अध्यक्ष जी निवेदन ये है कि आप ये देखिए आज देश के अंदर चार राज्यों के अंदर शराब बंदी लागू है। आज

गुजरात के अंदर शराब बंदी लागू है, आज बिहार के अंदर शराब बंदी लागू है, आज मिजोरम के अंदर, नागालैंड के अंदर शराबबंदी लागू है क्या वो राज्य तरक्की नहीं कर रहे हैं। हमें भी इस शराब के बारे में जो है एक बार विचार करना चाहिए। रोहताश नगर विधानसभा में नई शराब नीति आने से पहले दो शराब के ठेके थे जब ये नई शराब की नीति आई तो आठ शराब की दुकानें जो हैं वो रोहताश नगर विधानसभा में खोली गई। ये शराब नीति बंद होने के बाद भी पिछले दिनों के अंदर रोहताश नगर विधानसभा के अंदर नौ शराब की दुकानें खोली गई हैं और दो शराब की दुकानें इस चुनाव के अंदर खोली गई हैं। माननीय सभापति जी, मैं ये जानना चाहता हूं पुरानी नीति लागू नहीं है। नई नीति खत्म हो गई है तो ये नई शराब की जो दुकानें हैं वो किस नीति के तहत खोली जा रही हैं जब आज से सात आठ साल पहले रोहताश नगर विधानसभा में दो शराब की दुकानें थी तो कौन सी नीति है जिसके तहत नौ शराब की दुकानें रोहताश नगर विधानसभा में खुल गई हैं और एक मौहल्ले के अंदर तीन तीन शराब की दुकानें जो हैं इन चुनावों के दौरान दिल्ली के अंदर खोली गई हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि इस बात की जांच करवाई जाए। आप ये देखिए कि एक व्यक्ति राशन की दुकान पर जाता है तो इ–पोज प्रणाली लागू है वो कहीं दोबारा राशन तो नहीं ले रहा है ये मशीन बता देती है। आप ये देखिए किसी महिला के किसी बुजुर्ग के खाते में अगर लाख दो लाख रूप्ये की एंट्री होती है तो उसकी पेंशन बंद हो जाती है

मगर एक व्यक्ति दुकान पर जाकर कितनी बार शराब खरीद रहा है ये जानने का मैकैनिजम नहीं है। किस उम्र का व्यक्ति 25 साल नियम लागू है मगर हमको भी मालूम है कि बीस साल का युवा भी जाकर अगर शराब मांगता है तो उसको शराब दी जाती है तो मेरा निवेदन ये है कि सिर्फ रेवेन्यू कमाने के लिए शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। आप ये देखिए कि इस शराब के कारण जैसे शिखा जी ने बताया कि इस शराब नीति के कारण महिलाओं के प्रति अपराध बढ़े, बच्चों के प्रति अपराध बढ़े और आप ये देखिए कि आप कोई भी व्यक्ति और आप ये दिल्ली शहर के अंदर कुकरमुत्ते की तरह नशामुक्ति केंद्र खुल रहे हैं और वहां पर स्थिति ये है कि युवाओं को कई कई महीनों के लिए बंद किया जा रहा है शराब की लत छुड़ाने के लिए तो कोई एक ऐसी नीति तो होनी चाहिए कि जिससे शराब पीने की मात्रा, शराब खरीदने वालों के कितनी शराब किस व्यक्ति को मिलनी चाहिए इसके बारे में भी कोई नीति बननी चाहिए और मुझे लगता है कि शराब खरीदने के लिए आधार कार्ड से हमें इसको लिंक करना चाहिए कि कोई व्यक्ति अगर वहां शराब खरीदने के लिए जाए आधार कार्ड से अगर ये लिंक हुआ तो उसकी आयु क्या है शराब बेचने वाले को ये भी मालूम होगा वो कितनी शराब खरीद रहा है हमको ये भी मालूम होगा और सबसे बड़ी बात कि किस इलाके में किस विधानसभा में कितनी शराब की दुकानें खोली जाएं जो इस नीति में जिसको खत्म कर दिया गया था और ये नीति खत्म होने के बाद

भी उसको उपर अमल नहीं किया जा रहा है इसके उपर विचार करना चाहिए और आप ये देखिए कि एक एक विधानसभा के अंदर नौ नौ शराब की दुकानें एक मौहल्ले के अंदर तीन तीन शराब की दुकानें और हालात ये देखिए नीचे शराब की दुकान है उपर परिवार रह रहा है। आप ये देखिए कि इसके उपर मुझे लगता है कि रोक लगानी चाहिए और इस शराब नीति को इम्पलीमेंट करने के लिए इस शराब नीति में जो भ्रष्टाचार हुआ है जनता ने तो आम आदमी पार्टी को सजा दी है मेरा सदन से निवेदन है कि जो अधिकारी भी इसके अंदर शामिल थे उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। मैं सदन से ये मांग करता हूं। धन्वाद।

माननीय अध्यक्षः सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

सदन पुनः अपराह्न 2.04 बजे पर समवेत हुआ

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए

माननीय अध्यक्षः चर्चा पर कपिल मिश्रा जी।

माननीय पर्यटन मंत्री (श्री कपिल मिश्रा): बहुत-बहुत आभार आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी और इस ऐतिहासिक सदन का यह ऐतिहासिक सत्र चल रहा है। मैं सबसे पहले तो आपको आभार व्यक्त करता हूं कि आपने इतने महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने का अवसर दिया और साथ ही साथ आपको बधाई। एक इतिहास रचा जिस दिन इस पीठ पर आप विराजमान हुए। पिछले दस साल में

इस सदन की गरीमा को बहुत ही नीचे गिरा दिया गया। मुझे ये लगता है कि कभी ना कभी इस सदन में इस पर भी चर्चा होनी चाहिए कि पिछले दस साल में लोकतंत्र की, संविधान की इस सदन की परम्पराओं का किस प्रकार से मखौल उडाया गया। इसी वेल में और इसी सदन में किस प्रकार से बाबा साहेब के संविधान की हत्या बार–बार की गई। आपके ऊपर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है इस पीठ की गरीमा को पुनर्स्थापित करने की और हम सब लोग सदन के सभी सदस्य पूरी तरह सुनिश्चित है कि सदन की गरीमा को ना केवल आप पुनर्स्थापित करेंगे बल्कि साथ ही साथ इसे उन नई ऊचाईयों पर ले जायेंगे जिसके लिए कभी ये सदन ये इमारत जानी जाती थी। मैं इस अवसर का उपयोग हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री महोदया जी का भी धन्यवाद करने के लिए करूंगा। जब पिछली सरकार में ये पूरा भ्रष्टाचार चल रहा था, अभी तो सीएजी की पहली रिपोर्ट आई है। ये तो पहली किस्त है। अभी तो एक के बाद एक ना जाने कितनी रिपोर्टे और दस्तावेज सामने आने बाकी है। लेकिन ये जो सरकार और जितने लोग चुने हुए इस सदन में बैठे हुए हैं सब सड़कों पर आन्दोलन के माध्यम से आये हैं। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है इस सदन में जो शराब घोटाले के खिलाफ सड़क पर ना उतरा हो। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसने कभी ना कभी गिरफ्तारी ना दी हो पिछले डेढ दो साल के अंदर। ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है इस सदन के अंदर पानी की बौझारों का सामना ना किया हो। अपने मोहल्ले में, अपने इलाके में, अपने वार्डो

में अपनी विधान सभाओं में शराब के ठेकों के सामने जिन्होंने प्रदर्शन ना किया हो । मैं ये चाहता हूं कि सदन में ऑन रिकार्ड ये बात आये कि ये जो सरकार इस बार चुनकर आई है ये जन आन्दोलन से चुनी हुई सरकार है। भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ऐतिहासिक जन आन्दोलन, एक ऐतिहासिक जन आन्दोलन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चलाया था। हमारे प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा जी के नेतृत्व में ऐतिहासिक जन आन्दोलन चलाये और लगभग 71 बार दिल्ली की सड़कों पर धरने प्रदर्शन मुझे लगता है ऐसा कोई हफ्ता नही गया पिछले दो साल में जब भाजपा के कार्यकर्ताओं ने, महिलाओं ने, भाईयों ने, युवाओं ने सड़क पर पुलिस का सामना करते हुए शराब घोटाले के खिलाफ जागरूकता का काम ना किया हो और ये बोला गया था कि आज आप लूट रहे हो। लेकिन भाजपा के कार्यकर्ताओं का ये बलिदान, से मेहनत, ये संघर्ष एक दिन सुनिश्चित करेगा कि ना केवल हरेक भ्रष्टाचारी जेल जायेगा बल्कि जो मांग सतीश उपाध्याय जी ने की थी कि एक-एक पैसे को वापिस जनता के खाते में डलवाने का प्रयास भी किया जायेगा। मैं यह चाहता हूं कि सदन इस बात का संज्ञान ले और उन सभी कार्यकर्ताओं को भी हम आभार व्यक्त करें, दिल्ली के उन सभी नागरिकों को महिलाओं को, भाजपा के कार्यकर्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष महोदय को राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय को जिन्होंने ये सुनिश्चित किया कि जब दिल्ली की जनता का पैसा लूटा जा रहा था, खून चूसा जा रहा था, शराब के ठेके खोले जा रहे थे तब

ये सुनिश्चित किया कि एक दिन भी हम आराम से नहीं बैठेंगे और ये जन आन्दोलन की निर्णायक जीत है। जिस कुर्सी पर आज हमारी आदरणीय मुख्यमंत्री महोदया विराजमान है उसके साथ की कुर्सी पर जिसमें आदरणीय मंत्री प्रवेश जी विराजमान है, इन्हीं दो कुर्सियों पर बैठकर कश्मीरी पंडितो के नरसंहार का ना केवल तिरस्कार किया गया बल्कि निरलज्जतापूर्वक उपहास उड़ाने की कोशिश की गई थी। आज ईश्वर का न्याय और मैं यह कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय कि दिल्ली की जनता ने इन चुनावों में बता दिया कि लोकतंत्र में मालिक केवल जनता होती है। कोई अपने आपको अगर मालिक बताने की कोशिश करता है, कोई भी अगर अपने आप को लोकतंत्र में मालिक बताने की कोशिश करता है तो जनता वोट की शक्ति के माध्यम से वो सभी लोग जो यहां खड़े हो करके स्वयं को दिल्ली का मालिक बोलते थे, आज इस सदन के अंदर इस परिसर के अंदर घुसने की योग्यता भी जनता ने उनकी समाप्त कर दी है। सीएजी की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी गई है। संकल्प था मुख्यमंत्री महोदया का कि पहले ही सत्र में इस रिपोर्ट को जनता के सामने लाया जायेगा। हमारे इस सदन में कई विधायकगण मौजूद हैं जो पिछली विधान सभा में भी यहीं बैठे थे और लगातार मांग कर रहे थे कि रिपोर्ट को पटल पर रखा जाये और ये एक संवैधानिक प्रक्रिया है। सीएजी की रिपोर्ट अगर आयेगी तो विधान सभा के पटल पर स्वभाविक तौर पर उसको लाया ही जाता है। लेकिन ये पहली बार ऐसा देखा गया कि एक सरकार ने

हर तरह का कुचक्र रचा कि विधान सभा के पटल पर सीएजी की रिपोर्ट आने ही ना पाये। पर पुनः बधाई मुख्यमंत्री महोदया को कि उन्होंने संकल्प लिया। पहला सत्र चल रहा है अभी केवल शपथ सम्पूर्ण हुई है। अध्यक्ष महोदय का चुनाव सम्पूर्ण हुआ है और उसके साथ ही पहला जो काम हुआ है वो विधान सभा के पटल पर सीएजी की ये रिपोर्ट रख दी गई है। ये बताती है हम जनता के प्रति जवाबदेह हैं और हम जिन चीजों को छुपाने की और दबाने की साजिश पिछली सरकार के मुख्यमंत्री के द्वारा, उप-मुख्यमंत्री के द्वारा और मंत्रियों के द्वारा की गई थी वो हर एक सच एक-एक करके सदन में भी लाया जायेगा और दिल्ली की जनता के सामने भी लाया जायेगा। ये रिपोर्ट को अगर एक लाईन में हम बोले, एक लाईन में इस रिपोर्ट को अगर बोले तो एक लाईन में समराइज कर दें तो झाडू वाला ही दारू वाला है। बड़े बुजुर्गो ने कहा है कि शराब अच्छे-अच्छों को बर्बाद कर देती है। अच्छे-अच्छो को डूबो देती है। शराब एक ऐसी चीज है जिसमें जो डूबा वो बचा नहीं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इन चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि आपदा की सरकार उसके वो सभी मंत्री जो शराब घोटाले में शामिल थे उसके वो सभी पूरा का पूरा जो गैंग था। इस ठेकों को खुलवाने वाला, कमिशन को खाने वाला वो पूरा का पूरा गैंग आज अपने आप को बेरोजगार नेता बताता हुआ घूम रहा है। शिखा राय जी हमारे बीच में जीत कर आई है। उन्होंने महिलाओं की पीड़ा को बहुत अच्छे से सदन में रखा। लेकिन इतनी

चलती है झूठ की दुकान। इतना ही चलता है भ्रष्टाचार का खेल। इसकी एक्सपायरी डेट बहुत पहले निकल चुकी थी। जनता केवल चुनावों की प्रतीक्षा कर रही थी। ये जो सीएजी की रिपोर्ट है अध्यक्ष महोदय, इस सीएजी की रिपोर्ट को केवल रिपोर्ट के तौर पर पढ़ने के साथ-साथ मैं सदन के माध्यम से दिल्ली की जनता से यह कहना चाहता हूं कि दो डाक्यूमेंट हैं, एक है सीएजी की रिपोर्ट और दूसरा डाक्यूमेंट है सीबीआई की और ईडी की चार्ज शीट। ये जब दोनों डोक्यूमेंट को हम एक साथ रखते हैं तब ये पूरी तस्वीर सामने आती है कि क्या खेल रचा गया था। सतीश उपाध्याय जी ने, शिखा राय जी ने सीएजी की रिपोर्ट के तथ्यों को बहुत विस्तार से रखा है और ये रिपोर्ट बताती है कि दो हजार करोड का नुकसान हुआ है रेवेन्यू का। ये केवल रेवेन्यू का नुकसान है ये पूरे घोटाले की कीमत नही है। दो हजार केवल तो केवल रेवेन्यू का नुकसान हुआ है कि सरकार के खाते में आना चाहिए था लेकिन आया नहीं। लेकिन अगर घोटाले के आंकड़ों को देखा जाये। गोवा के चुनाव में, पंजाब के चुनाव में जो पैसा भेजा गया जिसकी चर्चा ईडी की चार्ज शीट कर रही है, सीबीआई की चार्ज शीट कर रही है उसको देखा जाये। जिस प्रकार से तीन नाम सामने आये थे- दिनेश अरोडा का, अमित अरोडा का और विजय नायर का। वो तीनों नाम और मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के साथ उनके तालमेल के साथ जो फाइनेंशियल डील जिनकी चर्चा ईडी की और सीबीआई की चार्जशीट करती है उनको अगर ध्यान में

रखते हुए उस परिपेक्ष्य में जब हम सीएजी की रिपोर्ट देखते हैं तो हम ये मानने को बाध्य होते हैं कि रेवेन्यू का नुकसान तो दो हजार करोड का हुआ है लेकिन ये जो घोटाला है ये जो पैसा खाया गया है और जिसकी प्लानिंग की गई थी। बाद में दबाव में भारतीय जनता पार्टी के आन्दोलन के दबाव में एलजी साहब के नोटिस के दबाव में, चीफ सैक्रेट्री के लैटर के दबाव में वापिस तो ले ली गई लेकिन प्लानिंग इनकी ये थी कम से दस हजार करोड रूपये का दिल्ली की जनता का पैसा खाने की इन लोगों की तैयारी थी और उसी पैसे के माध्यम से पंजाब में और गोवा में इन लोगों ने अपनी राजनैतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की कोशिश भी की थी। मैं यहां पर अध्यक्ष महोदय यहां पर कहना चाहता हूं कि सदन की ये दीवारें जहां पर आज 280 पर चर्चा हुई। दस साल सदन की ये दीवारें तरस गई कि दिल्ली के मुद्दों पर कभी कोई चर्चा हो। दिल्ली के किसी विषय पर कभी कोई चर्चा हो। ऐसी ही सीएजी की एक रिपोर्ट को अपने हाथ में उठाकर पिछली सरकार के मुख्यमंत्री और उनके बाकी नेता ऐसी ही एक सीएजी की रिपोर्ट को हाथ में लेकर दिल्ली की राजनीति में प्रवेश किया था। चौहान साहब यहां बैठे हैं, लवली जी यहां पर बैठे हैं। आप लोग प्रत्यक्ष गवाह हैं तब जो सत्ता थी उसका एक हिस्सा आप थे लेकिन तब जो आन्दोलन हो रहा था वो ऐसी ही एक सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर ही हो रहा था। इसी प्रकार की रिपोर्ट के पन्ने दिल्ली की जनता के बीच में लहराये जाते थे और ये कहा

जाता था कि इसमें घोटाला हुआ है। इसके बदले हमें सरकार में लेकर आओ। लेकिन समय का चक्र पूरी तरह से घूम चुका है और आज सीएजी की रिपोर्ट सामने है। पहली रिपोर्ट जो इस सदन के पटल पर आई है और मुझे विश्वास है कि ऐसी बाकी रिपोर्टस भी सदन के पटल पर आयेगी और वो ये बताती हैं कि जो लोग भ्रष्टाचार से लड़ने के नाम पर आये थे उन्होंने शायद इस देश की आजादी के बाद से इस देश के इतिहास में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारी और अहंकारी सरकार अगर कोई इस देश की सत्ता में दिल्ली की सत्ता में आई है तो वो पिछली सरकार थी जिसके अहंकार को जनता ने अपने वोट के माध्यम से वापिस भेज दिया। सीएजी की रिपोर्ट में बताया ही गया है कि दो हजार करोड का नुकसान है। नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाजजो सीएजी की रिपोर्ट में लिखा है मैं सदस्यों को जानकारी है पर मैं ध्यान में लाना चाहता हूं कि ये नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज क्या है? ये बहुत जरूरी है सुनने के लिए क्योंकि जब ये इस सदन कें अंदर प्रोटेस्ट करते हैं भगत सिंह के नाम पर, बाबा साहेब अम्बेडकर जी के नाम पर तब दिल्ली की और देश की जनता को पता होना चाहिए नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज में शराब की दुकानें खोली गई। इसका मतलब है गुरूद्वारे के सामने ठेका खोला गया चाणक्यपुरी में। गुरूद्वारे के सामने ठेका खोला अरविंद केजरीवाल ने, मनीष सिसोदिया ने। मंदिरों के सामने ठेका खोला। स्कूलों के सामने ठेका खोला, कालेजों के सामने ठेका खोला। इसको बोलते हैं नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज जहां पर संविधान

बाबा साहेब का इजाजत नहीं देता था, जहां पर कानून इजाजत नही देता था, एक्साईज की पॉलिसी इजाजत नहीं देती थी शराब के ठेके खोलने की, उन जगहों पर शराब के ठेके खोलने का पाप अगर किसी ने किया तो पिछली आपदा सरकार ने वो पाप किया है। सदन में ऑन रिकार्ड ये बात आनी चाहिए और उसके कारण 941 करोड रूपये का नुकसान रेवेन्यू का दिल्ली की जनता को हुआ। अपने ही लोगों को लाईसेंस देना, जिनकी एलिजिबिलिटी नहीं है। बैंक के खाते में एक लाख रूपया पड़ा है और सौ–सौ करोड़ रूपये के टैंडर दिये जा रहे हैं जिन लोगों को और बाद में उनकी फीस तक वापिस लौटाने की नौबत आ गई। फीस वेवर कर दी गई कोरोना के नाम पर। अध्यक्ष महोदय, ये बात ध्यान देने योग्य है कि ये घोटाला तो एक पाप होता ही है लेकिन उसकी टाईमिंग जिसकी तरफ ध्यान दिलाया गया है इस सदन में कोरोना का वो काल जब देश में हर कोई केवल ये सोच रहा था कि कैसे किसी मदद की जाये। हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री जी किस प्रकार से वैकसीन की व्यवस्था हो। अस्पतालों की व्यवस्था हो, राशन की व्यवस्था हो, ये सुनिश्चित करने में लगे थे। गृह मंत्री जी स्वयं दिल्ली में जगह–जगह जाकर टैम्परेरी हॉस्पिटल बने। बैड की व्यवस्था हो, ऑक्सीजन की व्यवस्था हो उसके लिए देश के गृह मंत्री स्वयं दौरे कर रहे थे दिल्ली के अंदर। कार्यकर्ताओं के तौर पर भी, राजनैतिक पार्टी के तौर पर भी समाज सेवी संगठनों के तौर पर भी, एनजीओ के लोग, आर डब्ल्यूओ के लोग सभी लोग सड़कों

पर उतरे हुए थे। किसी तरह से भोजन की व्यवस्था हो, दवाई की व्यवस्था हो आक्सीजन की व्यवस्था हो, सिलेंडर की व्यवस्था हो, सबकी चिंता ये ही थी। दिल्ली की माताएं और बहनें अपने घर में दिया भी जलाती थी तो रोज जगदम्बा से केवल इतनी प्रार्थना करती थी कि हे जगदम्बा मेरे परिवार की रक्षा करना, मेरे देश की रक्षा करना। वो संकट काल कोरोना का उस संकट में दिल्ली का भूतपूर्व मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री क्या कर रहे थे। उस संकट काल में दिल्ली के मुख्यमंत्री के घर में शराब के दलालों की मिटिंग चल रही थी। ये ईडी की चार्ज शीट में लिखा हुआ है, सीएजी की रिपोर्ट में लिखा हुआ है। जिस समय इन्हें दवाईयों की व्यवस्था करनी थी और खासतौर पर जो उत्तर प्रदेश से, बिहार से, उत्तराखंड से जो लोग आते हैं। दिल्ली भूली नहीं है हमारी बस्तियों में अध्यक्ष महोदय लाउडस्पीकर से रात को बारह बजे एलान कराया गया कि आनन्द विहार में बसें खडी है। आपको आपके घर तक छोडकर आयेंगी। लाखों लोगों को आनन्द विहार में डीटीसी की बसों के द्वारा पहुंचा दिया गया और वहां पर पीने के पानी तक की सुविधा नहीं थी। घर पहुंचाने की कोई बस नहीं थी। हजारों लाखों लोगों के नरसंहार की साजिश कोरोना के काल में इस सरकार ने रची कि एक तरफ नरसंहार होता रहे। देश का ध्यान कोरोना में चलता रहे और दूसरी तरफ ये पर्दे के पीछे दो पाप करें- शराब के घोटोले की नीति लेकर आये और अपने शीश महल को बनवाने की साजिश करें। ये दोनो पाप कोरोना के काल में दिल्ली की

पिछली सरकार ने किये थे। ये दोनों पाप कोरोना के काल में किये गए थे। ये अपराध कई गुणा बढ़ जाता है जब इसकी टाईमिंग की ध्यान से देखा जाता है। इनको लगा कि कोरोना का काल है सब अपने-अपने सुरक्षा में, व्यवस्था में व्यस्त है कोई शराब के घोटाले की तरफ ध्यान नहीं देगा। मैं ये कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय सीएजी की रिपोर्ट में जो डिटेल है उससे आगे बढ़ते हुए अगर हम चीफ सैक्रेट्री का लैटर देखे, जिसका जिक्र ईडी की चार्ज शीट में है, सीबीआई की चार्ज शीट में है सदन में ऑन रिकार्ड ये बात आनी चाहिए कि क्योंकि पिछली सरकार में इन्होंने इसके सम्बन्ध में चर्चा नहीं करने दी। चीफ सैक्रेट्री के लैटर में ये लिखा है मनीष सिसोदिया ने संविधान का उल्लंघन करते हुए कानून का उल्लंघन करते हुए ऐसे फैसले लिये पांच सौ अस्सी करोड रूपये का सीधा-सीधा नुकसान केवल दारू के मंत्री मनीष सिसोदिया के गलत फैसलों के कारण लिया। ये ईडी की चार्ज शीट में लिखा हुआ है। उस वक्त इनको लग रहा था कि कैबिनेट के अप्रूवल की जरूरत नहीं है। इनको लग रहा था एलजी अप्रूवल की जरूरत नहीं है। एक घटनाक्रम की तरफ मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय। जिस बारे में चर्चा सतीश उपाध्याय जी ने भी कि जो कमीशन था उसको पांच परसेंट से बढ़ाकर बारह परसेंट किया गया। ये सीएजी की रिपोर्ट कहती है। लेकिन अगर हम इसको ईडी की चार्ज शीट के साथ मिलाकर देखें तो असली खेल समझ में आता है। पांच परसेंट कमिशन कैबिनेट ने पास किया। पांच परसेंट

कमिशन कैबिनेट ने पास किया। कैबिनेट की अगली मिटिंग 23 मार्च, 24 मार्च को होनी थी। 14 मार्च से लेकर 17 मार्च तक यहीं हमारी विधान सभा से थोडी दूर पर ओबेराय होटल है इस ओबेराय होटल में साउथ लॉबी के शराब के दलालों को बुलाया गया। उनको रूकवाया गया। ईडी ने उसकी सीसीटीवी फुटेज भी निकाली है। ओबेराय होटल की प्रिंटर मशीन का डेटा निकाला है। फोटो कॉपी मशीन का डेटा निकाला है फौरेंसिक जांच करने के बाद। कैबिनेट पांच परसेंट का नोट पास कर रही है। मनीष सिसोदिया के घर से जो कम्प्यूटर जब्त किया गया उसमें लिखा है कि कैबिनेट नोट के पांच परसेंट के नोट को सिसोदिया के अपने कम्प्यूटर पर एडिट करके बारह परसेंट कर दिया गया। कोई कैबिनेट का अप्रूवल नहीं था । कोई एलजी का अप्रूवल नहीं था। पांच को बारह करके 14 मार्च से 17 मार्च के बीच में ओबेराय होटल में शराब के दलालों की जो मिटिंग होती है। सीसीटीवी फुटेज में शराब के दलालों के हाथ में 36 पेज की दिल्ली की एक्साईज पॉलिसी की वो कॉपी थी जो कॉपी अभी तक कैबिनेट ने पास नहीं की थी। ये पाप इन लोगों ने यहां पर किया है। जो कैबिनेट से पास होनी बाकी थी नीति शराब के दलालों के पास एक हफ्ते पहले वो कॉपी थी, सीसीटीवी फुटेज इसको वैरिफाई कर रहा है।

(समय की घंटी)

माननीय पर्यटन मंत्रीः हमारा फोटो कॉपी मशीन का फोरेंसिक डेटा इसको वैरिफाई कर रहा है। मनीष सिसोदिया का कम्प्यूटर का डेटा इसको वैरिफाई कर रहा है कि सीधे-सीधे इन्होंने शराब के दलालों के साथ और जो व्हटसऐप चैट सामने आई है, मुझे लगता है कि पन्द्रह किलो घी का मतलब सबको पता है सदन में। पन्द्रह किलो घी मनीष सिसोदिया व्हाट्सऐस पर मंगा रहे हैं और पन्द्रह किलो घी के बदले पन्द्रह करोड रूपये कौन से अंगेडिया के माध्यम से गोवा में कहा पर डिलीवर किया गया। तीन अंगेडियाओ को उसका ठेका दिया जा रहा है। वहां पर गोवा में उसके पैसे डिलीवर किये जा रहे हैं। विजय नायर किसके लिए, कैलाश गहलोत अध्यक्ष जी यहां पर बैठे है। मैं थोडा सा समय और लूंगा बस आपका। कैलाश गहलोत जी पिछली सरकार में मंत्री थे। कैलाश गहलोत जी के यहां पर बंगला आवंटित था, सरकारी बंगला। लेकिन उसमें गहलोत जी नहीं रहते थे। उसमें विजय नायर रहता था। उसमें विजय नायर रहता था। वो ही विजय नायर जो फेस टाइम पर कॉल करता है और समीर महेन्द्रू फेज टाईम पर विजय नायर कॉल करता है और समीर महेन्द्रू से सीधे अरविंद केजरीवाल बात करता है और उससे कहता है win-win situation होगी win-win situation जो बोले वो कर दो। शरद रेड्डी उससे मिलने के लिए मुख्यमंत्री के घर के बगल में मिटिंग की जाती है।

(समय की घंटी बजाई)

माननीय पर्यटन मंत्रीः मुझे लगता है कि शराब के घोटाले के इन तथ्यों के ऊपर ईडी की चार्ज शीट सीबीआई की चार्ज शीट और सीएजी की रिपोर्ट इन तीनों को combined करते हुए इसको इस सदन में देखा जाना चाहिए, पढ़ा जाना चाहिए। किस प्रकार से चाहे वो बुच्ची बाबू का चैट हो व्हाट्सऐप चैट हो जो कविता रेड्डी का सीए है, चाहे वो विजय नायर की व्हाट्सऐप चैट हो, समीन महेन्द्रू की व्हाट्सऐप चैट हो, चाहे वो सन्नी मारवाह के पिता का स्टिंग ऑपरेशन हो जिसमें वो बोल रहा है। पांच परसेंट से बारह परसेंट करो और छः परसेंट हमें वापिस दो ब्लैक में। ये मनीष सिसोदिया ने बोला। पांच परसेंट से बारह परसेंट कर देंगे, छः परसेंट वापिस लेंगे ब्लैक में। ये अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के अपने बोले हुए शब्द हैं। पैसों के लेनदेन का डाक्यूमेंट उपलब्ध है और मैं ये कहना चाहता हूं इस सदन में अभी केवल जनता की अदालत में न्याय हुआ है, अभी कानून की अदालत में न्याय होना बाकी है। बेल पर छूटे हुए ये लोग ये याद रखें कि अभी ये केवल बेल पर बाहर हैं फिर आयेंगे केजरीवाल तिहाड़ की दीवारों पर आज भी लिखा हुआ है। वापिस वहां जाना इनको पडेगा। 170 मोबाइलों को तोड़ा गया अध्यक्ष महोदय। 18 मोबाइल खुद मनीष सिसोदिया ने तोड़े हैं अपने। हमारे यहां तो थाने में कोई करैक्टर सर्टिफिकेट लेने जाता है तो एसएचओ बस उसको मोबाइल नम्बर देखता है और कहता है अगर दस साल पुराना नम्बर चल रहा है इसका मतलब बंदे में कोई प्रोब्लम नहीं है। रोज-रोज

नम्बर वो ही बदलता है। ये ही तो सबसे पहले है जिसका हर महीने नम्बर बदल रहा है इसका मतलब वो कोई घोटाला कर रहा है। 18 मोबाइल तोड़े हैं मनीष सिसोदिया ने। 170 मोबाइल अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, विभव, विजय नायर ने मिलकर तोडे हैं। दो करोड़ के मोबाइल तोड़ डाले छः महीने के अंदर। क्या छुपा रहे थे? क्या डर था और लगभग 45 मोबाइल की तो वो है लोकेशन है। एक ही जगह पर मुख्यमंत्री के कॉन्फ्रेंस में सीएम के घर के कॉफ्रेंस रूम में एक ही जगह पर एक ही टाइम में तोड़े गए है। ये सारे दस्तावेज ये बताते हैं कि इस सदन की जो चिंता है कि भ्रष्टाचारियों को सजा मिले और जनता का पैसा वापिस आये। मैं यह कहना चाहता हूं सदन को अपनी बात समाप्त करते हुए कि हमें ईडी का और सीबीआई के उन वीर अधिकारियों का भी धन्यवाद करना चाहिए। बड़े-बड़े मगरमच्छों पर हाथ डालने से नहीं डरे वो लोग। बड़े-बड़े मगरमच्छों पर हाथ डालने से नहीं डरे। इस देश की जनता ने कभी सपने में सोचते थे कि ऐसा भी होगा कि नेताओं के घर पर भी जायेगी ईडी और सीबीआई। उनके घरों से भी पैसा निकाला जायेगा। ये प्रधान मंत्री मोदी जी की सरकार में पहली बार हम देख रहे है कि कितना भी बड़ा मगरमच्छ बैठा हो लेकिन ईडी और सीबीआई के अधिकारी डरते नहीं है और उनके भ्रष्टाचार का सच भी सामने लाते हैं। सदन के माध्यम से उनका भी आभार व्यक्त हो और पुनः बहुत-बहुत बधाई मुख्यमंत्री महोदया का। सीएजी की रिपोर्ट को आपने सदन के पटल पर रखा।

पुनः यह चेतावनी बाबा साहेब और भीम राव अम्बेडकर जी और भगत सिंह जी का अपमान करने वाले और उनके नाम पर शराब का धंधा स्कूलों में करप्शन, हैल्थ का करप्शन, मोहल्ला क्लीनिक में लूट ये भ्रष्टाचारियों को पुनः यह चेतावनी कि अभी केवल 22 बचे हो अगर इसी रास्ते पर चलोगे तो दो भी नहीं बचोगे।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

माननीय पर्यटन मंत्रीः और इसी के साथ पुनः आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद कपिल जी। मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है आगे की चर्चा में थोड़ा समय का ध्यान रखे। क्योंकि समय को हमें ध्यान रखना ही पड़ेगा। अब मैं बुलवा रहा हूं श्री अमानतुल्लाह खान को।

श्री अमानतुल्लाह खानः अध्यक्ष जी शुक्रिया कि आपने मुझे इस मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। 22 विधायक है। 21 को आपने जो है वो सदन से क्या बल्कि विधान सभा से बाहर भेज दिया और ये शायद दस साल हम लोग भी सरकार में रहे आप भी थे और आप तो कई मर्तबा टेबल पर भी खड़े हुए लेकिन कभी ऐसा नहीं हुआ कि विधान सभा के परिसर से बाहर..

माननीय अध्यक्षः एक मिनट मैं आपको स्थिति स्पष्ट कर दूं। सदस्यों के समक्ष आपने अगर मुद्दा उठाया है। रूल बुक सबको दी गई है और रूल बुक के अनुसार सदन का तात्पर्य विधानसभा

से है पहला। ये जो सदन है ये खाली ये सदन नहीं है। बैठ जाईये मैं आपको स्पष्ट कर देता हूं। सदन का अर्थ है दिल्ली विधान सभा का पूरा परिसर। आगे डिफाइन किया गया है वो भी पढ़ देता हूं। ''सदन के परिसर का तात्पर्य विधान सभा भवन सभा कक्ष, दीर्घाएं, विधान सभा सचिवालय के नियंत्रण में कमरे, अध्यक्ष कक्ष, उपाध्यक्ष कक्ष समिति कक्ष, विधान सभा पुस्तकालय, विधान सभा वाचनालय, पार्टियों के कमरे, विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों के अधीनस्थ सब स्थान तथा उसकी ओर से जाने वाले मार्गो से तथा उन स्थानों से भी जिन्हें अध्यक्ष समय-समय पर निर्दिष्ट करें।'' यानि कि जब कोई भी सदस्य मार्शल आउट होता है सदन से तो रूल बुक कहती है कि वो premises से बाहर जायेगा। तो इस लिए ये सभी सदस्यों को मैं स्थिति स्पष्ट कर रहा हूं कि जब भी कभी इस तरह की स्थिति आयेगी तो ये सिर्फ जो सदन चल रहा है ये सदन नहीं है पूरा परिसर ही सदन है, सदन का हिस्सा है। तो इस लिए चेयर से स्पष्ट आदेश है कि अगर ऐसी स्थिति जब भी आयेगी मार्शल आउट होने की तो उसको परिसर से बाहर जाना होगा। धन्यवाद। आगे आप शुरू करिये।

श्री अमानतुल्लाह खानः सर बाहर बाहर का, बाहर का ग्रांउड नहीं है। आप ने सारे रूल्स आपने बताया, सारे। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। हम लोग भी सरकार में रहे है कभी ऐसा नहीं हुआ कि आज सारे हमारे विधायक गेट के बाहर है। वहां पर भी बैरिकेट लगा दिये गए और वो धूप में बैठे हैं। आप अंदर आने

की तो इजाजत दे सकते थे। अब से पहले भी ऐसा हुआ है। इतना नहीं होना चाहिए। इतना ठीक है आप जीत गए। जनता ने अपको जिताया है और सिर आंखों पर है। आपको काम करने के लिए जनता ने जिताया है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कि दुश्मनी इस हद तक हो कि आप विधान सभा के परिसर तक में हमें अंदर ना आने दे तो ये बिल्कुल, कतई ठीक नहीं है।

..व्यवधान..

माननीय अध्यक्षः अमानतुल्लाह जी, आप एक मिनट हरीश जी मुझे अपनी बात कहने दीजिए। आप बैठिये एक मिनट।

श्री अमानतुल्लाह खानः नहीं कोई नहीं मैं खड़ा हूं। कोई बात नहीं मैं खड़ा हूं, ठीक हूं।

माननीय अध्यक्षः आप बोलेंगे। आपकी टर्न है आप बोलेंगे। मैं फिर ये स्पष्ट कर दूं। मैं फिर स्पष्ट कर दूं सभी को। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर इस प्रकार की हरकत जो यहां की गई वो सर्वथा निंदनीय है। भारत के इतिहास में इस तरह की घटनाएं चंद बार ही हुई है। अभिभाषण अर्थात constitutional authority यहां पर सदन को एड्रैस करने के लिए साल में एक बार आती है। उस समय ना कोई वाद विवाद होता है ना कोई सदन चल रहा होता है वो सिर्फ अभिभाषण के लिए ही समय तय होता है। सदन ने जो कल निर्णय लिया मैं बधाई दूंगा कि आपने इतने बड़े अपराध के विरूद्ध जो निर्णय लिया उसमें बहुत ही बैलेंस अप्रोच रखी।

मात्र तीन दिन के लिए इस पर breach of privilege का भी मामला बनता है। ये एथिक्स कमेटी में भी सजाएं जो रूल बुक में दी गई है वो इससे कहीं भारी है। तो इसलिए उपराज्यपाल का अभिभाषण किसी राजनैतिक पार्टी से किसी से जुडा हुआ नहीं है वो सबके लिए है, पूरी दिल्ली के लिए है। तो इस लिए उन्होंने जो यहां पर कल उद्दण्डता की समझाने और कहने के बाद भी जिसको नहीं माना गया इसलिए सदन को ये फैसला लेना पड़ा। अब आप अपनी बात कहें विषय पर।

श्री अमानतुल्लाह खानः नहीं देखिये मैं तो यही चाहूंगा कि आप तमाम हमारे जितने भी साथी हैं आप उनको बुला लें। कई बार ऐसा हुआ है कि आपको बाहर भेजा गया जब अनुरोध आपके दूसरे साथी ने किया तो हमने ओमप्रकाश जी को और दूसरे लोगों को आपके अनुरोध पर हमने बुलाया। तो मैं तो यही चाहूंगा।

माननीय अध्यक्षः आप विषय पर आईये।

श्री अमानतुल्लाह खानः कि वो सारे पार्ट हैं और क्योंकि अभी जो है आपका डिप्टी स्पीकर का भी चयन होना है उसका इलेक्शन होना है तो उसमें अपोजीशन अगर नहीं रहेगा तो वो ठीक नहीं होगा किसी भी लिहाज से। तो हम तो यही चाहेंगे की भई आप सबको बुलाएं आप क्योंकि सीट पर बैठे हुए हैं और आप सबके अध्यक्ष हैं हम तो यही चाहेंगे कि आप ये सारी चीजों को देखते हुए उन सबको अंदर बुला लें और हमने कई बार ऐसा किया है पीछे भी और ये तो पार्ट है इस वक्त में क्योंकि हम भी

हिस्सा हैं विधानसभा का और बड़ी अच्छी बात है कि दिल्ली की जनता ने।

माननीय अध्यक्षः आप विषय पर आ जाएं।

श्री अमानतुल्लाह खानः आपको चुनकर के भेजा है और हम खैरमद्दम करते हैं इसका जनता ने कहा है और हम यही चाहेंगे की आप तमाम तबकात के साथ में जो भी हैं कार्य करें और हम मुख्यमंत्री जी से भी और तमाम मंत्रियों से और तमाम विधायकों से हमारी तो यही रिक्वेस्ट रहेगी यही दरख्वास्त रहेगी।

माननीय अध्यक्षः अभी आपको विषय पर बात करनी है।

श्री अमानतुल्लाह खानः कि आप दिल्ली की जनता के लिए काम करें और मैं एक और बात करना चाहता हूं। देखिये, जिस तरह से मैं यहां मौजूद हूं।

माननीय अध्यक्षः नहीं-नहीं लिकर पर बात करनी है, आपको सीएजी पर बात करनी है।

श्री अमानतुल्लाह खानः मुझे सीएजी पर बात करनी है।

माननीय अध्यक्षः करनी है तो करिए शुरु करिये।

श्री अमानतुल्लाह खानः मैं ये कहना चाहूंगा कि जिस तरह से कोई निकम्मा कह रहा है, कोई बेईमान कह रहा है, कोई

निकम्मी सरकार कह रहा है तो इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः नहीं–नहीं।

श्री मनजिन्दर सिंह सिरसाः हमने सुना है प्रधानमंत्री जी के प्रति अपशब्द बोले गये हैं।

श्री अमानतुल्लाह खानः इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः मैं सभी सदस्यों से कहूंगा।

श्री मनजिन्दर सिंह सिरसाः धैर्य रखकर बात करें। जब प्रधानमंत्री जी के प्रति बोले गये और आपके मुख्यमंत्री ने बोले और ऐसे शब्द जो किसी के कान सुन नहीं सकते थे आप लोगों ने कोई लज्जा नहीं छोड़ी निर्लज होकर होकर तुम लोगों ने बदतमीजी यहां पर की और सबने बर्दाश्त की और आज आप हमें शिक्षा देते हैं।

माननीय अध्यक्षः सभी सदस्य बैठ जाएं। ओपी शर्मा जी, करनैल जी। आप विषय पर आ रहे हैं या मैं अगला वक्ता बुलाउं। आप सीएजी पर आईये।

श्री अमानतुल्लाह खानः कि ये इस तरह से ये बात न करने दी जाए।

माननीय अध्यक्षः चलिये सीएजी आप, नहीं-नहीं आपको मैं पूरा समय दे रहा हूं 5 मिनट आपके हो गये हैं आप समय का सदुपयोग करें सीएजी पर बात करें।

श्री अमानतुल्लाह खानः देखिये सीएजी रिपोर्ट सदन में पेश हुई और उस पर मैं चर्चा सुन रहा हूं और मैं देख भी रहा हूं कि सीएजी रिपोर्ट में जो कहा गया है पिछले 2 साल से की शराब घोटाले पर आए दिन ये तमाम चीजें आ रही हैं और हमारे दिल्ली सरकार के करेक्टर को जिस तरह से बदनाम किया गया जिस तरह से करेक्टर असिसनेशन किया गया वो सबके सामने है और आप इसी को करके आज सरकार में आए हैं तो अब हम तो ये चाहते हैं की जब आप सरकार में आ गये हैं तो आप जनता का काम करें। जनता के मुद्दों को भटकाएं न। आपने 2500 रुपये का वादा किया 2500 रुपये किया वादे को पूरा करें। आप एक तरफ सीएजी रिपोर्ट में कहा गया।

माननीय अध्यक्षः अब मैं अगले वक्ता को बुला रहा हूं।

श्री अमानतुल्लाह खानः सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है।

माननीय अध्यक्षः हां सीएजी की बात करिए।

श्री अमानतुल्लाह खानः कि भई नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज के अंदर ठेके नहीं खुले उससे 941 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। कुछ लाइसेंस वापस कर दिये गये 800 करोड़ से ज्यादा का घाटा वो हुआ। आप 2000 करोड़ के घाटे की बात कर रहे हैं कि सरकार

के रेवेन्यू का लॉस हुआ। 1800 करोड़ रुपये तो ये होता है तो हम तो ये पूछना चाहते हैं कि जो आप इतने दिन से सीबीआई आपके पास है, ईडी आपके पास है, ACB भी आपके पास है तमाम एजेंसियां आपके पास हैं और आप इतने टाइम से कर रहे हो तो घोटाला हुआ कहां है। ये तो एज्यूम कया जा रहा है कि ये नुकसान होता और जो इसमें 8 अध्याय हैं 8 अध्याय के अंदर 7 में पुरानी जो पॉलिसी है उसके बारे में कहा गया है कि उसके अंदर जो कमियां थीं वो कमियां बताई गई हैं और 1 अध्याय के अंदर बताया गया कि इसके अंदर ट्रांसपेरेंसी थी अगर ठीक से इम्प्लीमेंट किया जाता तो ये लॉस नहीं होता बल्कि फायदा होता। पंजाब के अंदर यही पॉलिसी इम्प्लीमेंट हुई

..व्यवधान..

श्री अमानतुल्लाह खानः एक साल में फायदा हुआ दूसरी मर्तबा दूसरा फायदा हुआ और जो पहली पॉलिसी उसमें फायदा नहीं हुआ।

माननीय अध्यक्षः पहले ये अपनी बात बोल लें फिर आप बोल लेना।

श्री अमानतुल्लाह खानः तो आप हम तो ये कहना चाहते हैं कि आप तमाम और एक-एक।

श्री अरविन्दर सिंह लवलीः मेरा पाइंट आफ आर्डर है।

माननीय अध्यक्षः हां बताईये एक मिनट, एक मिनट पाइंट आफ आर्डर है। एक मिनट सदस्य का पाइंट आफ आर्डर है।

श्री अमानतुल्लाह खानः अरे आप इस तरह से बात करके आप न तो मुझे डरा सकते हैं न दबा सकते।

माननीय अध्यक्षः अमानतुल्लाह जी। माइक बंद करिये। अब बताईये, पाइंट आफ आर्डर देखिये प्वाईट ऑफ ऑर्डर का मतलब है सारी कार्यवाही रुकेगी और जो सदस्य प्वाईट ऑफ ऑर्डरयानि कि व्यवस्था का प्रश्न। व्यवस्था का प्रश्न अगर उठेगा तो पहले वो सुना जाएगा।

श्री अरविन्दर सिंह लवलीः अध्यक्ष जी, मेरा पाइंट आफ आर्डर है कि रिकार्ड के ऊपर मिसलीड किया जा रहा है इस हाउस को। सीएजी की रिपोर्ट कभी ये मेंशन नहीं करती कि इसमें करप्शन है के नहीं सीएजी की रिपोर्ट अनियमितताओं को जो है बताती है और उसको उजागर करती है उसके बाद उस पर क्रिमिनल एक्टिविटी होनी है कि नहीं उसको कायम एजेंसीज और पीएसी रिकमंड करती है एक्शन के लिए। सीएजी की रिपोर्ट को यह कहना की उसमें कहीं करप्शन नहीं लिखा देश के इतिहास में कोई सीएजी की रिपोर्ट करप्शन के बारे में नहीं लिखती, अनियमितताओं के बारे में लिखती है और जिस तरीके की अनियमितताएं दिल्ली में शराब घोटाले के बारे में सीएजी ने मार्क की हैं ये तय हो गया है की ईडी और सीबीआई का जो एक्शन चल रहा था वो सही रास्ते पर चल रहा था और उसको और तेजी लेकर आएंगे तो

हाउस को मिसलीड नहीं किया जाए ये सीएजी की रिपोर्ट में जो है करप्शन नहीं मेंशन है तो इसलिए,

माननीय अध्यक्षः आपका पाइंट आफ आर्डर स्वीकार है हाउस को मिसलीड न किया जाए आगे बढ़िये।

श्री अमानतुल्लाह खानः हाउस को मिसलीड नहीं कर रहे हैं मेरा सिर्फ कहना ये है कि सीएजी की रिपोर्ट में तो ये एज्यूम किया गया ये जो है नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज के अंदर दुकानें खुलने किसने ही नहीं दी कि क्या दबाव बनाया गया। पहले साल के अंदर ही सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर ली, ईडी ने एफआईआर दर्ज कर ली, गिरफ्तारियां शुरु हो गईं। जो ट्रांसपेरेंसी इसके अंदर थी उससे फायदा होना था फायदा नहीं हुआ लोग डर गये तो ये तो तमाम एजेंसियां आपके पास थी और इन्हीं एजेंसियों का इस्तेमाल करके आज आप सरकार में आ गये और सरकार में जिन वादों के साथ आप आए वो वादे आप पूरे कर नहीं रहे हो। 2500 रुपये महिलाओं को देने की बात आपने की वो वादा आप पूरा कर नहीं रहे हो।

माननीय अध्यक्षः अभय वर्मा, अभय वर्मा अगले वक्ता।

श्री अमानतुल्लाह खानः जो जो आपने काम करने की बात की थी वो आप कर नहीं रहे हो सिर्फ दिल्ली की जनता को गुमराह करने का काम ये सरकार कर रही है।

माननीय अध्यक्षः चलिये, अभय वर्मा जी शुरु करिये।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी, सीएजी की रिपोर्ट पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया है इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और ये जो रिपोर्ट है इस रिपोर्ट को लेकर जो संघर्ष हम लोगों ने पिछले 2 वर्षों में इसी हाउस में किया है जब ये पीले पन्ने में ये रिपोर्ट आई तो मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। क्योंकि यही पीला रंग लेकर साहबजादे केजरीवाल जी पूरी दिल्ली में अलख जगा रहे थे और वही पीला रंग आज उनकी कलई खोल रही है। अध्यक्ष जी, ये पीला रंग बतला रहा है।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः आप बैठिये-आप बैठिये चलिए।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी ये पीला रंग बतला रहा है कि आम आदमी पार्टी के नेता जो इस हाउस में खड़े होकर कहते थे कि शिक्षा क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया को भारत रत्न मिलना चाहिए। फिर खड़े होकर कहते थे कि स्वास्थ्य और मोहल्ला क्लीनिक मॉडल देने वाले सत्येन्द्र जैन को भारत रत्न मिलना चाहिए और अध्यक्ष जी जब कलई खुली और रिपोर्टें जब आने लगी तो भारत रत्न देने वाला व्यक्ति समेत वो दोनों तिहाड़ के अंदर पाए गए। भ्रष्टाचार का एक नई परिभाषा किझूठ भी बोलना है, गाल भी बजाना है और चोरी भी करनी है।

.....व्यवधान....

श्री अभय वर्मा: अरे भाई साहब बैठ जाईये, बैठ जाईये अब समय बीत चुका है आप लोगों का।

माननीय अध्यक्ष: अभय जी आप अपनी बात कहिये, आप अपनी बात कहिये।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: आप अपनी बात कहिये।

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी, दिक्कत यह है कि।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्ष: मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं आप अपना स्थान ग्रहण करें। आगे बढ़िये।

....व्यवधान....

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: अभय जी आप कंटीन्यू रखिये नही ंतो मैं अगले वक्ता को बुलाउंगा क्योंकि समय का मुझे ध्यान रखना है। आप अपनी बात कहते रहिये। आप बैठ जाईये।

श्री अभय वर्मा: अध्यक्ष जी, मैं ये कह रहा हूं की पहले की जो व्यवस्था थी लिकर पॉलिसी की उसमें मैन्यूफैक्चरर एक

आदमी होता था, स्टॉकिस्ट एक आदमी होता था, रिटेलर एक आदमी होता था और इनके माध्यम से शराब कंज्यूमर के पास।

....व्यवधान.....

माननीय अध्यक्षः ओपी शर्मा जी। अभय जी आप कंटीन्यू करिये।

श्री अभय वर्माः कंज्यूमर तक शराब पहुंचने में ये तीनों चेन के पास सारे सिस्टम का चैक होता था लेकिन आज सुबह।

....व्यवधान....

(श्री अमानतुल्लाह खान ने सदन से वॉकआउट किया)

माननीय अध्यक्षः सब साइलेंट होंगे प्लीज।

श्री अभय वर्माः आज सुबह जब माननीय सदस्य सतीश उपाध्याय जी ने जब व्याख्या की इस सीएजी रिपोर्ट को तो उन्होंने बताया की पारदर्शिता नहीं रखा, मूल्य के निर्धारण की कोई व्यवस्था नहीं रखी और तीन लोगों में पूरा तीन प्राइवेट प्लेयर में पूरा शराब नीति बनाके उनके हवाले दिल्ली को कर दिया गया। अध्यक्ष जी, ये सच है कि ये सीएजी की रिपोर्ट केवल सरकार की खामियों को बताया है। इसमें कोई दुरेज नहीं है जो कमियां सरकार की रही नई लिकर पॉलिसी लागू करने में उसके कारण 2002 करोड़ का नुकसान हुआ है लेकिन मैंने सरकार से एक पत्र लिखा था और सरकार का जवाब आया वो जरूर हम सबको जानने की जरूरत

है। सर जो पीरियड था नई पॉलिसी का वो 1 नवंबर, 2021 से 1 सितंबर, 2022 तक वो पॉलिसी लागू रही और उस दौरान जहां पर 1,32,000 लीटर दारू महीने में बिकती थी अचानक सेल 2,45,000 लीटर दारू के हो गई और पूरे उस पीरियड में 22 करोड़ लीटर दारू बिकी और अगर पिछले साल उसी पीरियड को देखते हैं तो सिर्फ 12 करोड़ लीटर दारू बिकी। अचानक 12 करोड़ लीटर दारू बिकने वाले पीरियड में 22 करोड़ लीटर दारू कैसे बिक गई, कौन लोगों ने खरीदा और बेनिफिट आप देखिये 22 करोड़ लीटर दारू बेचकर मात्र 540 करोड़ रुपया वैट पर आता है। पिछले साल सरकार ने जब 12 करोड़ लीटर शराब बेची तो 1241 करोड़ रुपया आया था खजाने में। अगर 22 करोड़ लीटर शराब को पिछले साल के हिसाब से रेट से कैलकुलेट करेंगे तो लगभग 2225 करोड़ रुपया सिर्फ वैट पर आता है एक्साइज ड्यूटी की बात मैं नहीं कर रहा हूं। तो इतना बड़ा झटका इतना बड़ा खजाने को चूना इन्होंने लगाया, क्यों इसके पीछे भी एक रहस्य है सर। बहुत सारी बातें सतीश जी, शिखा जी, कपिल भाई सबने कह दिया इसलिए मैं वो छोड़ रहा हूं। सर पुरानी पॉलिसी में एक शराब की बोतल की कीमत 530 रुपये थी। नई पॉलिसी जब लागू की गई तो 30 रुपया रेट बढ़ गया और उसकी कीमत हो गई 560 रुपया। कारोबारी को पुरानी पॉलिसी में मात्र 33.35 रुपया कमीशन मिलता था। नई पॉलिसी में ये जो सारी व्यवस्थाएं जो सीएजी ने दी हैं खामियां नई पॉलिसी में इन खामियों को दिखाकर कारोबारी को

363.25 रुपया लाभ मिलने लगा। कहां पुरानी पॉलिसी में 33.35 रुपया मिलता था नई पॉलिसी में 363.25 रुपया मिलने लगा। सरकार को पुरानी पॉलिसी में 224 रुपया मिलता था एक्साइज ड्यूट और वैट पर मिलता था 106 रुपया सरकार को मिलने लगा 1.89 रुपया एक बोतल पर एक्साइज ड्यूटी और 1.90 रुपया वैट। अब सर देखिये ये बाहर मीडिया के सामने बोलते हैं कि हमने पहले ही पैसा ले लिया। हमने जोन देने से पहले ही पैसा ले लिया इसमें भी एक साजिश रची गई। कई जोन सेल पर लगाए गए कि 100-100 करोड़ जमा कराईये और आप जोन लीजिए, आप रेट तय कीजिए, आप जितना दारू बेचीये जो करना है कीजिए। हुआ क्या एक मेन्फूेक्चरर ही रिटेलर बन गया वही स्टॉकिस्ट बन गया और उसने एक जोन खरीदा और वहां हजारों करोड़ के शराब के बोतल उस दुकान पर रख दिया और बाकियों को कह दिया मेरे को कमीशन दोगे। जो सिर्फ स्टॉकिस्ट था वो खत्म हो गया मार्किट से, जो रिटेलर था वो खत्म हो गया क्योंकि मेन्फूेक्चरर ही रिटेलर बन गया और उससे क्या हुआ नुकसान जिस पर अभी जांच होनी चाहिए। यूपी के लोग, हरियाणा के लोग आने लगे मेरे लक्ष्मी नगर विधानसभा में अध्यक्ष जी लाइन लगती थी, हजारों लोग लाइन में खड़े होते थे और मेरे जानने वाला एक मेरे पास आया कि मैं तो 10 पेटी लेने आया था क्योंकि 10 खरीदूंगा तो 10 पेटी फ्री मिलेगा और पूरा ये व्यापार दो-तीन लोगों में सिमट गया और ये जो मैंने बताया आपको 363 रुपया जो बेनिफिट था पहले तो उसने

शराब बेची अपने पैसे पूरे किये फिर उसने एक पर एक फ्री कर दिया और दूसरे जोन में शराब मिल ही नहीं रही थी तो दूसरे जोन वाले भी आ गये रोहिणी भी आ गये, नजफगढ़ वाले भी आ गये। तो ये कुल मिलाकर पूरी ये सिचुएशन मेस किया गया और इसी में लूट हुई और आज अगर इस पूरी सिचुएशन को कैलकुलेट किया जाए तो मैं मनीष सिसोदिया जी का भाषण याद करना चाहता हूं क्योंकि हम सब यहीं बैठकर सुने थे चिल्ला-चिल्लाकर उन्होंने कहा था कि 'ये नई पॉलिसी इसलिए ला रहे हैं क्योंकि पुरानी पॉलिसी के ये दलाल हैं। भाजपा वाले कमीशन खाते हैं। अरे भाई कमीशन तो तुम्हें खाना था। तुमने इसी हाउस में आरोप लगाया। अभी पाठ पढ़ा रहे थे अमानतुल्लाह खान जी कि शब्दों का प्रयोग ठीक होना चाहिए। यहां तो वो स्थिति बनी अध्यक्ष जी आप खुद गवाह हैं आज कहानी सुनाने वाले कहानी बन गये। आज हालात इतने बिगड़ गये हैं कि विधानसभा premises में आने के लिए हाथ जोड़ रहे हैं। वो तो पुराने वाले अध्यक्ष जी ने ये नियम नहीं पढ़ा होगा नहीं तो हम लोग भी premises के अंदर नहीं आते। सच्चाई तो ये है कि उन्होंने ये नियम ही नहीं पढ़ा।

माननीय अध्यक्षः सदन का अर्थ ही विधानसभा है।

श्री अभय वर्माः देखिये मैं आज इस पूरे सीएजी के डिस्कशन पर इतना ही कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री महोदया, हमारे मंत्री परिषद ये 2002 करोड़ जो पॉलिसी ठीक से नहीं लागू करने के कारण सरकार को झटका लगा है इसकी रिकवरी निश्चित होनी

चाहिए। और अगर ये रिकवरी होगी तो दिल्ली के लोगों को एक संदेश जाएगा की आप भ्रष्टाचार कर लो आप हेरापफेरी कर लो आप बच नहीं सकते हैं। सीएजी की रिपोर्ट को छिपाया गया। आपको याद है कई बार हम लोग मार्शल आउट हुए और कोर्ट भी गए आपके नेतृत्व में.

(समय घंटी)

श्री अभय वर्मा: और कोर्ट ने आर्डर दे दिया था कि सीएजी की रिपोर्ट को पटल पर लाओ फिर भी इस रिपोर्ट को रोका गया लेकिन दिल्ली की जनता ये सब जान चुकी थी और उन्होंने बाहर का रास्ता इनको दिखा दिया। एक नारा यहां से लगा था पिछले हाउस में भ्रष्टाचार का एक ही काल केजरीवाल-केजरीवाल। आज ये नारा जरूर इस नारे का जवाब जाना चाहिए। अब भ्रष्टाचार का एक ही दलाल केजरीवाल-केजरीवाल। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: श्री अजय महावर।

श्री अजय महावर: धन्यवाद अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी को, उनकी मिनिस्टर आफ काउंसिल को बहुत धन्यवाद देता हूं कि जो प्रधानमंत्री जी ने कहा था उनके वायदे के अनुरुप सीएजी रिपोर्ट को पहले ही सदन में पेश की गई है। मैं एक-दो लाइन से बात शुरु करना चाहता हूं:

''एक वायरस दिल्ली का खजाना निगल गया,

एक वायरस दिल्ली का खजाना निगल गया,

नायक समझा था उसे खलनायक निकल गया।''

दिल्ली की जनता को बड़ी तकलीफ है। जब अरविंद केजरीवाल बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे उन्होंने अपनी एक किताब लिखी स्वराज और स्वराज किताब के पेज नंबर-114 में उन्होंने एक मोहल्ला सभा का जिक्र किया, ग्रामसभा का जिक्र किया, सोनिया विहार जो करावल नगर विधानसभा में है उसकी एक बैठक का जिक्र उन्होंने किया है और उसमें युवाओं के द्वारा शराब की दुकान कालोनी से दूर है इसके लिए दारू उपलब्धता की इसमें बात की और अंत में उन्होंने कहा है अपनी किताब में उसकी 4-5 लाइनें पढ़कर सुनाता हूं ''आज के कानून में शराब की दुकान खोलने की अनुमति सरकारी अधिकारियों या स्थानीय नेताओं से लेनी होती है। कोई भी लोगों से ये पूछने की जहमत नहीं उठाता उन्हें ये पसंद है या नहीं। राजनीतिक नेता और सरकारी अधिकारी रिश्वत लेकर दुकान खोलने की अनुमति देते हैं। अगर यह कानून बना दिया जाए कि ग्रामसभा या स्थानीय निवासी संघ की सहमति के बिना कोई भी शराब की दुकान नहीं खोली जा सकती तो शराब की दुकानें खोलना मुश्किल हो जाएगा। ऐसा कानून समाज में शराबखोरी को रोकने में एक बड़ा कदम होगा'' ये किसने लिखा, स्वराज की किताब खुद की किताब में अरविंद केजरीवाल ने और आचरण उससे ठीक विपरीत जो उन्होंने राजनीति से पहले से जितने वादे जितनी बातें की सब ठीक उलट यानी गिरगिट भी इस दुनियां में

शर्मा गया है कि मुझसे भी बड़ा अगर कोई है तो वो अरविंद केजरीवाल है। शराब पॉलिसी इस सरकार ने नहीं बनाई अध्यक्ष जी यह तो शराब माफियाओं ने बनाई। सरकार तो अपना हिसाब-किताब देखने में बिजी थी 5 परसेंट से 12 परसेंट कैसे लाएं इस पर गि)दृष्टि बनी हुई थी और उससे किकबैक मनी वापस कैसे आए सारा संसाधन, सारा मंत्रालय जो कपिल जी भी कह रहे थे कि बार-बार जो मोबाईलें तोड़ी गई डेढ़ सौ से ज्यादा मोबाईलें तोड़ी गई हैं ये सब राज उसमें छिपे हैं। माननीय कोर्ट अरविंद केजरीवाल जी से उनका फोन खोलने की बात करता है अरे ऐसा क्या राज छिपा है तुम उस फोन को डिकोड नहीं करना चाहते। मुख्यमंत्री जी आप ईमानदारी की बात करते हो भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह से फंसे हुए हो आप इसलिए अपने फोन को डिकोड तक नहीं कर रहे क्योंकि उसमें सारी राजदारी बाहर आ जाएगी इसी से उनके ईमानदारी का पर्दा खुल जाता है और बेईमान का पर्दा खुल जाता है। ये इन्होंने इतना ही नहीं किया उस समय जब पॉलिसी बनाई जितेन्द्र महाजन जी कह रहे थे बहुत सारी चीजें महिलाओं को ये निर्भया की बात करते थे घड़ियाली आंसू बहाते थे सबसे ज्यादा अगर इसका नुकसान किसी को हुआ है डोमेस्टिक वायलेंस के रूप में महिलाओं को हुआ है। रोज महिलाएं घरों पर आती थीं, आफिसों में आती थीं, गली मोहल्लों में, नॉन कन्फॉर्मिंग एरियाज, जोन में शराब की दुकान जबरन खोल दी गई स्कूलों के पास मंदिरों के पास और धार्मिक स्थलों के पास खोल दी गई जिसका जिक्र मेरे

अन्य साथियों ने भी किया है। इतना ही नहीं इन्होंने अपना धंधा बढ़ाने के लिए कमीशन खोरी के लिए

(समय की घंटी)

श्री अजय महावरः इन्होंने। अध्यक्ष जी, पहले ही 5 साल बोलने नहीं दिया अब तो आप।

माननीय अध्यक्षः कोई नहीं, अभी समय थोड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

श्री अजय महावरः 5 साल आपने तो देखा है तो थोड़ा सा 2-4 मिनट और दे दीजिए अध्यक्ष जी। ये ड्राई डे, इन्होंने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी। इन्होंने गुरूनानक जयंती नहीं छोड़ी, इन्होंने दीवाली नहीं छोड़ी, इन्होंने उस समय ईद नहीं छोड़ी। उस समय बाबा भीमराव अंबेडकर जी की जयंती नहीं छोड़ी। इन्होंने सभी जितने भी हमारे पवित्र दिन थे उन सब पर भी ड्राई-डे खत्म करके अपने दारू के कमीशन के चक्कर में अपने धंधे के चक्कर में ड्राई-डे समाप्त करने का पाप और गुनाह इस सदन में किया था और इन्होंने प्राफिट नहीं ये अपना कमीशन पर ही फोकस करते रहे आज तक और इससे ज्यादा इनके पास कुछ नहीं था। इन्होंने जो बात एक आई एलजी जी की अनुमति के बिना कोरोना काल में जैसे कोरोना काल में इन्होंने शीशमहल का गुनाह किया, पॉलिसी बनाने का गुनाह किया 144 करोड़ रुपये इन्होंने बिना एलजी की अनुमति के सारे मानदंडों को ताक पर रखकर अपने शराब माफिया

दोस्तों को देने का अपराध किया है और इसमें पॉलिसी में तय हुआ था कोई भी निर्माता होलसेलिंग नहीं करेगा, होलसेलर रिटेलिंग नहीं करेगा लेकिन इन्होंने पिछले दरवाजे से समीर महेन्द्रू के साथ मिलकर जो इंडोस्प्रिट कंपनी के शेयर होल्डर हैं उनसे एल-1 से एल-7 कराकर के 'खाओ गली' कंपनी के माध्यम से जो एक विवादित कंपनी है उसके माध्यम से इन्होंने 50 करोड़ रुपये का ये भी घपला करने का काम किया है। पिक्सी इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी जो एयरपोर्ट जोन की कंपनी थी जिनकी अर्नेस्ट मनी जमा थी 30 करोड़ रुपये लेकिन इंदिरा गांधी एयरपोर्ट जोन की इस कंपनी ने जब अपना एनओसी प्रमाण पत्र जमा नहीं किया तब इन्होंने बैक द डोर वो 30 करोड़ रुपया उनका वापस कर दिया इसके पीछे भी भ्रष्टाचार की बू आ रही है और लेनदेन का मामला सामने आ रहा है क्योंकि 'खाओ गली' और 'मंगूटा' कम्पनी दोनों ही कंपनियां विवादित कंपनियां रही हैं। बाकी तो बहुत सारी बातों पर हमारे साथियों ने बात कही है और जो अभय जी ने भी कही बहुत सारे बातें जो वैट को कम करने की बात कही। एक देखिये इन्होंने ये अपनी जो सीएजी की हिन्दी वाली कापी है उसमें 95 नंबर पेज पर है, निरीक्षण के दौरान मिली संदिग्ध बोतलों की संख्या खुदरा में 8119, एक्सईआर में 3592, एल-1 में 19428 यानी 31139 बोतल इन्हें संदिग्ध विभाग को मिली लेकिन इन्होंने मिलजुल कर जब्त कितनी की मात्र 105 यानी बाकी की 31000 बोतलें कहां गई हैं इसकी भी जांच मैं आपके माध्यम से मांग

करना चाहता हूं। ये सरकार बता नहीं रही है दिल्ली की जनता बार-बार पूछ रही है, दिल्ली की जनता बार-बार पूछ रही है कि:

''तू इधर-उधर की बात न कर
येबता की काफिला क्यों लुटा है,
मुझे रहजनों से गिला नहीं
तेरी रहबरी का सवाल है।''

इस बात का जवाब उन्होंने नहीं दिया और अंत में मैं सिर्फ इतना कहकर के कि ये जो अभी कुछ लोग कह रहे थे कि भारत रत्न की बात कर रहे थे मनीष सिसोदिया जी के लिए, मैं तो कहता हूं मनीष सिसोदिया जी को और अरविंद केजरीवाल जी को इस देश में पहली 'भ्रष्ट रत्न' का उपाधि मिलनी चाहिए, भ्रष्ट रत्न का अवार्ड मिलना चाहिए क्योंकि इन लोगों ने भ्रष्टाचार के अलावा और कुछ किया ही नहीं। एक फिल्म देखी थी मैंने, उसमें गाना सुना था, 'जो बोयेगा वही पायेगा, तेरा किया आगे आयेगा, सुख-दुख है क्या फल कर्मों का, जैसी करनी-वैसी भरनी।' बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्ष: धन्यवाद। ओ.पी.शर्मा जी।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं बहुत देर से आपका इंतजार कर रहा था, मैं आपका धन्यवाद कर दूं। मैं 2013 से आज तक 12 साल में पहली बार पॉइंट ऑफ ऑर्डर किसी

सदस्य ने किया और स्पीकर ने उसको आज्ञा दी, ये 13 साल का मेरा पहला अनुभव है, इसके लिए आपको बधाई। वैसे तो आपने मुझे बोलने का मौका दिया..

माननीय अध्यक्षः इसमें मैं आपको शर्मा जी ये बताना चाहता हूं..

...व्यवधान...

श्री ओम प्रकाश शर्माः नहीं, फिर मैं डिरेल हो जाऊंगा।

माननीय अध्यक्षः अगर पॉइंट ऑफ ऑर्डर होगा किसी सदस्य की तरफ से तो वो मैन्डेट्री स्पीकर को सुनना ही होगा।

श्री ओम प्रकाश शर्माः नहीं, सुनना तो होगा लेकिन सुनते नहीं थे, इसी का मैं उल्लेख कर रहा हूं। अब मैं कहना ये चाहता हूं अध्यक्ष जी हम तो अखाड़े में जब-जब रियाज करते थे, 50-50, 60-60 पहलवान से एक साथ रियाज करते थे और आज यहां चिड़ी का बच्चा नहीं है, ऐसे में बिना बैकग्रांउड के, बिनाहा-हुल्ला के मुझे बोलना ऐसा लग रहा है बगैर नमक-मिर्च के खाना आप मुझे खिला रहे हो जो कि मुझे बिल्कुल बेस्वाद लग रहा है।

आज बहुत दिनों से बहुप्रतीक्षित कैग की रिपोर्ट जिसके लिए पूरी दिल्ली बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रही थी पेश कर दी है, इसके लिए इस नई नवेली सरकार और इसके मंत्रियों का बहुत-बहुत धन्यवाद। आज मैं कहना चाहता हूं,

''अभी तो इब्तिदा–ए–कैग है केजरीवाल रोता है क्या,

आगे–आगे देखिए होता है क्या।''

तो दोस्तों अभी तो शुरूआत है, ये तो पहला चैप्टर है। तो आज हम आबकारी नीति के ऊपर सब लोग बात करने के लिए आज एकत्र हुए। महात्मा गांधी जोकि इस देश के राष्ट्रपिता हैं, उनका कहना है कि शराब शरीर और आत्मा दोनों का नाश करती है, ये उल्लेख बहुत प्रमुखता के साथ किया गया है। लेकिन केजरीवाल जी ने दिल्ली की जनता के शरीर और आत्मा दोनों का जो नाश और सर्वनाश करने का जो कुप्रयास किया है उसकी मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।

दूसरा हमारे संविधान के डायरेक्टिव प्रिंसिपल में ये लिखा गया है कि आबकारी शराब मद को discourage करना है, प्रोत्साहित नहीं करना है। तो केजरीवाल और केजरीवाल के गैंग ने शराब को प्रोत्साहित किया और ये जो प्रोत्साहन उसने किया, ये कहीं न कहीं बाबा साहब अंबेडकर के विचारों पर उसने कुठाराघात किया। और ऐसे भ्रष्टाचारी, एक विकृत, माओवादी मानसिकता वाले भ्रष्टाचारी शराब के दलाल केजरीवाल ने दिल्ली में शराब के व्यापार की जो आपाधापी की और जो कैग रिपोर्ट आई, ये कैग रिपोर्ट टेक्निकली तो सही हो सकती है लेकिन ये पूर्णतया ठीक नहीं है, उसका एक कारण है कि ये जो सरकारी तंत्र और बाबू हैं ना इनकी एक लिमिटेशन होती है, ये जो 5 से 12 हुआ और उसमें 6 परसेंट

का जो बैक हुआ, किकबैक, उस किकबैक के अमाउंट को यदि हम जोड़ेंगे तो ये 2 हजार में एक बिंदी और लग जाएगी, तो इसीलिए ये घोटाला जो कैग की रिपोर्ट 2 हजार इंगित कर रही है, ये 2 हजार नहीं, ये 20 हजार करोड़ का है। केजरीवाल जी ने उप-राज्यपाल, केबिनेट की मंजूरी लिए बगैर इस लिकर पॉलिसी को लागू किया ये सभी सदस्यों ने यहां बताया। कोविड में जब लोग ऑक्सीजन, दवाई के लिए त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहे थे, ये पता नहीं था किस घर से कौन कब विदा हो जाएगा, उस वक्त ये नृशंस शासक इस पॉलिसी को न केवल बना रहा था बल्कि पॉलिसी से पहले उसके मसौदे को बेच रहा था। जैसा कि मुझसे पहले बताया, ओबराय होटल में, उसमें भ्रष्टाचार तो जिस दिन मसौदा बना और उस मसौदे के अंदर जो उलट-पलट, फेरबदल, जो लाइनें चेंज हुई, उसके भी पैसे वसूल किए गए। दुकानें खुली, एक-एक आदमी ने 54 दुकान खोल ली, शराब माफिया है। इस रुपये के अंदर जो 2 हजार करोड़, एक चीज और नहीं है, हमारे यहां मेरी विधान सभा में बहुत संपन्न लोग रहते हैं, हजार-हजार करोड़ रुपये के जो मालिक हैं उनकी अगर मैं लिस्ट बनाना चाहूं तो मैं लिस्ट बना नहीं सकता। तो जब ये लिकर पॉलिसी केजरीवाल जी ने डर के मारे वो कर दी तो एक सज्जन मेरे पास आए और उन्होंने जो मुझे अपनी आपबीती बताई, वो मैं सदन को बताना चाहता हूं। इस सरकार का एक दलाल उसके पास पहुंचा और शराब की दुकान के लिए उसको एप्रोच किया। उस व्यक्ति ने

अपना और अपने साले का मकान बेच दिया और मकान बेचकर कच्चे में जो पैसे आए वो शराब की दुकानें लेने के लिए इनको रुपये दे दिए, उसको दुकान मिल गई। अब उस दुकान पर उसकी जो पैसों की रिटर्न थी उसमें आने में कुछ समय लगता, उससे पहले हा–हुल्ला मच गया, दुकान ज्यादा दिन चली नहीं, दुकान बंद हो गई, कच्चे पैसे उसके डूब गए, अब वो सर पीटकर बैठा है, पक्के में तो पैसे दिए नहीं। तो ये कच्चे में जो ट्रांजेक्शन हुई है ये 2 हजार करोड़ रुपये जो है ये तो फेस सेविंग है, 2 हजार–वजार करोड़ रुपया नहीं है, ये तो हजारों–हजार करोड़ रुपया है जिसकी बेईमानी हुई है।

दूसरा इन्होंने एक गुनाह और किया है। ये जो शराब की दुकानें हैं,ये फिल्मों के अंदर जो मद्रासी फिल्में हैं उसके अंदर भट्टियां चलती हैं, उन भट्टियों की उनकी फिल्में देख–देखकर केजरीवाल ने एक बड़ा कदम उठाया, उसने कहा भट्टी चलाने की बजाय, अवैध शराब बेचने की बजाय, बड़े–बड़े शराब के निर्माताओं को खरीदकर, नकली शराब, बिना एक्साइज की शराब और खूब टेस्ट करकरके ऐसी शराब उसने लोगों को देनी चालू कर दी और उसके अंदर किसी कायदे, कानून, नियम का उसने पालन किया नहीं, मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे को छोड़ा नहीं। चलो मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारे भी देखे जाए, इकोनॉमिक विकर सेक्शन जहां जे.जे.कलस्टर हैं, आबकारी पॉलिसी कहती है कि आप वहां दुकान खोल नहीं सकते क्योंकि वहां इकोनॉमिक वीकर सेक्शन को हमने इस शराब से

दूर रखना है, ये सरकार की एक घोषित नीति है। लेकिन उन्होंने जे.जे.कलस्टर के बाहर भी न केवल शराब की दुकानें खोली, उनको प्रोत्साहित किया, एक के ऊपर एक बोतल दी, और जब एक के ऊपर एक बोतल दी, जो आदमी तीन पैक पीता था उसने 6 और 6 से 9 पैक पीने चालू कर दिए। अब हुआ क्या, दिल्ली में लाखों लोगों के किडनी और फेफड़े खत्म हो गए। आज यदि मैं बात करूं, दिल्ली में जितने डायलिसिस सेंटर है, दिल्ली और दिल्ली एनसीआर में, क्योंकि एनसीआर वाले भी यहीं दारू पीने आ जाते थे, जितने डायलिसिस सेंटर हैं और जितने लोगों ने डायलिसिस करानी है, उनके लोगों का नंबर नहीं आता, तो लाखों लोगों की किडनी और फेंफड़े जलाकर खराब करने वाले केजरीवाल ने ये जो कार्य किया है इसके लिए एनसीआर, दिल्ली की जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।..

(समय की घंटी)

श्री ओम प्रकाश शर्मा: और मैं आपके माध्यम से ये कहना चाहता हूं कि ये जो सदन के अंदर जो बार-बार चिल्लाते थे, हम दिल्ली के मालिक, हम दिल्ली के मालिक, हम दिल्ली के मालिक हैं तो ये पागलपन का इनका बुखार उतर गया, अब तो ये माली भी नहीं है। दिल्ली और नई दिल्ली की जनता ने इनको उठाकर कूड़े के ढ़ेर पर डाल दिया है और कूड़े के ढ़ेर पर ये इस तरीके से पड़े हुए है जैसे चार-चार, पांच-पांच बोतल पी के कोई आदमी मस्त-मस्त पड़ा होता है,..

(समय की घंटी)

श्री ओम प्रकाश शर्मा: तो इस तरीके से आज ये कूड़े के ढ़ेर पर पड़े हुए हैं। दिल्ली की आबकारी की नीति केजरीवाल, केजरीवाल के गैंग को मुबारक। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्ष: सूर्य प्रकाश खत्री।

श्री सूर्य प्रकाश खत्री: धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं सबसे पहले तो अपनी मुख्यमंत्री और उनके मंत्रीमंडल को भी धन्यवाद करूंगा कि जिस सीएजी रिपोर्ट की दिल्ली की जनता काफी दिन से इंतजार कर रही थी, वो आज सदन के पटल पर है, उसके लिए हमारे मुख्यमंत्री जी और मंत्रीमंडल बधाई का पात्र है, तो मैं तहेदिल से उनका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष जी, वैसे तो इस सीएजी की रिपोर्ट के ऊपर बड़े विस्तार से सुबह से चर्चा चल रही है और हमारे सतीश उपाध्याय जी ने, शिखा जी ने, कपिल जी ने और सभी सदस्यगण ने विस्तार से एक-एक पॉइंट पर चर्चा करी है। सदन का समय बचाने के लिए शायद हो सकता है कि मैं उन चीजों को रिपीट न करना चाहूं पर क्योंकि आधार जो है वो करप्शन का है, आधार जो है वो दिल्ली का है, तो मैं कुछ बातें सदन के संज्ञान में और अध्यक्ष महोदय आपके समक्ष लाना चाहूंगा कि ये मानसिकता कहां से और कैसे शुरू हुई। क्योंकि हम लोग बुक्स में सीएजी की रिपोर्ट तो पढ़ रहे हैं लेकिन इसकी मानसिकता कहां से शुरू हुई, इसने किया कैसे और इसने इस पूरे क्राइम को

कैसे अंजाम दिया, ये दिल्ली के सामने बहुत बड़ा प्रश्न है क्योंकि ये व्यक्ति सेंटर गवर्मेंट को, हमारी गवर्मेंट को हमेशा ये ही कहता रहा कि सीबीआई और ईडी इनके अधीन हैं और ये लोग मेरे ऊपर गलत केस बना रह हैं। अध्यक्ष जी, यह व्यक्ति एक बहुत ही स्मार्ट किस्म का जो है, जिसको कि मैं माफिया कहूंगा, ये बहुत स्मार्ट माफिया है। यह व्यक्ति की अगर बैकग्रांउड देखे तो ये व्यक्ति जो है, जो केजरीवाल के नाम से इस पूरे देश में जाना जाता है और उसका दूसरा पर्यायवाची आज भ्रष्टाचारी के नाम से भी जाना जाता है, इस व्यक्ति की बैकग्राउंड ये है कि ये एक ऐसे डिपार्टमेंट से था जहां पर चोरियां पकड़ना और खामियां पकड़ना इसका काम था, ये इन्कम टैक्स डिपार्टमेंट से आया था। और ये दिल्ली की जनता के अंदर एक नायक बनकर उभरा कि मैं भ्रष्टाचार को समझता हूं और भ्रष्टाचार कैसे होता है और इसने शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ एक बहुत बड़ी मुहिम चलाई और दिल्ली की जनता ने इसके ऊपर एक विश्वास जताते हुए और दिल्ली की जनता ने दिल्ली का शासन इस व्यक्ति को सौंप दिया।

अध्यक्ष जी, सबसे पहले इस व्यक्ति ने जो सबसे बड़ा नाटक किया, इसने अपने आपको एक आम आदमी बनाया और उस आम आदमी बनाने के लिए इसने अपनी सबसे पहले पोशाक चेंज करी। एक सौ रुपये का कमीज, डेढ़ सौ रुपये की पेंट, 25 रुपये की चप्पल और 2 रुपये का पेन लगाकर सबसे पहले ये आम आदमी बना। उसके बाद इस व्यक्ति का जो ध्येय था वो सिर्फ दिल्ली

तक विकसित नहीं था कि इसने दिल्ली के अंदर भी क्राइम करना था और दिल्ली का ही पैसा लूटना था। यह व्यक्ति पूरे देश को अस्थिर करने का इसके पास एक कोंट्रेक्ट था। मैं समझता हूं कि यह व्यक्ति बिल्कुल माओवादी है, इस व्यक्ति की जो जड़ें हैं वो विदेशों से भी जुड़ी हुई हैं और ये पूरा ट्रेड एक तरह का माफिया, मैं कहूंगा कि पूरे माफिया की तरह इसे इसने ये इस पूरी घटना को अंजाम दिया।

मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि इस व्यक्ति ने इस काम को करने के लिए सबसे पहले इसने शिक्षा का एक स्वरूप पकड़ा, फिर इसने एक हेल्थ का स्वरूप पकड़ा, उसके बाद क्योंकि सबसे पहले जब चुनाव लड़ा तो इसको दिल्ली की जनता ने भी पैसा दिया, देश के लोगों ने भी पैसा दिया और इसको विदेश से भी पैसा मिला। लेकिन इस व्यक्ति की जो सोच थी और जो इस व्यक्ति का जो मकसद था वो सिर्फ दिल्ली तक नहीं था, इस व्यक्ति ने अगला चुनाव की भी तैयारी करनी थी, अगले चुनाव के अंदर जब इसको इतना पैसा नहीं मिला तो ये व्यक्ति जानता था कि पूरे संसार में टोबैको और एक्साइज ये दो ऐसी चीजें हैं जिनमें बहुत ज्यादा पैसा मैक्सिमम कमा सकते हैं, ये बहुत बड़े एक स्कैंडल्स हैं। इसलिए इसने अपना एक आदमी और जो इसकी पार्टी में सिद्धांतवादी आदमी थे, सबसे पहले इसने उन आदमियों को दूर किया, जो दिल्ली के अंदर एक सिद्धांत के तहत दिल्ली के अंदर आए थे, उनको दूर करने के बाद इस व्यक्ति ने अपना एक ग्रुप

बनाया, जिसके अंदर इसने मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन और इनका जो हैंचमैन था, फ्रंट मैन जो था उसका नाम था राजीव नायर। अध्यक्ष जी, ये राजीव नायर जो था, अब ये who is Rajiv Nayar? राजीव नायर जो है ये आम आदमी का हैड ऑफ दा कम्युनिकेशन एंड सोशल मीडिया,.. विजय नायर, विजय नायर जो है ये हैड ऑफ दा कम्युनिकेशन एंड सोशल मीडिया सेल का हैड था ये आम आदमी पार्टी का, जोकि, मेरे पास जो इस समय पेपर्स हैं ये दिल्ली हाई कोर्ट के अंदर फाइल डॉक्यूमेंट्स हैं, जिनके बिहाफ पर मैं बात कर रहा हूं। इस व्यक्ति को जिम्मा मिला कि ये एक्साइज के अंदर हम लोग पैसा कैसे कमा सकते हैं।

विजय नायर ने एक साउथ ग्रुप, जिसका नाम साउथ ग्रुप है, उसके अंदर बहुत सारे नाम हैं, जो साउथ इंडिया के रहने वाले लोग थे, जो डिस्टिलरी से, जिनकी डिस्टिलरियां थी, जो इसमें पैसा लगाने के लिए तैयार हुए, उन लोगों के साथ इसने मिलकर, विजय नायर को आगे भेजकर उनके साथ एक डील करी और उस डील में ये कहा कि हम एक पॉलिसी इस तरह की बनाएंगे जिसमें कि पैसा हमें चाहिए होगा दो नंबर में। अध्यक्ष जी, उन्होंने ये कंडीशन रख दी कि अगर आपको हमारी मदद चाहिए और आपको हमसे पैसा चाहिए दो नंबर में, तो पॉलिसी आप नहीं पॉलिसी हम बनाएंगे और उसका एविडेंस ये है कि उस पॉलिसी को बनाने के लिए, ये कहां पकड़े गए, क्योंकि जिस कांफिडेंस के साथ, बींग ए लॉयर मैं इसको वाच करता था, जिस कांफिडेंस के साथ ये कहता था कि

आपके पास कोई एविडेंस ही नहीं है, कोई बरामदगी नहीं है, सीबीआई इंवस्टिगेशन कर रही है, ईडी इंवस्टिगेशन कर रही है लेकिन जब इसकी इंवस्टिगेशन में जब इसके यहां रेड भी होती थी तो इसके, इतने बेशर्म इसके मंत्री हैं, उनको यहां तक पता था, जैसे बताया गया कि 130-130 इन्होंने मोबाइल तोड़ दिए, सिम कार्ड बदल दिए।

मैं एक बात पूछना चाहता हूं कि ऐसा कौन सा मुख्यमंत्री होगा जो पहली बारी मुख्यमंत्री बने और वो अपने पास न तो कोई महकमा रखे और न ही कोई साइनिंग अथॉरिटी रखे। आज हमारी भी मुख्यमंत्री हैं, उससे पहली शीला दीक्षित भी मुख्यमंत्री थी, उससे पहले मदन लाल खुराना जी भी मुख्यमंत्री थे, लेकिन सभी मुख्यमंत्रियों के पास, हिंदुस्तान के अंदर कोई मुख्यमंत्री ऐसा नहीं था जिसके पास ये महकमे अपने पर्सनल न हो और जो मुख्यमंत्री ये कहे कि मैं न कोई फाइल साइन करूंगा और न ही मैं कोई महकमा अपने पास रखूंगा। इसका मतलब ये है कि पहले दिन जब ये दिल्ली का मुख्यमंत्री बना तो इसके क्रिमिनल माइंड ने उसी समय काम करना शुरू कर दिया कि मैं अगर साइन करूंगा, मैं अगर कोई डिपार्टमेंट अपने पास रखूंगा तो मैं जांच के घेरे में आ सकता हूं। इसके लिए इसने हैंचमैन अपने सामने रख दिए, जिसका शिकार इसकी पार्टी के काफी एम.एल.ए. और काफी मंत्री हुए जो जेल में गए, वो भी इसी की वजह से गए औरवो इसके साथ शामिल थे इसलिए गए। केजरीवाल जी ने, अब हमें तो अदब सिखाया है हमारी पार्टी ने,

जो भाषा ये हमारे प्रधानमंत्री के बारे में बोलते हैं या जो भाषा ये हमारे एल.जी. साहब के बारे में इस्तेमाल करते हैं, हम उस विचारधारा के या उस परिवार से, उस संस्कारों के लोग नहीं हैं, चाहे भले ही वो क्रिमिनल माइंड का आदमी है, लेकिन जी तो हम लगाएंगे ही और महात्मा जी भी कहे तो आप समझ लेना महात्मा जी का मतलब क्या है।

सो इस डील को लेकर इस व्यक्ति ने जो साउथ ग्रुप था उसमें, क्योंकि मैं नाम पढूंगा बहुत लंबा हो जाएगा, उसका नाम ही साउथ ग्रुप है। उस साउथ ग्रुप के साथ ये तय हुआ कि पॉलिसी वो बनाएंगे। जिस समय दिल्ली के अंदर लोग मर रहे थे, कोरोना के टाइम के अंदर वो साउथ ग्रुप प्राइवेट जेट से दिल्ली में आता है और दिल्ली में आकर ओबेराय होटल के अंदर ठहराता है, ओबरॉय मैडिन्स नहीं, ओबरॉय कॉन्टिनेन्टल में ठहराता है। और वहां से ठहरकर वो कोई मोबाइल इस्तेमाल नहीं करते, वो होटल का टेलीफोन इस्तेमाल करते हैं, वहीं से टैक्सी लेते हैं, उसी से वहां से पेपर निकालते हैं और जब एक दिन रात को, जिस समय ये पॉलिसी आई, उन लोगों ने पॉलिसी बनाकर 30 पेज की मनीष सिसोदिया को दी। मनीष सिसोदिया जी ने उसी समय अपना जो सेक्रेटरी था उसको बुलाया, सेक्रेटरी को बुलाकर कहा ये ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का ये एक हमारा फैसला है, इसको इम्प्लीमेंट कर दो और उसको वो 30 पेज पकड़ा दिए। जब वो 30 पेज उसको दिए और जब उसने वो पेज पढ़े तो अफसरों ने उसका विरोध किया

और विरोध करने की वजह से उन अफसरों को ट्रांसफर करा दिया, अपने मन-मुताबिक ऑफसर लेकर आए और दुबारा से वो रिपोर्ट जो थी, जो पॉलिसी थी वो इम्प्लीमेंट करा दी। अब वो सारा रिकॉर्ड. .

(समय की घंटी)

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः अध्यक्ष जी, वो सारा रिकॉर्ड ईडी के पास और सीबीआई के पास उस होटल से मिल गया। जो पॉलिसी पहले सरकार के पास होनी चाहिए थी वो उन लोगों के फोनों के अंदर रिकवर हो गई। पॉलिसी पहले बनी है, सरकार के अंदर इम्पलीमेंट बाद में हुई है। पॉलिसी उन्होंने बनाई है और उसके बदले में जो पैसा दिया गया वो पैसा हवाले के थ्रू, आंगड़ियों के थ्रू, वो पैसा जो है गोवा इलेक्शन के अंदर इस्तेमाल हुआ। वो बार-बार कहते, क्योंकि पैसा सीधा गया इलेक्शन में गोवा के अंदर और गोवा में उस पैसे से चुनाव लड़ा गया। तो ये बार-बार ये कहता था पैसे की रिकवरी नहीं है, पैसे की रिकवरी नहीं है, तो वो आंगड़ियां सब लोग आज के टाइम में अप्रूवर बने हुए हैं, वो अरेस्ट हुए हैं और उन्होंने सारा रिकॉर्ड निकालकर दिया है कि 45 करोड़ रुपये हमने इस 100 करोड़ रुपये में से गोवा के अंदर ट्रांसफर किया। हैदराबाद से ये सारा पैसा ट्रांसफर हुआ है। ये सारे रिकॉर्डस, ये ऑन रिकॉर्ड बातें हैं। इस व्यक्ति के कांफीडेंस लेवल से, जिस तरीके से ये कहता है कि मैंने कोई करप्शन नहीं किया, ये सब

लोग करप्शन में इंवॉल्व थे। और इन लोगों ने थोड़ा नहीं, इनकी जो स्कीम थी कई हजार करोड़ की थी जोकि ये टाइम से पकड़े गए, जिसकी वजह से ये आज इनको दिल्ली की जनता ने बाहर निकाल दिया।

अध्यक्ष जी, मैं सिर्फ ये ही बात आपसे कहना चाहूंगा, इनकी सबसे शर्म की बात ये है कि जिस समय ये जेल गया, ये दिल्ली दिल्ली को नहीं लूट रहा, ये पंजाब को भी लूट रहा है। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि जो इसकी जमानत के अंदर जितना वकीलों को फीस दी गई है, 52 करोड़ रुपये की पेमेंट चेक से पंजाब सरकार ने इसके वकीलों को की है, इससे बड़ी शर्म की बात नहीं हो सकती। तो ये, और यह भी एक विषय है, इसकी भी जांच होनी चाहिए कि पंजाब के लोगों का पैसा, दिल्ली के पैसे से ये बाहर की स्टेटों में चुनाव लड़ता है, रिश्वत के पैसों से ये चुनाव लड़ता है और पंजाब के पैसों से फिर बाद में, जब सारे रास्ते बंद हो जाते हैं तो पंजाब सरकार से वकीलों को फीस देकर, 52 करोड़ रुपये का चेक, पेमेंट पंजाब सरकार से हुई है और इसकी भी जाचं होनी चाहिए। और मैं चाहता हूं सीएजी की जो रिपोर्ट है इसके ऊपर पूरा सदन के अंदर ये जो रिपोर्ट रखी गई है इसके ऊपर इंक्वायरी बैठे, रिपोर्ट आए और ये व्यक्ति जेल से आया है और ये जेल ही दुबारा जाएगा और इस सदन के अंदर मैं इस रिपोर्ट को पढ़ने के बाद उनकी कड़ी निंदा करता हूं और दिल्ली की जनता को जो इसने धोखा

दिया है उसका खामियाजा इसको भुगतना पड़ेगा। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः हरीश खुराना जी।

श्री हरीश खुरानाः धन्यवाद अध्यक्ष जी। सबसे पहले तो मैं बधाई देता हूं माननीय मुख्यमंत्री- रेखा गुप्ता जी को और उनकी सरकार को, जिन्होंने अपना कॉन्स्टीट्यूशनल कम्पल्शन निभाते हुए आज ये सीएजी की रिपोर्ट न सिर्फ सदन में रखी बल्कि इसको चर्चा के लिए यहां हम सब लोगों को मौका दिया। अपने आपको बाबा साहब के अनुज बताने वाले कि मेरे लिए तो बाबा साहब मेरे लिए भगवान है, आज वो इसी संविधान को भूल गए कि सीएजी की रिपोर्ट को टेबल करनाऑन दी फ्लोर ऑफ दी हाउस उनके लिए कॉन्स्टीट्यूशनल कम्पल्शन है। लेकिन केजरीवाल साहब तो केजरीवाल साहब है, ''न खाता न बही, जो केजरीवाल कहे, वो ही सही।'' उनके लिए कानून तो काम नहीं करता, उनके लिए कानून तो माईने नहीं रखता। इसलिए मैं रेखा जी की सरकार को, माननीय मुख्यमंत्री जी की सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उन्होंने संविधान का पालन करते हुए टेबल पर रखा। ये लोग बार-बार पूछते थे, सामने वाले आज सदन में नहीं है लेकिन विभिन्न चैनलों के सामने और कई बार डिबेट्स में भी पूछते थे कि एक रुपये का घोटाला नहीं हुआ, कहां गया पैसा, एक पैसा नहीं मिला। लेकिन आज इस सीएजी की रिपोर्ट में साफ लिखा है कि 2 हजार करोड़ से ऊपर का रेवेन्यू लॉस हुआ है, ये सीएजी की

रिपोर्ट चीख–चीख कर बोल रही है। अब इनको समझ में आए या न आए वो इनको मालूम है। मैं इसलिए मानता हूं कि ये सिर्फ एक फाइनेंशियल घोटाला नहीं है अध्यक्ष जी, ये एक मानवता को तार–तार करने वाली बात भी है। जब हम सब लोग कोरोना के अंदर अपनी सांसों को बचाने की जुगत कर रहे थे अपने परिजनों में हममे से बहुत लोगों ने अपने दोस्तों एवं परिजनों को खोया होगा, ये व्यक्ति अपनी जेब में कितना पैसा आए, अपने मित्रों को कितना पैसा जाए इसकी चिंता कर रहा था। लोगों को एक के साथ एक दारू की बोतल मिले इसकी चिंता कर रहा था, हमारी नजर में ये मानवता को तार–तार करने वाला एक्ट है, ये मेरा मानना है। मैं टैक्नीकल प्वाईट्स पर क्योंकि ओलरेडी सबने बोल दिया ज्यादा जाऊंगा नहीं। एक–एक रिपोर्ट में जैसे मैसिव रेवेन्यू लॉस की बात हो, लाइसेंस वायलेशन की बात हो, चाहे इन्होंने एक्सपर्टस कमेटीज की रिक्मन्डेशन की बात हो, प्राइवाइटेजेशन बैनिफिटस प्लेयर्स की बात हो, रेवेन्यू मॉडल चेंज करने की बात हो, लीकर काडर को अलाउ करने की बात हो, अपने कैबिनेट डिसिजन को ही वॉएलेट करने की बात हो और अपने मित्रों को लाइसेंस देने की बात हो, ये ऑलरेडी सब बातें आ चुकी उसमें आऊंगा नहीं, लेकिन एक विशेष जो लीगल प्वाईट ऑ व्यू से जो बात मैं रखना चाहूंगा इस सदन के सामने। ये बयान है जब एक्साइज मामले के अंदर, इस मामले के अंदर चार्जशीट दाखिल हुई तो सी अरविंद, अध्यक्ष जी मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि सी अरविंद जो सेक्रेटरी थे

उस वक्त के मंत्री मनीष सिसोदिया के, वो कहते हैं अपने बयान के अंदर ये बहुत गौर करने लायक है कि "there was no discussion in the GOM meetings about giving wholesale to private entities suddenly to the residents of Arvind Kejriwal at the residents of Sh. Arvind Kejriwal, the Hon'ble CM, Satyendar Jain was also present, where draft of GM proposing that the wholesale should go to the private entity ask him to prepare the draft GOM on the basis of said documents. He further stated that it was a first time that he saw the proposal as the same was never discussed in any of the GOM meeting." अध्यक्ष जी जो दिल्ली के मालिक अपने आपको कहते हैं वो पढ़े-लिखे तो हैं, पढ़ते हैं लिखते नहीं है। अब लिखना इसलिए नहीं है क्योंकि फंसेंगे तो उनके अपने मंत्री फंसेंगे अपनी जान छुड़ाएंगे, तो इसलिए लिखना नहीं है, पढ़ के आगे कर देना ये इनकी पूरी स्ट्रैटीजी होती थी। ये वो व्यक्ति हैं जो अपने लोगों को ठगते हैं। मनीष सिसोदिया जेल जाते हैं, बाद में हालांकि खुद जाना पड़ता है लेकिन हालत देखिये अध्यक्ष जी एक ही मामले के अंदर, एक ही केस के अंदर मनीष सिसोदिया तो इस्तीफा दे देते हैं लेकिन अपने आपको दिल्ली का मालिक कहने वाला उस वक्त का मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देता, ये अपने लोगों को ठगना भी हुआ और इस प्रकार से ये लोग कहते थे हम तो शुचिता की राजनीति करते हैं उसको भी ये तार-तार करने वाली बात थी अध्यक्ष जी। इसके अलावा बहुत सारी बातें आ गई। ये लोग बार-बार एक ही

बात करते हैं अध्यक्ष जी, इस जांच में कुछ निकला नहीं, ये पोलिसी बहुत अच्छी थी। आज इनसे एक सवाल पूछा जाना चाहिए अध्यक्ष जी अगर पोलिसी इतनी बढ़िया थी तो वापस क्यों ली और अब जब सीएजी की रिपोर्ट आ गई तो इसको डिफैंड कर रहे हैं, तो एक चीज तो कर लीजिए, या तो रिपोर्ट अच्छी थी अब डिफेंड कर रहे हो या तो खराब थी तो उस वक्त वापस क्यों लिया था? इसलिए मेरा मानना है अध्यक्ष जी इनका जो चेहरा है, मुखौटा है वो तार-तार हो चुका है इसलिए इस पोलिसी को इन्होंने जब विदड्रॉ किया तो बहुत चीजें सामने आई हैं। बस मैं आखिरी में एक बात करूंगा अध्यक्ष जी, मैनिफेस्टो के अंदर इनका साफ-साफ लिखा हुआ था कि 75 परसेंट महिलाएं जब तक ना कहें एक भी ठेका नहीं खुलेगा, उसको भी तोड़ा तो इसलिए मेरा मानना ये है राजनीतिक फ्रंट हो, सुचिता का फ्रंट हो, लीगल फ्रंट हो इन तीनों में इन्होंने भ्रष्टाचार किया, इन तीनों में इन्होंने लोगों से झूठ बोला इसलिए मुझे मानना ये है कि बहुत जल्दी जो कहते हैं ना 'राइटिंग ऑन दी वॉल', किंगपिन जो इस पूरे के पूरे घोटाले के हैं एक बार फिर जेल जाएंगे, आपने मुझे सुना बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः करनैल सिंह।

श्री करनैल सिंहः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः समय का ध्यान रखना पड़ेगा क्योंकि चर्चा बहुत लम्बी हो गई है और बाकी जो सदस्य हैं उनको समय का ध्यान रखना होगा।

श्री करनैल सिंहः धन्यवाद करता हूं आपका कि मुझे आपने बोलने का मौका दिया। सभी हमारे विधायकों ने टैक्नीकल चीजों पर बात की लेकिन मैं एक विषय की तरफ विशेष ध्यान दिलवाना चाहता हूं वो ये है कि जितनी भी इनकी बोतलें बिकी उसके अंदर से 10 जगह पर निरीक्षण किया गया और उस जगह निरीक्षण के अंदर 8119 बोतलों को चिन्हित किया गया जिनमें से 1632 बोतलें ऐसी थी जो पहले ही बिक चुकी थी। जो बोतलें पहले ही बिक चुकी थी तो वो कितनी बार बिना बारकोड के कितने ऐसे बार कोड एक-एक बोतल पर सेम बारकोड हजारों-हजार बोतलों पर सेम बारकोड लगाए गए। मुझे लगता है कि ये 2 हजार करोड़ का घोटाला नहीं दो लाख करोड़ रुपए का घोटाला है इतनी बोतलें बिकी हैं। इसके साथ-साथ मैं पेज नम्बर 95 पर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि उसके अंदर बहुत सारे रैस्टोरेंटों से ऐसी बोतलें प्राप्त हुई जो एक्सपायर थी और वो खाने-पीने का सामान जब एक्सपायर हो जाता है तो वो जहर में परिवर्तन हो जाता है, उससे कितने लोग बीमार हुए होंगे, जैसे माननीय शर्मा जी ने कहा कि कितने लोगों के लीवर खराब हुए होंगे, कितने लोग बीमार हुए होंगे। मुझे लगता है इसके साथ-साथ आर्थिक नुकसान तो प्रदेश को हुआ ही लेकिन एक सामाजिक नुकसान जितना हुआ है उसकी भरपाई नहीं हो सकती। कितनी माताओं के बच्चे गुजर गए, कितनी बहनों के पति गुजर गए क्योंकि जब एक बोतल के साथ एक बोतल फ्री थी तो लोगों ने कितनी दारूएं पी होंगी आप सोच नहीं सकते

क्योंकि मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता हूं, मेरे पास रोज बहनें आती थी, बेटा मेरा बेटा मर गया, भाई मेरा पति मर गया क्योंकि दारू बहुत-बहुत पीके। उसकी भरपाई करना बहुत ही मुश्किल है मैं अनुरोध करूंगा माननीय अध्यक्ष जी की ऐसे आदमी के ऊपर और जो-जो मिनिस्टर उसमें सम्मिलित थे और जो-जो अधिकारी सम्मिलित थे उनके अंदर एफआईआर लोज करके और उन्होंने समाज की हत्या की है और मुझे लगता है उनके ऊपर भी उम्र कैद होनी चाहिए ऐसा मैं सारे विधायकों से अनुरोध करता हूं कि उनके ऊपर केस किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने सिर्फ आर्थिक ही नुकसान नहीं किया इस समाज के अंदर हत्याएं भी की हैं और जो हत्या करता है चाहे वो चाकू से की गई हो और चाहे जहर देकर के की गई हो, आपसे अनुरोध करता हूं कि उसकी भरपाई होनी चाहिए। उसके साथ-साथ उसके गुर्गे जो लोग, जो उनके पाले हुए लोग थे जब उनको पता लगा कि ये भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इसको चलने नहीं देंगे तो उन्होंने विशेष रूप से माफिया बनाया जो आज तक चल रहा है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को अनुरोध करूंगा की आज हर झूग्गी-झोपड़ी के अंदर शराब बिक रही है, इल्लीगल है चाहे लीगल है, लीगल का तो मतलब ही नहीं उसपर भी विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि उससे गरीब जो लोग हैं जो दिन में रिक्शा चलाते हैं या दिहाड़ी करते हैं उस सारे पैसे की दारू पी लेते हैं और उससे अपने परिवार का नुकसान हो जाता है जिससे समाज में बहुत बड़ा नुकसान होता है, इन्हीं बातों के साथ क्योंकि सभी

टैक्नीकल बातें हो चुकी हैं। इसके साथ-साथ एक चीज और जोड़ना चाहता हूं छोटी सी चीज है। बड़े जोर-जोर से ढिंढ़ारो पीट-पीट करके ये कहा गया कि ये पुल जितने बने हैं, हजारों करोड़ों के जो पुल हैं मैंने घटाकर के मैंने उसको आधे में कर दिया, तिहाई में कर दिया। माननीय महोदय इसके अंदर बहुत बड़ा घोटाला हुआ है, वो ये घोटाला हुआ है कि जितने ओरिजनल हमारे कॉन्ट्रैक्ट बनाए गए थे उनके अंदर से सारे के सारे जो पुल थे मैं उसका एक छोटा सा उदाहरण आपको देता हूं पीरा गढ़ी चौक के अंदर 6 एक्सैस बनाए जाने थे।

माननीय अध्यक्षः इसको विषय को अलग से ले लीजिएगा आगे कोई मौका मिलेगा आपको।

श्री करनैल सिंहः मैं बस इस चीज को ध्यान में देते हुए अगली बात मैं अपनी रखूंगा आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अब नीलम पहलवान। हॉं जी नीलम जी।

श्रीमती नीलम पहलवानः माननीय अध्यक्ष जी, मैं नीलम पहलवान नजफगढ़ विधायक रूप में आपको दिल्ली में हुए शराब घोटालों के बारे में ध्यान आकर्षित कराना चाहती हूं जिसमें केजरीवाल जी की आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली की युवा पीढ़ी व मातृशक्ति को हर तरह से अत्यंत पीड़ा देने की कोशिश की। आज भारतीय जनता पार्टी के सभी शीर्ष नेतृत्व, कार्यकर्ताओं के लगातार संघर्ष व

जनता का सहयोग लेकर हम केजरीवाल सरकार की खामियों को उजागर कर पाए हैं। जिसपर सीएजी की रिपोर्ट प्रमाणित करती है कि केजरीवाल सरकार द्वारा बनाई गई शराब पोलिसी में दिल्ली में करदाता का पैसा किस तरह व्यक्ति विशेष की जेब में भरने की जो उनकी मेंटेलिटी रही उसको उजागर करता है। रही फीगर की बात तो फीगर तो मेरे से पहले सभी साथियों ने बड़े अच्छे तरीके से बताए हैं और शायद कोई ऐसा प्वाईंट छोड़ा होगा जो उनकी कुंडली नहीं खोल दी हो। लेकिन जब पूरी दुनिया पर कोरोनाकाल का प्रकोप आया और सारी दुनिया त्राहि-त्राहि कर रही थी और होस्पिटल में बैड, ऑक्सीजन, दवाई सबकी खोज में थी तो उस टाइम पर जो केजरीवाल का शैतान दिमाग है वो दो पोलिसियों में लगा हुआ था। एक तो शराब नीति और एक अपने शीशमहल की मेंटेनेंस, सज्जा-सजावट कैसे हो। उस टाइम पर हमारे जो पूरे भारतवासी के साथ-साथ दिल्ली वालों ने उस समय का जो सामना किया है वो बहुत पीड़ित है। हमारे धर्म में, हमारी दिल्ली में सभी धर्मों के लोग रहते हैं लेकिन रूहकांप जाती है जब हमारी जिंदगी के अंतिम पड़ाव में भी हमारे लिए अंतिम संस्कार की जगह नहीं मिलती, ना शमशान घाटों में जगह मिली, ना होस्पिटलों में जगह मिली और जो बच गए वो शराब से, लीवर से डैमेज होकर एक्सपायर हो गए और ये बड़ी दुर्भाग्य की बात है कि शिक्षामंत्री जो समाज में पहली सीढ़ी माना जाता है जिसको ''गुरू गोविंद दोऊ खड़े काको लागू पाएं, बलिहारी गुरू आपने जिन गोविंद दियो

मिलाए'' की नीति से समाज ऊपर उठाता है और एक ऐसी अपेक्षा करता है कि हमारे समाज को एक ऐसे रूप में, एक ऐसे विकासशील में लेकर जाएगा लेकिन लानत है ऐसे शिक्षा मंत्री पर जिन्होंने शिक्षाको तो छोड़कर एक शराब नीति पर अपना काम किया और सबसे बड़ी बात जो इससे ग्रस्त हुए वो हमारी युवा पीढ़ी जो युवा पीढ़ी 20-21 साल की उम्र में डबल माइंड होकर अपने कैरियर को लेकर उस स्टेज पर खड़ी होती है कि हम क्या करें वो उम्र 25 साल से घटाकर आबकारी नीति में जो 21 वर्ष की गई ये हमारे समाज के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा बड़ी कलंकित बात थी और जो करा सो करा लेकिन दिल्ली देहात में पहली बार हुआ कि लोग तो पीवै पीवै लुगाई भी आ जाओ। पिंक ठेकों के तहत लेडिजों को अगर शराब खरीदती हैं तो उनको विशेष छूट का प्रावधान दिया गया और ये हमारे समाज जहां हम वाली भूमिका पर अपनी लक्ष्मी की पूजा करते हैं उस लक्ष्मी को ठेके की लाइन में लगाने वाली केजरी सरकार पर पूरी महिला जात ऐसी लानत ठोकती है कि आज जो ये 12 पत्थर बाहर हुए हैं ना ये दिल्ली की महिलाओं का सबसे ज्यादा रोल है इसमें और कमिशन की तो बात सबने बताई 5 परसेंट से बढ़ाकर 12 परसेंट कर दिया, एक बोतल के साथ बोतल फ्री, लाइसेंस शुल्क में छूट और अपने जो रिश्तेदार, निजी लोग हैं सबने बताई ड्राई डे की संख्या कम कर दी गई की घणी बोतल खरीदो और घणा फायदा होगा। राजस्व में जहां केजरीवाल सरकार ने शराब नीति बनाते वक्त तर्क दिया था कि

भारी वृद्धि होगी, बजाए इसके दिल्ली सरकार की राजस्व में इतना घाटा हुआ है कि आज तक इसकी भरपाई नहीं हो पाई। अध्यक्ष महोदय शराब ठेके खोलने में कानूनों की जो गम्भीर अवहेलना की गई मेरी विधान सभा में तीन विद्यालय हैं जो मेन रोड पर हैं और तीनों विद्यालयों के बीच में ठेके खोल दिए गए, आने-जाने वाले बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और एक आपतै ही उम्मीद है क्योंकि हमारी भागवत गीता में एक बात कही है ''कर्ता की गैल करै, अरै पाप धर्म तैं के डरै।'' क्योंकि जो इंसान जिस भाषा को समझ सकता है, दिल्ली की जनता ने उनको 10 साल मौका दिया था लेकिन उस जनता की भाषा को वो समझ नहीं सके अब सरकार से पूरी जनता यही उम्मीद करती है कि सरकार उनको अपनी भाषा में समझाए कि जो जिसके साथ करता है उसका, जो सरकार के साथ, जनता के साथ उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करता है उसका क्या रास्ता होता है और इनकी ये एक नहीं सुननी ये फटे ढ़ोल हैं, इनका काम है बाजन का, ना सुर ना ताल बजते रहना है। इस विधान सभा पटल पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः तरविन्दर सिंह मारवाह जी। आपको संक्षिप्त रखना पड़ेगा मारवाह साहब।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः आज थोड़ा बोलूंगा क्योंकि जो। अध्यक्ष जी, पहले तो मैं प्रधानमंत्री जी ने जो कहा था अपनी पब्लिक मीटिंग में कि जो सीएजी की रिपोर्ट है वो सदन में

आएगी और वो आप लोगों ने मुख्यमंत्री जी ने मंत्रियों ने पहले दिन ही इसको पेश किया इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं और अध्यक्ष जी का धन्यवाद करता हूं। दूसरी बात अध्यक्ष जी आपको कानून के बारे में पता है बहुत ज्यादा पता है, हमने तीन दिन में ही देख लिया और जो आपने करके दिखाया है अभी तक कई अध्यक्ष आए लेकिन आपने पहले दिन ही छक्का मार दिया। वो इसलिए कि चलो अंदर आके ना ये आराम से बैठ जाते थे, अंदर आकर पार्क है धूप सेका, वो गत्ते ले आए बाप वाले उठाकर, बस अम्बेडकर जी की फोटो लगाई और शहीद जी की लगा दी, कभी क्या बैठ जाते थे, कैंटीन में गए खाना मंगा लिया, फ्रूट मंगा लिए, ये तो यहां पर बाहर बैठ कर हनीमून दो दिन इन्होंने मनाया है और आपने उठाकर जब सड़क पर भेज दिया है ना आज तोते की तरह चिल्ला रहे हैं हमारे साथ हो क्या गया। इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मेरे से पहले सतीश उपाध्याय जी ने बहुत ही, अनुभव भी है अध्यक्ष जी भी रहे हैं, एनडीएमसी भी सम्भाली है, बहुत ही विस्तार से सबकुछ बता दिया। मैं तो सिर्फ उस केजरीवाल की दो-चार बातें आपको बताने के लिए उठा हूं, उसके मुंगेरी लाल तो नहीं मुरारी लाल, उसके सपने थे, इसने जब देखा कि मैं जहां निकल जाता हूं, चाहे महाराष्ट्रा में जा रहा हूं, बोम्बे में जा रहा हूं, यूपी में जा रहा हूं, चारो तरफ लोग मेरे पीछे लग गए हैं। इसने प्रधानमंत्री के सपने देखने शुरू किए। ये जो हुआ है ना कांड, ये प्रधानमंत्री के सपने देखने के

साथ जुड़ा है क्योंकि इसने चारों तरफ देख लिया कि पैसा जो है वो मुझे प्रधानमंत्री बना देगा। ये लोग सोच नहीं रहे हैं और पैसा किसमें है ये भी इसको पता था क्योंकि ब्लैकमेलर था ना ये। इसने कहा सबसे ज्यादा पैसा अगर है आज की डेट में वो शराब में है। इसने वही पहलू पकड़ा और एक ऐसी नीति लेकर आ गया और मोहरा किसको बनाया जो शिक्षामंत्री, वो क्या कहते हैं क्रांति ला रहा था, क्रांति ला रहे थे। दोनों ने मिल के, क्योंकि हमको मालूम है जब हमने देखा किराए की दुकान मांगने के लिए आ रहे हैं, जिस दुकान का किराया 50 हजार रुपया हो अध्यक्ष जी, वो 5-5 लाख देने को, 7-7 लाख देने को एकदम तैयार हो रहे है। पहले दिन से ही पता लग गया। क्या बात थी कि एक दुकान का 50 हजार रुपया जब गवर्नमेंट का ठेका था तो 50 हजार रुपया मिलता था या ज्यादा से ज्यादा एक लाख और 6-6 लाख, 7-7 लाख रुपया किराया लेने वाले जो व्यापारी आ गए, उन्होंने ली भी। सारा एक्साइज जो सबको चोरी पता है, अध्यक्ष जी ये गवर्नमेंट को तो जो नुकसान हुआ है, नुकसान हुआ है 2 हजार करोड़ का, उससे ज्यादा नुकसान क्या हुआ कि जहां से शराब निकलती थी वहां पर जो अधिकारी थे, जिन्होंने फैक्टरियों में अपने आदमी, अपने एक्साइज वाले लगा दिये वहां पर एक-एक नम्बर प्लेट, 5-5 नम्बर प्लेट, 10-10 नम्बर प्लेट पर एक गाड़ी की नम्बर प्लेट होती थी, एक गाड़ी की एक्साइज लगती थी और 10-10 निकलती थी गाड़ियां। खरबों रुपए का, करोड़ों का घोटाला वहां से शुरू हुआ। ये तो

अलग कमाई थी जो उनकी अभी 334 रुपए की बोतल में कमाई मेरे भाई ने बताई है। इससे अलावा देखो क्योंकि वहां ऊसर अपने लगा दिए वहां ना कोई चेकिंग थी, बोतलें निकल रही थी, फैक्टरी से ठेकों में आ रही थी। क्योंकि जो शराब की बोतल ज्यादा से ज्यादा स्कॉच भी बनाए ब्लैक लेबल या दूसरी बोतलें उसपर खर्चा सिर्फ अच्छी से अच्छी शराब पर 100 रुपये आता था, 100-150 रुपये में शराब बनकर तैयार हो जाती थी, बोतल के सिवा। असली ड्यूटी तो उसपर एक्सवाइज लगती थी। तो एक्सवाइज की तो चोरी होनी शुरू हो गई, ट्रक के ट्रक निकलने शुरू हो गए वहां से, क्योंकि कोई चैक करने वाला है नहीं था, कोई अधिकारी चैक करने वाला नहीं आ रहा था, इसीलिए तो एक के साथ एक फ्री शुरू कर दी क्योंकि 150 रुपए की बोतल 1500 में, 1300 में बिक रही थी, 1100-1100 रुपए का प्रोफिट हो रहा था अध्यक्ष जी। चोरी तो हुई लेकिन दूसरी बात अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहता हूं कि कोई उसपर पाबंदी नहीं थी, लाइसेंस पर कोई नियम नहीं। जो 5 परसेंट से 12 परसेंट एकदम बढ़ा दिया गया। उसके बाद जो डिप्टी सीएम ने फैसले लिए समिति की सिफारिश नहीं मानी उससे 941 करोड़ का घाटा हुआ और साथ में ही टोटल घाटा की संख्या जो 2002 करोड़ रुपया बताई जा रही है उसमें 890 करोड़ रुपया सिर्फ दुबारा जो टैंडर नहीं खोल गए, दुबारा नीलामी का कोई प्रोसिजर नहीं रखा गया उससे 890 करोड़ रुपए का अध्यक्ष जी घाटा हुआ है। क्योंकि नीयत, अभी मेरी बहन ने बताया यहां नीलम

पहलवान ने की जो महिलाओं को नुकसान हुआ और मैं आपको बताना चाहता हूं कि 14 साल के लड़के को भी बीयर की आदत पड़ गई उस टाइम, 14 साल का लड़का बीयर पीने शुरू कर दी थी क्योंकि उस टाइम बीयर 30 रुपए की थी, 40 रुपए की थी और एक के साथ एक फ्री। उसके बाद क्या हुआ एक बीयर के साथ, एक पेटी के साथ दो भी फ्री हो गई थी और एक महीने में वो तादाद एक बीयर की पेटी लेने जाओ तो 4 पेटी फ्री देनी शुरू कर दी, क्योंकि गोदामों में इतनी शराब पड़ी हुई थी और इनको 31 मार्च तक बेचनी थी जो समय हुआ, लेकिन आज वो ही नौजवान, क्योंकि बीयर की कीमत जो है 300 रुपया हो गई है घर में चोरी करता है, बीयर पीता है, रात को घर में आकर झगड़ा करता है ये रोज की बात है अध्यक्ष जी, क्योंकि समय की कमी है नहीं तो बोल तो और भी सकता।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः लेकिन मैं आपका धन्यवाद करता हूं, जयहिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मोहन सिंह बिष्टः अरे आज बोलने तो दे यार राजकुमार।

माननीय अध्यक्षः शॉर्ट में बोलना है, संक्षिप्त।

श्री मोहन सिंह बिष्टः ओ भईया कितनी देर से तड़पाया है तुमने। आदरणीय अध्यक्ष जी आपने, अरे बोस मैं वैसे ही बैठ जाता

हूं राजकुमार, बैठिये बोल लिए यार। शपथ ले ली है, आप जैसे मेरे भाई हैं तो शपथ इससे बड़ी चीज क्या है। आदरणीय अध्यक्ष जी आपने मुझे सीएजी की ऐसे रिपोर्ट पर जिसमें आप द्वारा और हम ये मेरी टीम के जितने मेरे भाई थे अजय, अभय ये सारे लोग टीम के लोग थे। मैं भी ये बैठे-बैठे सोच रहा था, अध्यक्ष जी क्या उस समय की हालात थी, लेकिन उस परमात्मा के घर में देर हुई पर अंधेर नहीं हुई आज मेरी सरकार इस सदन में आ गयी है इस मैं गर्व से कह सकता हूं। अध्यक्ष महोदय, यही सीएजी की रिपोर्ट थी। राजकुमार जी, आप सब लोग मेरे भाई लवली, हमारे साथ ऐसा अत्याचार मैंने कभी नहीं देखा। मैं 1998 में जब पहली बार विधायक बन कर के आया इस सदन के अंदर तो मैंने सदन की मर्यादा को भी देखा। यहां सदन कैसे चलता था मैंने उसको भी देखा। लेकिन वो समय भी मैंने देखा जब हमारे लिये टाईमिंग फिक्स हो जाता था। हम बीजेपी के मेंबर 8 होते थे तो दो दो मिनट हमको बोलने को दिया जाता था। यहां तक कि हम अपने बातों को ठीक ढंग से न कह कर के संबोधित तक नहीं कर पाते थे। लेकिन आपकी वो मेहनत रंग लाई, उसके लिये तो मैं आपका आभार प्रकट करता हूं, अपने उन मित्रों का आभार प्रकट करता हूं और आज दिल्ली में मेरी सरकार आ गयी, मेरी मुख्यमंत्री, अब तू जितना भी चिढ़ाये यार मैं चिढ़ने वाला नहीं हूं चौहान। सर तो, मैं जल्दी समाप्त कर दूंगा यार, तू चिंता मत कर। मैंने आज यही चीज हमने इस सदन के अंदर देखा, सदन के अंदर आज मेरी

मुख्यमंत्री, मेरे मंत्री, मेरे अन्य परिवार के सभी सदस्यगण यहां उपस्थित हैं। दिल्ली के साथ जो अत्याचार हुआ था, तो दिल्ली के बजट का दुराचार हुआ था, दिल्ली के बजट के साथ भ्रष्टाचार हुआ था उसका ऑपरेशन यहीं से करने का मौका आज हम को मिला है निश्चित रूप से मैं इसके लिये आपका भी आभारी हूं। एक एक चीजों का ब्यौरा हमको सब देखने को मिला है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका फिर अभिनंदन करता हूं। जैसे ही आप इस सदन के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए तो 25/2 और 25 का वो सुनहरा दिन आज मुझे देख कर के ये हुआ जो पिछले बरसों के अंदर जो सीएजी की रिपोर्ट इस सदन के अंदर नहीं रखी गयी थी वर्ष 2017-18, 20-21, 21-22 मैं जो कुछ मेरे भाईयों ने सब कुछ बोला, मेरे साथियों ने बोला। अध्यक्ष महोदय, ये जांच मे पाया गया। लाईसेंस देने का तरीका, मूल्य निर्धारण का तरीका, गुणवता का तरीका, प्रवर्तन और बहुत सी खामियों का, मैं इस सदन में आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात याद आ रही है, एक ऐसी सरकार आई सिंह साहब, वो सरकार कहती थी कि 'सैंया भए कोतवाल अब डर काहे का'- उस सरकार को डर नाम की चीज नहीं थी। जिस प्रकार से सामने वो हमारे आमने सामने मैं तो उनके आमने सामने की कुर्सी में बैठता था, मेरी सीटिंग आमने सामने थी। लेकिन इतना बड़ा अहंकार हमने कभी नहीं देखा, हम जनता के द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। अध्यक्ष महोदय, अहंकार नाम की कोई चीज नहीं होती है, जब

परमात्मा लाठी मारता है न उसकी आवाज भी नहीं आती है, काम भी हो जाता है। यही सदन के अंदर हमने देखा है। मैं आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहता हूं नयी आबकारी ये शराब नीति जिसमें किस प्रकार का एक नीति बनाई गयी थी राजस्व की कमी हो, अवैध शराब की बिक्री हो, और यही नहीं रोक लगाना तो दूर की बात, बैक सपोर्ट करना उनका रहा और आम आदमी का विफलता का ये मुद्दे हम सब लोगों के सामने आयी। सीएजी रिपोर्ट के अन्तर्गत आप सरकार की गलत नीतियों के कारण जिस प्रकार 2268 करोड़ रूपये का दिल्ली की जनता का और टैक्स पेयर का जिस प्रकार से उसमें भ्रष्टाचार हुआ उससे दिल्ली की जनता को कितना बड़ा नुकसान हुआ, ये आप और हम सब लोग जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, यही नहीं, आप और हम सब लोग सदन के अंदर बोलते थे, मेरी पार्टी बाहर बोलती थी, बाहर हम लोग धरने करते थे, प्रदर्शन करते थे, न इसमें नियम थे, न कायदे थे, न कानून थे। ये भी कहा गया था हमारे लवली साहब यहां उस समय मिनिस्टर थे, हमारे राज कुमार चौहान उस समय मिनिस्टर थे हम अनऑथोराईज कालोनी में शराब के ठेके नहीं खोलने देते थे, हम कहते थे जहां डीडीए की लैंड नहीं हो वहां कमर्शियल लैंड न हो, तो वहां आाप दुकान खोल ही नहीं सकते। इस सदन के अंदर जिस प्रकार से 'आप' पार्टी के नेताओं के द्वारा ऐसा बर्ताव करके हर गली और कूचे में गहलौत साहब शराब के ठेके खोल दिये गये। लोगों को बर्बाद करने की योजनायें बनायी गयी,

(समय की घंटी)

श्री मोहन सिंह बिष्टः एक नहीं अनेक ऐसी योजना बनाई गयी उससे बहुत बड़ा दिल्ली का नुकसान हुआ। यही नहीं, 941.53 करोड़ रूपये का जो नुकसान हुआ ये निश्चित रूप से केजरीवाल सरकार की देन थी, इनकी वजह से इस प्रकार का राजस्व का घाटा हुआ। और यही नहीं, अनेक जहां टेंडरिंग वगैरह सिस्टम होने थे वो भी लागू नहीं हुए सीएजी रिपोर्ट सर दिल्ली में कोविड हुआ हो, लोग अपनी जान को बचाने के लिये दर दर की ठोकरे खा रहे हों, लोग चिल्ला रहे हों, भगवान कभी ऐसा समय न आये, ऐसी दुघर्टना न घटे जिससे मेरे जीवन को खतरा हो। अध्यक्ष महोदय, उनको चिंता नहीं की दिल्ली की जनता की, वो दिल्ली के लोगों के बारे में सोच नहीं रहे थे तो क्या बना रहे थे वो, शीश महल बना रहे थे। और यदि हम इसी हाउस के अंदर आप भी बोलते थे, हम भी बोलते थे दिल्ली के लोग आज इस भयावह स्थिति में, आज कोरोना जैसी महामारी से उनकी जीवन लीला समाप्त हो रही है। वही केजरीवाल कहता था न कोई चिंता नहीं दिल्ली का मालिक मैं हूं। आज वो मालिक की क्या हालत है ये आने वाले दिनों के अंदर इसी तरह से सीएजी की जैसे रिपोर्ट पेश होगी निश्चित रूप से वो दर्शायेगा ये मैं कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से कोविड के अंदर जो हमें टैक्स के रूप में पैसा लेना था उनको माफ कर दिया सर, वो टैक्स का पैसा नहीं

लिया, कहने लगे साहब ये तो कोविड आ गया, इसमें हम पैसा इनसे नहीं लेंगे जिससे दिल्ली को

(समय की घंटी)

श्री मोहन सिंह बिष्टः राजस्व का बहुत बड़ा नुकसान हुआ, ये मैं कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप वैसे मैं बहुत डिस्पिलिंड वर्कर हूं। मैं सदन की गरिमा को भी जनता हूं लेकिन आपने बेल दे दिया तो निश्चित रूप से अपनी बात को यहीं समाप्त करूंगा और मैं आपका आभार प्रकट करूंगा, सब मित्रों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद करूंगा, बहुत बहुत धन्यवाद, नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली में शराब के विनिमयन और आपूर्ति से संबंधित सीएजी की आडिट रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा दिल्ली में आबकारी नीति के क्रियान्वयन में की गयी गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया है। रिपोर्ट में यह विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया ताकि निजी कंपनियां सरकारी खर्च पर अवैध रूप से लाभ कमा सकें। ऑडिट 2017 से 2021 की अवधि के लिये किया गया था। सीएजी ने नई आबकारी नीति के लागू होने से पहले की अवधि में भी गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा किया है जैसे लाईसेंस देने में अनियमितता, आईएमएफएल मूल्य निर्धारित में पारदर्शिता की कमी, अपर्याप्त गुणवता नियंत्रण, कमजोर विनियामक कार्यप्रणाली, प्रवर्तन

गतिविधियों का खराब क्रियान्वयन आदि। सीएजी ने गणना की है कि नयी नीति में 2002 करोड़ रूपये का राजस्व घाटा हुआ है। जैसे सरेंडर किये गये लाईसेंसों को फिर से टेंडर करने में विफलता के कारण 890 करोड़ रूपये छूट के कारण 941 करोड़ लाईसेंस शुल्क की माफी के कारण 144 करोड़, सिक्योरिटी राशि के गलत संग्रह के कारण 27 करोड़। माननीय सदस्यों ने इस मुद्दे पर सदन में चर्चा के दौरान विस्तृत विचार व्यक्त किये हैं और अपनी चिंतायें जाहिर की हैं। मेरा मानना है कि सदन इस बात पर सहमत है कि इस मामले की जल्द से जल्द जांच की जानी चाहिये और मामले के निष्कर्ष पर पहुंचा जाना चाहिये ताकि दोषियों को दंडित किया जा सके। स्थापित संसदीय प्रक्रिया के अनुसार दिल्ली विधान सभा की लोक लेखा समिति अर्थात् पब्लिक अकाउंट्स कमेटी द्वारा इस रिपोर्ट की गहन जांच की जायेगी। यह समिति तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट सदन को प्रस्तुत करेगी। पहली कार्यवाही के रूप में यानि कि पीएसी को रिपोर्ट दी जा रही है तीन महीने के अंदर अंदर पीएसी अपनी रिपोर्ट इस सदन में प्रस्तुत करेगी। पहली कार्यवाही के रूप में मैंने विधान सभा सचिवालय को ये निर्देश दिया है कि रिपोर्ट को तुरंत संबंधित विभागों को टिप्पणी प्राप्त करने के लिये भेजा जाये तथा आबकारी विभाग की पैरावार टिप्पणियां और कार्यवाही नोट अनिवार्य रूप से एक महीने के भीतर प्रस्तुत किया जाये जो हमारे सचिव हैं दिल्ली विधान सभा के उनको निर्देशित किया गया है कि रिपोर्ट को तुरंत संबंधित विभागों को

टिप्पणी प्राप्त करने के लिये भेजा जाये तथा आबकारी विभाग को पैरावाईज टिप्पणियां और कार्यवाही नोट एक्शन टेकन रिपोर्ट एक महीने के अंदर अंदर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाये। अब उपाध्यक्ष के निर्वाचन की कार्यवाही को प्रारंभ करते हैं। माननीय सदस्यगण आपको विदित है कि सदन के उपाध्यक्ष का चुनाव हो रहा है। मुझे उपाध्यक्ष के निर्वाचन हेतु दो प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं सबसे पहले श्रीमती रेखा गुप्ता माननीय मुख्यमंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगी कि श्री मोहन सिंह बिष्ट जी जो इस सदन के सदस्य हैं, को इस सदन का उपाध्यक्ष चुना जाये।

माननीया मुख्यमंत्री (श्रीमती रेखा गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करती हूं कि श्री मोहन सिंह बिष्ट जी, जो इस सदन के माननीय सदस्य हैं, को इस सदन का उपाध्यक्ष चुना जाये।

माननीय अध्यक्ष: श्री मनजिंदर सिंह सिरसा जी, माननीय मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

माननीय अध्यक्ष: चूंकि दूसरा प्रस्ताव भी मोहन सिंह बिष्ट जी का ही है इसलिये श्रीमती रेखा गुप्ता जी द्वारा प्रस्तुत एवं श्री मनजिंदर सिंह सिरसा जी द्वारा समर्थित निम्नलिखित प्रस्ताव सदन के

सामने है कि श्री मोहन सिंह बिष्ट जी जो इस सदन के सदस्य हैं, को इस सदन का उपाध्यक्ष चुना जाये।

जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं, वे हाँ कहें,

जो इसके विरोध में हैं, वे ना कहें,

(सदस्यों के हाँ कहने पर)

हाँ पक्ष जीता, हाँ पक्ष जीता

प्रस्ताव पारित हुआ।

अब सदन के समक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट जी माननीय उपाध्यक्ष महोदय पद पर नियुक्त घोषित किये जाते हैं और धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए आपके विचार आमंत्रित हैं। श्री कुलवंत राणा जी। नाम भेज दीजिये जिसको बोलना है।

बधाई प्रस्ताव

श्री कुलवंत राणाः अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित उपाध्यक्ष के चुनाव में और माननीय मंत्री जी के समर्थन से माननीय मोहन सिंह बिष्ट जी आज उपाध्यक्ष नियुक्त हुए हैं, हश्दय की गहराईयों से उनको बहुत बहुत बधाई। और माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई और आपको भी बहुत बहुत आपका धन्यवाद। मोहन सिंह बिष्ट जी 37-38 साल से राजनीति के अंदर हैं और इस सदन में 1998 में वो चुन के आये और ये 7वां चुनाव था उनका और वो 6 बार एमएलए रहे। हमें भी उनके साथ

काम करने का अवसर तीन बार प्राप्त हुआ चौथी बार इस बार है। और जो हम पहली बार चुन के आये तो बहुत सारे माननीय विधायक, हम सब लोग जिज्ञासु थे, बहुत सारे कमिटमेंट्स थे हमारी विधान सभा में अपने लोगों के प्रति। और हमारे यहां पे हमारे लोकसभा सदस्य उस समय सज्जन कुमार होते थे। चुनौतियां थी। तो हम सीखते थे इनसे कि कैसे हम काम करें, क्या तरीका अपनायें, और इनसे हमें बड़ी मदद मिली और हमने बहुत विकास भी किया और लगातार फिर हम तीन बार चुन के आये। तो ऐसे वरिष्ठ विधायक का उपाध्यक्ष बनना ही हम सबके लिये खुशी का अवसर है और इन्होंने भी अपनी विधान सभा के अंदर बहुत कर्मठता के साथ, ईमानदारी के साथ, अनुशासन में रहते हुए काम किया है। मैं एक दिन आ रहा था किसी स्वामी जी के पास गया था मैं मौजपुर से उधर लोनी से तो मैं देख रहा था विधानसभा की ओर तो बहुत व्यवस्थित रूप से सारी गलियां और विधानसभा बड़ी व्यवस्थित थी और एक विधानसभा में, जिस विधानसभा से ये दोबारा चुने गए ये विधानसभा से इनका जीवन का प्रारंभ हुआ था राजनीतिक जीवन का और यही पहली विधानसभा से ये चुने गए थे मुस्तफाबाद से, उसके बाद परिसीमन में दो भाग हो गए थे फिर उसके बाद में करावल नगर में चले गए और फिर लगातार जीतते रहे एक बार ये चुनाव हारे। उतार चढ़ाव जीवन में आता है। जीवन का हिस्सा है तो ये छठी बार, सांतवी बार आज एमएलए छठी बार सबसे वरिष्ठ विधायक इस सदन के सदस्यमोहन सिंह जी हैं तो

अपने आप में ये एक संस्था है। इस प्रकार निरंतरता के साथ चुन के आना, निरंतरता के साथ लोगों के बीच में रहना उनकी समस्याओं को समझ कर के उनकी समस्याओं का समाधान निकालना और मुख्य रूप से एक बार पहला इनका काल था जो सरकार का 1993 से 1998 के बीच में उसके बाद तो विपक्ष में रहे लेकिन उसमें विपक्ष में भी रहे जब सरकार जो थी, सरकार में संवेदनशील सरकार थी, मंत्री परिषद संवेदनशील था और सदस्यों की भावनाओं को समझता था और विकास के कार्यों में बड़ा दृष्टिकोण था, कोई बाधा नहीं बनता था क्योंकि दिल्ली की जनता का काम होना है। तो बड़ा उसमें राजकुमार चौहान साहब भी होते थे, लवली साहब भी होते थे, मंत्री थे और मारवाह जी तो ऐसे ही बोलते जैसे आज बोले लेकिन अब इनके बोलने में बहुत सुधार है। पहले से अब विषयों को बहुत अच्छे से रख रहे हैं इसके लिये बधाई देता हूं इनको।

(समय की घंटी)

श्री कुलवंत राणाः तो अध्यक्ष महोदय, निश्चित रूप से सदन को बहुत लाभ मिलेगा, बहुत अच्छा चयन हुआ है और मैं बधाई देता हूं भाई मोहन सिंह बिष्ट जी को और जो नए सदस्य हैं उनसे आग्रह भी करूंगा कि आप सीखें और क्षेत्र की जनता जब हमको चुनती है तो बड़ी आशाओं के साथ, एक विश्वास के साथ, भावनाओं के साथ चयन करती है और बड़ी उम्मीदें रखती है कि हमारी उम्मीदों पर ये खरे उतरेंगे। तो हमको उनसे सीखना चाहिये

वो अपने आप में एक संस्था हैं और हम इन लोगों की आशाओं के अनुसार काम करें और ये सच है कि दिल्ली की जनता ने जो प्रचंड बहुमत दिया है भारतीय जनता पार्टी को और उसके बाद विकसित भारत की हमारे प्रधानमंत्री महोदय बात करते हैं और उनका संकल्प भी है। हम सब दिल्ली के विधायक अपनी अपनी विधान सभाओं को अगर विकसित करने का काम करेंगे ये हमारी विधान सभायें विकसित हों हर दश्ष्टि से, विकसित विधान सभा का मतलब हर प्रकार की वो सुविधा हो उस विधान सभा में जो होनी चाहिये चाहे वो शिक्षा का मामला हो, स्वास्थ्य का मामला हो, वो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का मामला हो, रख रहा हूं मैं अध्यक्ष जी अभी आपकी बात का भी सम्मान मैं करूंगा, मुझे पता है आप गर्दन हिला रहे हो मैं बैठ रहा हूं।

माननीय अध्यक्षः समय की सीमा।

श्री कुलवंत राणाः मैं सहमत हूं आपसे, तो विकसित विधानसभा की ओर मैंने भी 11 साल पहले कहा था कि ये विकसित विधानसभा होगी। मैडिकल कालेज, बिजनेस स्टडी कालेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी का एक कालेज ग्यारह साल पहले हमने कहा था 25 स्कूल क्रांतिकारी नेता बनते थे कह रहे थे शिक्षा के क्षेत्र में 25 स्कूल हमने बनवाए और उस समय हमने निर्णय करा था कि सभी स्कूलों में साइंस और कामर्स हो तो निणर्य जब बड़े लेगें सोच बड़ी रखेगें तो बड़ा काम भी होगा। तो मैं हम सभी विधायकों से प्रार्थना है कि आप अपने अनुभव और जो नेता हैं उनसे सीखें, समझें और

हम विकसित विधानसभा की कल्पना जब अपनी करेंगे तो विकसित दिल्ली हम बना पाएंगे, जो माननीय मोदी जी ने नारा दिया है दिल्ली के लिए और ये दिल्ली शहर एक बहुत बेहतर शहर होना चाहिए। हमारे देश की राजधानी है ये इसकी हवा बेहतर हो, पानी बेहतर हो, दृश्य बेहतर हो।

माननीय अध्यक्षः हरीश खुराना जी।

श्री कुलवंत राणाः हरियाली हो तो उसके लिए आप उसका जो चयन आज मोहन सिंह जी का किया उसके लिए मैं मोहन भाई को बधाई देता हूं। प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि आपको लंबी आयु दे और आप सब विधायकों के हितों की रक्षा भी करेंगे। सबको बोलने का अच्छा अवसर भी देगें और दिल्ली की चिंता करते हुए विकसित दिल्ली की कल्पना जो प्रधानमंत्री जी ने की उसको पूरा करेंगे। अध्यक्ष जी आपने समय दिया उसके लिए बहुत बहुत आपका आभार। भारत माता की जय।

श्री हरीश खुरानाः माननीय अध्यक्ष जी, आज ये पूरा सदन श्री मोहन सिंह बिष्ट जी जो इस सदन के उपाध्यक्ष के रूप में आज निर्वाचत हुए हैं, पूरा सदन आज उनको बहुत बहुत बधाई देता है बहुत बहुत शुभकामनाएं देता है, निश्चित तौर के उपर अध्यक्ष जी आपके और उपाध्यक्ष जी मोहन सिंह जी बिष्ट इससे बढ़िया कोई टीम हो नहीं सकती हम जैसे जो पहली बार चुन के आए हैं उनको सीखने के लिए। आपका भी लंबा अनुभव रहा है अध्यक्ष

जी और जैसे अभी कुलवंत जी ने भी बोला कि मोहन सिंह जी बिष्ट जो आज उपाध्यक्ष बने हैं उनको हम काफी टाइम से हम देखते हुए भी आ रहे हैं एज ए कार्यकर्ता के रूप में कि जिस प्रकार से वो दिल्ली के मुददों को रखते हुए आए हैं अपने क्षेत्र के मुददे को रखते हुए आए हैं और छह बार चुनना अपने आप में दिखाता है कि किस तरह से कर्मठ, किस तरह से ईमानदार हो के अपने क्षेत्र की वो सेवा करते हैं बिल्कुल ठीक कहा कुलवंत जी ने कि ये एक इंस्टीटयूशन है और हम लोगों को बहुत सीखने का मौका मिलेगा इसलिए आपके माध्यम से मैं एक बार फिर उपाध्यक्ष जी को जो आज सदन में निर्वाचित हुए हैं उनको बहुत बहुत बधाई देता हूं और शुभकामनाएं देता हूं और हमें पूरी उम्मीद है कि हम सब लोग आप हमें सीखाएगें, आप हमें जहां हमारी गलती होगी उनको बताएगें भी और जहां हम ठीक कर रहे होगें उसको एप्रीशियेट भी करेगें बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सिरसा जी।

माननीय उद्योग मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): धन्यवाद अध्यक्ष जी मैं हमारे सबके बड़े सम्मानित मोहन सिंह बिष्ट जी को इस सभा के अंदर उपाध्यक्ष के रूप में चुने जाने पे बहुत बहुत बधाई देता हूं। जैसे सबने कहा बहुत बड़ी बात होती है बिष्ट साहब छह बार चुन के आना हमें पता है ये बड़ी बहुत बड़ी बात होती है। आप जमीन से जुड़े हैं और हम सब के लिए बड़ा सौभाग्य है हम सब के लिए सौभाग्य है कि हमें आपसे जैसे

पंजाबी विच कहदें है 'चानन मुनार' जैड़ा बहुत चानन देंदा है ओनू कहदे ने 'चानन मुनार', तो आप हमारे चानन मुनार हैं। आपसे हमें ज्ञान वृद्धि होगी, आपसे हमें विधानसभा के अंदर काम करने का, देखिए बड़ी बात क्या है हम भी उस 2015 के दौर में ही बस एक बार हारे थे पर देखिए एक बात जब सुनामी चल रही थी तब सुनामी में तो वो क्या कर सकता है जब आ ही सुनामी गई थी, बेइमानों की सुनामी थी बेइमानी का बोझ लिए चले थे अब उस सुनामी में लेकिन बिष्ट साहब एक बात जरूर है हमें इस बात की तसल्ली है कि आप अब हमारे तब से साथी हैं, माफी चाहते हैं हम आपके साथी हैं जब कम से कम ऐसे बेइमान जो हैं बाहर हुए हैं वर्ना रोने वाले समय जब हम आते थे तो हमें बड़ी तकलीफ होती थी हम आके बेइज्जत होते थे, बड़ी तकलीफ होती थी। लेकिन अब आपसे हमें अच्छे संस्कार भी मिलेंगे इस हाउस को चलाने का और इसमें काम करने का हमें आपसे बहुत ज्ञान मिलेगा। मैं आपको फिर से बहुत बहुत बधाई देता हूं, अपनी पार्टी को भी बहुत बधाई देता हूं कि आप जैसे कार्यकर्ता को हमारे साथ काम करने का, हमें उनके साथ काम करने का ऐसा मौका मिल रहा है, हम सबको आप से ज्ञान मिलेगा। आपको बहुत बहुत शुभकामनायें, आपकी सारी विधान सभा के उन कार्यकर्ताओं को भी और उन वोटरों को भी जिन्होंने ऐसे महान आदमी को उस विधान सभा से भी जाके चुन दिया जहां से कभी कोई चुन के नहीं आता था ये आपका काम है और पार्टी देखिये, पार्टी को क्या

विश्वास था मैं आपको बताउं अध्यक्ष जी, आज तो हम अपनी पार्टी के लोग बैठे हैं मैं और प्रवेश जी ने फोन पे बड़ी चिंता की जब हमने कहा कि यार ये, पर हमें थोड़े ही पता था कि पार्टी ऐसा सोचती है कि वहां शेर भेजना है जहां शेर की जरूरत है, शेर को जहां भेजा शेर वहां भी सबको गिरा के नीचे निकल के आया ये आपका किरदार है। अब मैं आपको फिर से बहुत बहुत बधाई देता हूं। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः पूनम शर्मा जी।

श्रीमती पूनम शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मेरे बाउजी बोलती हूं मैं तो मेरे से उम्र में बहुत बड़े हैं, मेरे पिता तुल्य हैं श्री मोहन सिंह बिष्ट जी को सदन में उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर बहुत बहुत बधाई, बहुत बहुत शुभकामनायें और हमारे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही हमारे सदन के मुखिया हैं और इस मुखिया के परिवार में मैं एक सबसे छोटी बेटी हूं और इस सदन में आप सब मुखिया के रूप में मेरे पिता तुल्य हैं और आप सबके सानिध्य में मुझे काम करने का मौका मिल रहा है। मैं अपने आपको परम सौभाग्य मानती हूं क्योंकि आप सब इतने सीनियर हो और आप सबका आशीर्वाद और सहयोग रहेगा तो आप सबका इस परिवार में मेरा भी आगमन होगा बहुत बहुत धन्यवाद। पुनः मेरे बाउ जी मोहन सिंह बिष्ट जी को बहुत बहुत शुभकामनायें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः करनैल सिंह जी।

श्री करनैल सिंहः माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले हमारी बहन मुख्यमंत्री जी ने ये प्रस्ताव रखा उनका भी धन्यवाद करता हूं और माननीय सिरसा जी ने उसका समर्थन किया, उनका भी बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं। ऐसे उपाध्यक्ष का चुने जाना जो हमारे 6 बार जीत के आये हों और मुझे लगता है कि हम बहुत सारे यहां पर सदस्य नये हैं, उनका मार्गदर्शन हमें मिलता रहेगा। आपको भाई साहब बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं, जय श्री राम।

माननीय अध्यक्षः शिखा राय जी।

सुश्री शिखा रायः धन्यवाद अध्यक्ष जी, प्रथमतः मैं धन्यवाद करती हूं हमारी मुख्यमंत्री आदरणीय रेखा जी का जिन्होंने ये प्रस्ताव रखा और सिरसा जी का जिन्होंने अनुमोदन किया। इससे बढ़िया निर्णय नहीं हो सकता उचित पद के लिये, उचित व्यक्ति को चुना गया। मैं इसके लिये सबका धन्यवाद करती हूं और यही आशा करती हूं कि आप उपाध्यक्ष के रूप में अध्यक्ष जी के साथ हम जो पहली बार आये हैं उनके टीचर के रूप में भी काम करेंगे और बहुत सारी चीजें आपसे सीखने वाली हैं और हम बहुत बार गाहे बगाहे आपसे बात करते भी रहते हैं कि कैसे होना चाहिये और बहुत अच्छे से आप उसका जो है हल भी देते हैं और बात भी सुनते हैं तो भविष्य में भी इस सदन को चलाते हुये भी इसकी गरिमा को जो आप सब बनाकर के रखेंगे क्योंकि बहुत अच्छे हाथों में सदन होने वाला है मैं पुनः आपको बहुत-बहुत बधाई देती हूं।

माननीय अध्यक्षः तरविन्दर मारवाह जी।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, मोहन सिंह बिष्ट जी हमारे साथ रहे भी हैं एमएलए, स्वभाव से भी बहुत अच्छे हैं।

माननीय अध्यक्षः 98वे में हम साथ-साथ आये थे दोनों।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः हां जी।

माननीय अध्यक्षः 98 में दोनों साथ आये थे।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः हां जी, हां जी, सात बार चुनाव लड़े लेकिन छः बार जीते। इस बार तो इन्होंने कमाल ही कर दिया जो भारतीय जनता पार्टी के खाते में सीट नहीं थी कभी इस बार मोहन सिंह बिष्ट जी ने वहां कमाल करके दिखाया और सीट जीती क्योंकि ये कार्यकर्ता बनकर काम करते रहे हैं सारी जिन्दगी, कभी ये हमारे जैसे ही कैटेगरी में हैं कि हमने भी अपनी जिन्दगी में कभी ये नहीं सोचा कि मैं एमएलए हूं ये नहीं। सुबह से ही काम करने की आदत है लेकिन थोड़ा मेरे को ये लग रहा है अध्यक्ष जी क्योंकि मैं भी आपको कॉलेज टाइम से जानता हूं शायद 1900 कितने की बात है जब मैं कॉलेज में था तो आप भी थे क्योंकि आप बड़े मेहनती हो, आपने छुट्टी नहीं करनी तो कहीं डिप्टी स्पीकर यही सोच-सोचकर कि कब छुट्टी करेगा, कि कब छुट्टी करेगा कहीं ड्यूटी पर। ये मेरे को थोड़ा सोचने में वो महसूस हो रहा था कि ये ना हो ना बीपी बढ़ता रहे घटता रहे आज अध्यक्ष जी छुट्टी करें, कल करें लेकिन मेरे को पूरा यकीन है कि आपने

एक दिन छुट्टी नहीं करनी है ये आज आपने कहना होगा कि आप छुट्टी करेंगे क्योंकि इनको चांस मिले। ये मैं कहना चाहता हूं आपका धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः डॉ. अनिल गोयल।

श्री अनिल गोयलः हमारी मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने प्रपोज़ किया, मनजिंदर सिंह सिरसा जी ने सैकेंड किया मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं मैं इनके कार्यकर्ताओं के माध्यम से इनको बहुत वर्षों से जानता हूं और इनके कार्यकर्ता कहते हैं ये रात में भी कहीं-कहीं पहुंच जाते हैं दिन में भी कहीं-कहीं पहुंच जाते हैं इसलिये शायद छठी बार जीते हैं अपने को दूसरी बार जितने में ही पसीना आ गया तो छठी छः-छः बार जीतकर जरूर आप जनता के दिलों पर राज कर रहे हैं एक बार हम कृष्णा नगर विधानसभा की तरफ से भी आपको बहुत-बहुत बधाई।

माननीय अध्यक्षः अजय महावर जी और उसके बाद बिष्ट जी सबका धन्यवाद करेंगे।

श्री अजय महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी आदरणीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तावित उपाध्यक्ष पद के लिये और सिरसा जी ने जिसको अनुमोदन किया। मोहन सिंह बिष्ट जी हमारे बहुत वरिष्ठ साथी हैं संगठन में भी लम्बे समय चूंकि मेरी तो पड़ोस की विधानसभा है लम्बे समय साथ काम करने का और इनसे सीखने का बहुत मौका मिला है हमें और ये सब सदस्यों ने कहा भी है सात बार चुनाव

लड़ना और छः बार जितना इनका स्ट्राइक रेट बहुत तेज़ है, बहुत अच्छा है और स्वभाव से बेबाक, स्पष्ट, निडरता इनके जीवन में कूट-कूटकर भरी हुई है और बहुत ईमानदार और कर्मठ व्यक्तित्व के धनी हैं जो भी निर्णय पार्टी ने ये लिया है बहुत उचित सही और मारवाह जी की एक बात से मैं सहमत हूं कि जरूर आप बीच में किसी दिन छुट्टी पर जायेंगे और सदन चलाने का मौका इन्हें एक दिन देंगे तो उस दिन ये अपनी प्रतिभा का परिचय भी अपने सदन को करायेंगे। मैं अपनी ओर से घोंडा विधानसभा की जनता की ओर से और सबकी तरफ से बहुत-बहुत बधाई देता हूं अभिनन्दन करता हूं।

माननीय अध्यक्षः अभी तो मुझे ही दो दिन हुये हैं मेरी छुट्टी पहले करवा रहे हो आप, मोहन सिंह बिष्ट जी।

श्री मनोज कुमार शौकीनः अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः हां जी।

श्री मनोज कुमार शौकीनः मुझे भी दो शब्द कहने हैं।

माननीय अध्यक्षः चलिये, दो शब्द बोलिये।

श्री मनोज कुमार शौकीनः धन्यवाद अध्यक्ष जी, बेहद खुशी की बात है कि एक ऐसा साथी जो बिल्कुल ज़मीन से जुड़ा हुआ है और लोग जो कहते थे कि भई कट्टर ईमानदार, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि ये हमारा जो साथी है बहुत ही कट्टर

ईमानदार है। ईमानदारी से पिछले जितने भी इनका पीछे एक बार ये छत पर चढ़ गये पानी की टंकी देखने और गिर गये विधायक थे तब ये, मैं इनको हॉस्पिटल देखने गया था जब आप प्रदेश के अध्यक्ष थे और ये पूरा का पूरा हिस्सा ये चकनाचूर हो गया था। सबसे पहले जहां से ये विधायक बने फिर दूसरी जगह से बने बार-बार बने और फिर जब संगठन ने आदेश दिया दूसरी जगह जहां सबसे पहले और जितने का कारण भी यही है क्योकि जब सबसे पहले जहां से ये चुनाव लड़े थे वहां इन्होंने काम किया था लोगों ने दोबारा से इनको आर्शीवाद दिया और हमारे लिये गर्व की बात है कि ऐसा साथी हमारा इस सभा का उपाध्यक्ष बन रहा है इनको बहुत-बहुत शुभकामनायें बहुत-बहुत अध्यक्ष जी आपका धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः मोहन सिंह बिष्ट जी।

माननीय उपाध्यक्ष (श्री मोहन सिंह बिष्ट): आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे सदन के नेता और हमारी मुख्यमंत्री मेरी बहन रेखा जी, प्रवेश जी, सूद साहब, सिरसा जी, इन्द्रराज जी के सुपुत्र ये शायद नहीं जानते होंगे मैं बहुत अच्छी तरह से जानता हूं और इस सदन के मेरे बहुत ही पुराने मित्र भले ही वो सत्ता पक्ष में थे मैं विपक्ष में था हमारा परिवारिक रिश्ता था। राजनीति से हटकर के ऐसे रिश्ते जिन्होंने निभाये और आज मेरी पार्टी में आकर के मेरे जैसे व्यक्ति को जो आर्शीवाद दे रहे हैं ऐसे मेरी भाई लवली, मेरा भाई राजकुमार चौहान, तरविन्दर सिंह मारवाह और मेरे खास मित्रों में मेरा छोटा भाई कुलवंत राणा और शौकीन। अध्यक्ष जी, मैं इस सदन का

जब सदस्य चुनकर के आया मुझे अभी एक बात याद आ गई यहां बैठे-बैठे तो करावल नगर में डेव्लपमेंट पर रोक थी और रोक होने के बाद वहां डेव्लपमेंट नहीं हो पा रहा था शायद आपको मालूम होगा उस समय में इन्कम टैक्स में छापा पड़ा था,सैल्स टैक्स में छापा पड़ा था बहुत सी ऐसी घटनायें घटी तो हुआ क्या कि मेरे यहां काम नहीं होता था, लोग मुझे परेशान करते थे सुबह मेरे घर पर आ जाते थे। मैं यहां एक बार भैंसा बुग्गी ले आया, देखिये मैं आपको बता रहा हूं दलों के अंदर किस प्रकार की आत्मीयता है और ये जो मेन गेट है ना मैं और राणा और तीसरा वो हमारा रमेश बिधुड़ी और कौन था एक और थे हम तीन-चार लोग थे हमने इसके गेट को तोड़ दिया और तोड़ने के बाद जैसे ही भैंसा बुग्गी आई मैं बिल्कुल उस समय 36-37 साल का, सर मैंने क्या किया उसके भैंसे के सींग पर पास लगा दिया और उसमें मैंने जब मेरे का पूछा भई आप यहां कैसे आ गये ये तो यहां अलॉओ नहीं है हमारा कुलवंत एकदम से भागकर गया अंदर से रूल बुक लाया बोला बतायें ये रूल बुक में कहां लिखा है मैं किससे आऊँगा। ये कहीं नहीं लिखा और हम अंदर आकर के फिर उसके बाद वो कुलवंत की ये बोन फैक्चर हो गया, वो भैंसा बुग्गी कूद गई बोन फैक्चर हो गया। हमारे साहिब सिंह वर्मा जी वो उस समय में मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट बन गये थे ना हां, वो आये तो हमें डांटा भी, कह रहे यार तुमने ऐसा क्यों किया, फिर पुचकारा भी। मेरा कहने का भावार्थ ये है और फिर जैसे ही लंच हुआ गहलौत साहब

हम अंदर लंच में गये और आपको विश्वास नहीं होगा भले ही दूसरे राजनीतिक दल के लोग थे, आत्मीयता ऐसी थी मैं जैसे गया मैंने कहा शायद शीला दीक्षित जी मुझसे नाराज़ होंगी और मेरे बराबर में आई, मुझे प्यार से ले गई कहने लगीं यहां बैठ और भाईसाहब आपको विश्वास नहीं होगा खाने की थाली मेरे हाथ में रख दी और राजकुमार चौहान को इशारे से कहा भई ये मोहन सिंह बिष्ट हैं, यहां बजट की कमी नहीं आनी चाहिये। उस बार बजट की कोई कमी नहीं आई जिससे करावल नगर के अंदर डेव्लपमेंट हुआ और ये विकास की प्रक्रिया लगातार चलती रही। अध्यक्ष महोदय आज मैं उस सदन का आपके माध्यम से अपनी बहनजी के माध्यम से मैं अपनी केन्द्रीय नेतृत्व के माध्यम से मैं अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, अमित शाह जी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा जी के माध्यम से मैं जो सदन में मैं आज मुझे उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया मैं दिल की गहराईयों से उनका तो मैं आभार प्रकट करता हूं आप सब लोगों ने मेरे बारे में जो कहा उसके लिये भी मैं आपको नतमस्तक होकर प्रणाम करना चाहूंगा।

अध्यक्ष जी, ये सदन कोई साधारण सदन नहीं है। हमने इस सदन के इतिहास को बहुत अच्छे ढंग से देखा है। यहां पर हमने स्वर्गीय मदन लाल खुराना जी को भी देखा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूं मेरी विधानसभा करावल नगर के अंदर बिजली नहीं होती थी, मुझे खुराना जी ने बुलाया और आपको विश्वास नहीं होगा उस समय मिस्टर मुदगल नहीं मुदगल थे दुग्गल,

वी.के. दुग्गल तो उनको कहा ये बिष्ट की विधानसभा है यहां कोई कमी नहीं आनी चाहिये और उठाया फोन को नीचे रख दिया, ऐसे नेताओं का भी हमें आर्शीवाद मिला है और फिर हम देखें यहां साहिब सिंह वर्मा जी। अध्यक्ष महोदय, आज भले ही लोग कुछ भी कह दें ये अनॉथराइज़् कॉलोनी में विकास का जनक कोई थे तो मेरे साहिब सिंह वर्मा जी। अध्यक्ष महोदय, मैंने उनको बहुत अच्छे ढंग से देखा है मुझे काम करने का मौका मिला है। अध्यक्ष महोदय, जब 1,071 कॉलोनियों को पास करने से पहले, आज तो बिजली के बारे में लोग बहुत कुछ बोल रहे हैं, हमने बिजली हार्फ पानी माफ इस प्रकार से देंगे, ये साहिब सिंह वर्मा जी की देन थी कि सिंगल प्वांइट डिलीवरी देकर के दिल्ली के लोगों के घरों पर चांदनी का काम किसी ने किया तो साहिब सिंह वर्मा जैसा व्यक्तित्व उनके जैसा व्यक्तित्व जिनका मुझे सानिध्य मिला।

अध्यक्ष महोदय यदि मैं कहूं तो शीला दीक्षित जी भले ही वो दूसरे दल की थीं लेकिन सदन के अंदर किस प्रकार का उनका व्यवहार था उसको मैं नहीं भूल सकता हूं। मेरा छोटा भाई यहां कुलवंत, हम कुलवंत को भी कहते थे कुलवंत लड़ना नहीं है, झगड़ना नहीं है इनसे बजट लेना है और आपको विश्वास नहीं होगा अध्यक्ष जी, आपको विश्वास नहीं होगा तो हमको कांग्रेस पार्टी से ज्यादा बजट अगर किसी को मिलता था वो व्यक्ति था मोहन सिंह बिष्ट, उसकी टीम के लोग, उनको बजट मिलता था अध्यक्ष महोदय। फिर ये ही नहीं आपने देखा होगा 98वे से लेकर 2003

तक ये बागडोर उनके हाथ में थी और हमने वो भी देखा अध्यक्ष महोदय जो आपने भी देखा 10 साल तक आपने झेला अरविंद केजरीवाल और सुश्री आतिशी जी और आज मुझे खुशी इस बात की है 27 साल के बाद कम से कम मेरी बहन इस दिल्ली की मुख्यमंत्री बनकर के आई है और इतिहास रचेंगी, आर्शीवाद आप और हम सब लोगों को उसको देना होगा। बहुत सी कमियां हो सकती हैं, बहुत सी खामियां हो सकती हैं, नये नवेले भी हो सकते हैं लेकिन मेरा नैतिक दायित्व ये बनता है हम सब लोगों का एक ही बनता है कि हम उनके साथ कदम से कदम मिलाकर के चलेंगे जो मेरे नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है वो सपनों को साकार दिल्ली को बनाकर रखेंगे ये मैं निवेदन करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय हमने स्वस्थ परम्पराओं का निर्वहन किया और कहीं आपको ऐसा नहीं लग रहा होगा आपने जो आपने डिसीज़न लिया ना मैं उसका कायल हूं, मैंने अभी प्रैस और मिडिया में कहा मैंने जो उन्होंने किया बिल्कुल ठीक किया आज। अध्यक्ष की एक परम्परा है, अध्यक्ष का एक नियम है, सत्ता हो विपक्ष हो उसको आप छोड़ दीजिये, यदि हमको संविधान की रक्षा करनी है, रूल बुक की रक्षा करनी है कहीं ना कहीं कोई ना कोई कड़े कदम भी उठाने से हमको पीछे नहीं हटना चाहिये। मैंने इसी सदन के अंदर देखा है, इसी सदन में आदरणीय स्वर्गीय चरती लाल गोयल जी को किस प्रकार का व्यक्तित्व था जो उस समय के सदस्य अब यहां नहीं है उनके बारे में कहा गया, उसी आसन पर आप हैं, हमने

वो और भी देखा, हमने चौधरी प्रेम सिंह, सर मैं आपको एक बात कहना चाहता हूं वैसे मैं माफ़ी मांगना चाहता हूं लम्बी बात हो जायेगी, मैं जब इस सदन का।

श्री ओम प्रकाश शर्मा: सबको इतना ही समय देना पड़ेगा आपको।

श्री मोहन सिंह बिष्ट: हां बिल्कुल देंगे सर, जब मैं इस सदन का सदस्य बना तो कांग्रेस की सरकार थी दिल्ली में और हमारे उसमें वालिया जी शहरी विकास मंत्री थे तो उन्होंने क्या किया बगैर मुझे पूछे वो करावल नगर के दौरे पर आ गये और जब दौरे पर पहुंचे, मुझे यहां पता लगा मैं सदन में खड़ा हो गया। उस समय में चौधरी प्रेम सिंह जी इस विधानसभा के स्पीकर थे। मैंने कहा सर मैं आपसे एक हम्बल रिक्वेस्ट करूं, कहने लगे करिये ना बोलिये ना, मैंने कहा इस सदन के अन्दर एक ऐसी परम्परा डलनी चाहिये जिस एरिया का विधायक हो कम से कम उसको आप टेलिफोन से सूचना कर दें, वो आये या ना आये उसका सम्मान होता है और मैं अपनी सरकार से भी मेरी सरकार तो बिल्कुल निश्चित रूप से यही काम करने वाली है कि वो इस परम्परा को आगे लेकर के चलेगी हमारे लिये अपने मैम्बर का सम्मान अतिआवश्यक है ये मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूं इस प्रकार की परम्परा को वो डालें। हमने योगानन्द शास्त्री जी को, हमने उनको भी देखा है उनके साथ भी मुझे काम करने का मौका मिला। मुझे एक नाम इसमें लिखा नहीं है सुभाष चोपड़ा, सुभाष

चोपड़ा के साथ भी मुझे काम करने का मौका मिला। मुझे अजय माकन जी के साथ भी काम करने का मौका मिला, एम.एस. धीर, एम.एस. धीर से तो मैं इतना हां एम.एस. धीर से भी मेरे को यहां काम करने का मौका मिला, रामनिवास गोयल जी के साथ भी हमें यहां काम करने का मौका मिला लेकिन और आपके आने के बाद निश्चित रूप से मुझे लगता है कि ये परम्परायें जो गलत परम्परायें डल गई थीं उन परम्पराओं को हटाकर के यहां पर विधायक का सम्मान करने का आप कार्य करेंगे निश्चित रूप से यही मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपके आने के बाद वास्तव में ये आठवीं विधानसभा का गठन है, इस गठन के अन्तर्गत हमें इस मंच के माध्यम से दिल्ली के लोगों की समस्याओं का समाधान करके उचित समस्याओं के समाधान करके दिल्ली के लोगों को निश्चित रूप से उनके जीवन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे ये मैं कहना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, ये भी सत्य है आज हम सत्ता पक्ष में हैं हमें गरूर नहीं है, हमें घमंड नहीं है, हमारे अन्दर कोई ऐसी भावना नहीं है क्योंकि हम संस्कारों के साथ जीने वाले व्यक्ति हैं। सर हम तो पश्थ्वी की उस चीज़ को देखते हैं यदि पेड़ पर फल लगता है तो झुकने की आदत डालता है, नम्रता और विनम्रता हमारे गहने हैं हम उसको लेकर के आगे बढ़ेंगे ये मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। सर, मैं अपनी मुख्यमंत्री बहन जी का मैं आभारी हूं कि उन्होंने मेरे नाम से जो प्रस्ताव लेकर के मुझे उपाध्यक्ष पद पर जो

नामांकित किया मैं आपको विश्वास दिलाता हूं मैं सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर के दिल्ली को आगे ले जाने का हम काम करेंगे, विकास को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। मैं अपने मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों का उनका भी आभार प्रकट करना चाहता हूं मेरे ये जो साथी यहां बैठे हुये हैं मेरी पार्टी बीजेपी है, मैं अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ अपने विधायकगणों का, मैं उनका भी आभार प्रकट करना चाहता हूं और मैं आप सब लोगों को विश्वास दिलाता हूं मैं विधायिकी के नियमों के साथ आगे बढ़ना और सभी सदस्यों की हितों की रक्षा करना ये मेरा नैतिक धर्म होगा, कर्तव्य होगा ये मैं आपको विश्वास दिला रहा हूं। मेरा ये पुनित कर्तव्य है मैं जनहित के मामलों में रक्षा करना, विकास को आगे बढ़ाकर ले चलना ये मैं कार्य करता रहूंगा। मुझे विधानसभा के सदस्य, सभा की गरिमा, मर्यादा बनाने के लिये मैं हर संभव प्रयास करूंगा। सदन के सभी सदस्यों से मैं अपेक्षा करता हूं कि हम सब लोग जो मेरे नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' इस कार्य को लेकर के निश्चित रूप से हम सब लोग आगे बढ़ेंगे और मैं इसमें सहयोग की अपेक्षा करता हूं। मित्रों, आप सब लोगों ने मुझे जिस प्रकार की उपाध्यक्ष पद के लिए मेरा नाम नामांकित किया, उपाध्यक्ष पद से मुझे सुशोभित किया उसके लिये मैं पुनः आप सबका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं, सबका मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः साथियो आज बहुत खुशी का दिन है कि मोहन सिंह बिष्ट जी यहां पर उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुये हैं, हम सबने उनको बधाई दी है। हमारी उनके प्रति, बहुत हम लोगों ने तो साथ बिताये हैं पिछले पांच वर्ष भी और हर अच्छा-बुरा समय हमने यहां देखा है, बहुत सयंम से आप चले हैं और जिस तरह से आपने चुनौती को स्वीकारा और दूसरे स्थान से जाकर के मुस्तफाबाद से जाकर के आप भारी मतों से विजयी होकर के आये और उपाध्यक्ष के रूप में आप निर्वाचित हुये, मैं अपनी ओर से उनको बधाई देता हूं और मैं मुख्यमंत्री जी से भी कहूंगा की वो भी मंच पर एक बार आयें और हमारे उपाध्यक्ष जी भी आयें और हम उनका यहां पर फूल देकर स्वागत करेंगे।

(माननीय उपाध्यक्ष महोदय का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया।)

माननीय मुख्यमंत्रीः बहुत-बहुत बधाई।

(श्री मोहन सिंह बिष्ट अध्यक्ष के आसन पर पीठासीन हुए।)

माननीय उपाध्यक्षः धन्यवाद, थैंक्यू। मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है कृपया अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जायें और अब आज की कार्यवाही यहीं पर समाप्त की जाती है। अब सदन की कार्यवाही, सर।

(आपसी विचार विमर्श)

माननीय उपाध्यक्षः सबसे पहले तो मैं सबका आभार प्रकट करना चाहता हूं, धन्यवाद करना चाहता हूं मेरे सदन ने जो मुझ पर विश्वास जताया निश्चित रूप से मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा। अब सदन की कार्यवाही कल शुक्रवार 28 फरवरी को अपराह्न 2.00 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है और आप सब उसके बाद आमंत्रित हैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, नमस्कार।

(सदन की कार्यवाही शुक्रवार 28 फरवरी को अपराह्न 2.00 बजे तक के लिये स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।